एफडीडीआई के संकाय को 'शोध पत्र' की ऑनलाइन समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया

श्री अनूप सिंह राणा, एचओएस, एलजीएडी

'समीक्षा में उत्कृष्टता' का प्रमाण पत्र

एफडीडीआई के लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) के स्कूल प्रमुख (एचओएस) श्री अनूप सिंह राणा को सूचीबद्ध पत्रिका "शोध कोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स" आईएसएसएन: 2582-7472 में शोध पत्र की ऑनलाइन समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था। "एशिया के हवाई अड्डों पर हिंदू पौराणिक कलाकृतियां" शीर्षक वाले शोध पत्र की समीक्षा श्री राणा द्वारा की गई थी जिसके लिए उन्हें 04 अक्टूबर 2023 को 'समीक्षा में उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया।

एफडीडीआई, पटना के छात्रों के लिए कंपीटेंस एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, हाजीपुर में औद्योगिक दौरा

औद्योगिक दौरे के तहत, एफडीडीआई, पटना परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 18 छात्रों को 29 सितंबर 2023 को बिहार के हाजीपुर में स्थित कॉम्पिटेंस एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के कारखाने का दौरा किया गया।

एफडीडीआई, पटना के छात्र कॉम्पिटेंस एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में

इस यात्रा ने छात्रों को सिंथेटिक सामग्री तथा उत्पादों, रासायनिक रचनाओं, कंपाउंडिंग, मिश्रण, डिजाइनिंग, उत्पादन और विपणन के चयन और उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

छात्रों ने कंपनी में स्थित उत्पादन सुविधाओं एवं वास्तविक कार्य वातावरण को देखा, जहां श्री धनेश प्रसाद ,प्रबंध निदेशक, कॉम्पिटेंस एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड भी उपस्थित थे, जिन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की और फुटवियर उद्योग के बारे में उनके सभी प्रश्नों का समाधान किया।

एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए शाहपुर मार्केट में 'फैशन इलस्ट्रेशन (कलर रेंडरिंग)' और तकनीकी एक्सपोजर पर कार्यशाला

एफडीडीआई, नोएडा में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) के तीसरे सेमेस्टर के छात्रों को बेहतर समझ प्रदान करने, विभिन्न रंग तकनीकों और रंग अनुप्रयोग के लिए उपयोग किए जाने वाले विभिन्न माध्यमों पर जानकारी करने के लिए, 29 सितंबर, 2023 को 'फैशन इलस्ट्रेशन (कलर रेंडरिंग)' पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी।

कार्यशाला का संचालन वाराणसी के एक कुशल कलाकार श्री निखिलेश कुमार प्रजापति द्वारा किया गया, जिन्होंने राज्य ललित कला अकादमी और आईएफएसीएस से मान्यता सहित प्रतिष्ठित कला दीर्घाओं से कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

उन्होंने रंग के उपयोग के माध्यम से कपड़े के नमूने विकसित करने की प्रक्रिया में जानकारी प्रदान की। छात्रों को अपने चित्रों में शरीर के हाव-भाव को पकडने की कला पर भी निर्देश प्राप्त किए।

26 सितंबर, 2023 को, एफडी के तीसरे सेमेस्टर के 29 छात्रों के एक समूह को, उनके संकाय के साथ, शाहपुर मार्केट, दिल्ली में कार्यात्मक स्टोरों पर उनकी यात्रा के दौरान तकनीकी अनुभव प्रदान किया गया था, जो पैटर्न बनाने, रंगाई से लेकर कढ़ाई, स्वारोवस्की लेस वाली लाल साड़ी पर काम कर रहे हैं।

कार्यशाला का एक दृश्य

शाहपुर मार्केट में छात्र

इन दुकानों के मास्टरकारीगरों ने छात्रों को मोती एवं सेक्विन का उपयोग करके जरदोजी पर कढ़ाई करना सिखाया और उन्हें तकनीकी जानकारी भी प्रदान की गई।

यह प्रयोगात्मक अनुभव छात्रों के लिए एक समृद्ध तथा जानकारीपूर्ण अनुभव साबित हुआ, जिससे उन्हें फैशन डिजाइन के इन आवश्यक पहलुओं में गहरी समझ और दक्षता हासिल करने का मौका मिला।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में ईटीआईसी कार्यक्रम के तहत 'ब्रिजिंग क्रिएटिविटी एंड बिजनेस सक्सेस' पर सत्र आयोजित किया गया

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में रचनात्मक विचारों एवं कॉर्पोरेट जगत के बीच की खाई को पाटने के उद्देश्य से, 27 सितंबर 2023 को 'ब्रिजिंग क्रिएटिविटी एंड बिजनेस सक्सेस' विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया।

सत्र का आयोजन टाइम्स ग्रुप द्वारा'इकोनॉमिक टाइम्स इन कैंपस' (ईटीआईसी) कार्यक्रम के अंतर्गत किया गया था, जिसने उभरते उद्यमियों एवं डिजाइन स्कूल के छात्रों के लिए एक जीवंत मंच प्रदान किया था।

सत्र का एक दृश्य

यह उन लोगों के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है जो वर्तमान व्यावसायिक रुझानों से अद्यतन रहने में रुचि रखते हैं। इसने प्रतिभा का पोषण किया, जिससे भविष्य के व्यापारिक नेताओं को अपने नवीन विचारों को प्रदर्शित करने का मौका मिला।

सत्र के मुख्य बिंदु थे कि किसी की भूमिका को समझना, व्यावसायिक सेटिंग्स में बेहतर संचार करने में मदद करने के लिए मुख्य विपणन अवधारणाओं को जानना, रचनात्मक प्रक्रिया के साथ अक्सर आने वाली अव्यवस्था को संभालने का व्यवस्थित तरीका सीखना।

एफडीडीआई के परिसरों में 'हिंदी पखवाड़ा' आयोजित किया गया

एफडीडीआई के सभी परिसरों में'हिंदी पखवाड़ा' 14-28 सितंबर, 2023 तक आयोजित किया गया था

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में प्रतियागिता का एक दृश्य

सुश्री प्रज्ञा सिंह, आईआरएस, ईडी– एफडीडीआई, बन्नूर कैंपस विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

भारत सरकार की नीति के अनुरूप संकाय, कर्मचारियों एवं छात्रों के बीच राजभाषा– हिंदी के उपयोग में ज्ञान तथा कौशल को बढ़ावा देने के लिए,' हिंदी पखवाड़ा' के दौरान चार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था।

श्री सुनील कुमार उल्लाट्टुथोडिल, कार्यकारी निदेशक (ईडी) , एफडीडीआई, कोलकाता 'हिंदी पखवाड़ा' के दौरान संबोधित करते हुए

डॉ. नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, ईडी- एफडीडीआई, हैदराबाद कैंपस विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए

हिंदी प्रतियोगिताओं में संकाय, कर्मचारियों तथा छात्रों की वक्तव्य कला, तार्किक कौशल और साहित्यिक कौशल का प्रदर्शन किया गया।

क्र.सं.	प्रतियागिता का नाम	आयोजित
1.	कहानी वाचन (Story Telling)	कार्मिकों हेतु
2.	संक्षेपन लेखन (Precis Writing)	
3.	निबंध लेखन (Essay Writing)	छात्रों हेतु
4	वाद-विवाद (Debate)	

इसके अलावा, विभागीय राजभाषा प्रोत्साहन योजना के अनुसार, एफडीडीआई राजभाषा प्रोत्साहन योजना के तहत, शिक्षण के साथ-साथ गैर-शिक्षण विभागों को पूरे वर्ष हिंदी में विभाग द्वारा किए गए कार्य के अधिकतम प्रतिशत के लिए नकद पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया।

एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर में 'हिंदी पखवाड़ा' का एक दृश्य

एफडीडीआई परिसर में विजेताओं को पुरस्कृत करते श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/प्रबंध निदेशक एफडीडीआई

सभी प्रतियोगिताओं के दौरान, बड़ी संख्या में शिक्षण तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों ने भी उत्साहपूर्वक प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने आईआईपी का दौरा किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के बी.डेस स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के तीसरे एवं चौथे वर्ष के छात्रों ने पैकेजिंग के डिजाइन, सामग्री, निर्माण, गुणवत्ता और रसद पहलुओं पर जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से, 26 सितंबर, 2023को भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), हैदराबाद का दौरा किया।

छात्रों एवं संकायों को परीक्षण प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी जानकारी देते हुए

श्री एन. नटराज, उप निदेशक एवं क्षेत्रीय अधिकारी ने आईआईपी एवं इसके मिशन, विभिन्न पैकेजिंग सामग्रियों की भौतिक और रासायनिक परीक्षण प्रक्रियाओं, पैकेजिंग के कार्यात्मक पहलुओं की समझ, चित्रलेख, लोगो के महत्व, पैकेजिंग उद्योग में सुरक्षा और सर्वोत्तम प्रचलन आदि के बारे में जानकारी दी।

एफडीडीआई के छात्रों एवं संकायों ने फुटवियर, चमड़े और अन्य संबंधित उत्पादों के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न पैकेजिंग सामग्री की भौतिक और रासायनिक परीक्षण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय द्वारा आविष्कार भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल में दर्ज एवं प्रकाशित

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में' डेंड्राइट एडेसिव्स एंड फुटवियर केमिकल्स' की वर्तमान प्रगति एवं भविष्य की संभावनाओं के बारे में छात्रों को परिचित कराने के उद्देश्य से, 26 सितंबर 2023 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया था।

सेमिनार में भाग लेते प्रतिभागी

यह चंद्रा केमिकल एंटरप्राइजेज (प्राइवेट) लिमिटेड के, डॉ बी नायक - वरिष्ठ उपाध्यक्ष, आर एंड डी, श्री सुमन बसु - प्रमुख, बिक्री एवं विपणन, श्रीमती श्रीपर्णा मित्रा प्रमुख मानव संसाधन और श्री बिस्वजीत रे-विपणन समन्वयक, विशेषज्ञ प्रतिनिधियों द्वारा आयोजित किया गया था।

प्रस्तुति एवं इंटरैक्टिव सत्र के माध्यम से, उन्होंने विभिन्न प्रकार के उत्पादों के बारे में जानकारी दी – फुटवियर उद्योगों में विभिन्न प्रकार के चिपकने वाले उपयोग तथा उनके अनुप्रयोग, हार्डनर, प्राइमर, उनके तकनीकी पहलुओं, उपयोग, सुरक्षा एहतियात आदि।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय द्वारा आविष्कार भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल में दर्ज एवं प्रकाशित

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी)के संकाय श्री लोगनाथन टी ने भारतीय पेटेंट कार्यालय जर्नल में एक आविष्कार दर्ज एवं प्रकाशित किया।

श्री लोगनाथन टी, शिक्षा और उद्योग में 8 वर्षों से अधिक का अनुभव रखते हुए, चमड़ा प्रौद्योगिकी विभाग, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई से एम.टेक, फुटवियर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की उपाधि धारक हैं और वर्तमान में खेल प्रौद्योगिकी विभाग, तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय में स्पोर्टस फुटवियर में पीएचडी कर रहे है।

क्र.सं.	लेखक	विषय	पेटेंट/पेटेंट संख्या प्रदान करने वाली एजेंसी का नाम
पेटेंट - प्रकाशित			
1.	1. श्री लोगनाथन टी (संकाय- एफडीपी, एफडीडीआई -हैदराबाद) 2. डॉ. आर. रामकृष्णन 3. डॉ. मुरलीधर बी.ए. 4. डॉ. जी. नल्लवन 5. श्री अक्षयरमन एम	प्राकृतिक प्लांट आधारित विकल्प का उपयोग करके सतत स्पोर्टस फुटवियर का डिजाइन एवं विकास	202341055036/ भारतीय पेटेंट कार्यालय

उनके 12 शोध पत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं, जिनमें बायोडिग्रेडेबिलिटी, टैनिंग सिस्टम, स्पोर्ट्स फुटवियर, पर्यावरण विज्ञान, चमड़े के बारे में मूल्यांकन अध्ययन आदि जैसे विषय शामिल हैं। उन्होंने एक वक्ता के रूप में पांच अलगअलग अंतरराष्ट्री-य सम्मेलनों में भाग लिया है और रोबोट सिस्टम में अपने शोध से पहले मलेशिया और चीन में औद्योगिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया है। उन्होंने इन्सोल के आधार परविभिन्न नई सोलिंग सामग्री और नई फुटवियर निर्माण तकनीकों का भी आविष्कार किया।

श्री लोगनाथन ने प्राकृतिक संयंत्र आधारित विकल्प का उपयोग करके सतत स्पोर्ट्स शूज़ के डिजाइन एवं विकास के अपने आविष्कार को दर्ज किया।

यह आविष्कार पारंपरिक जानवरों के चमड़े के प्लांट-आधारित विकल्पों का उपयोग करके टिकाऊ फुटवियर के विकास, डिजाइन और निर्माण से संबंधित है। इसमें मस्किन (मशरूम लेदर अल्टरनेटिव), पिनाटेक्स (पाइनएप्पल लेदर अल्टरनेटिव), मैंगो लेदर अल्टरनेटिव, कोकोनट वाटर लेदर अल्टरनेटिव और अन्य

श्री लोगनाथन टी (संकाय- एफडीपी, एफडीडीआई- हैदराबाद)

प्राकृतिक प्लांट आधारित विकल्प का उपयोग करके सतत स्पोर्टस फुटवियर का डिजाइन एवं विकास

वीगन लेदर ऑप्शन जैसी सामग्रियों का उपयोग शामिल है। यह आविष्कार पर्यावरणीय स्थिरता, निष्ठुरता-मुक्त उत्पादन एवं पोशाक और खेल जैसे फैशन और एथलेटिक उत्पादों में शामिल करने पर केंद्रित है।

यह आविष्कार ऊर्जा-कुशल उत्पादन प्रक्रियाओं तथा संभावित रीसाइक्लिंग या बायोडिग्रेडेशन विकल्पों को शामिल करके स्थिरता पर जोर देता है, जो पर्यावरण के अनुकूल और निष्ठुरता-मुक्त उत्पादों की बढ़ती मांग के साथ संरेखित करता है। संक्षेप में कहें तो, यह अभूतपूर्व आविष्कार स्थिरता, शैली और प्रदर्शन के संयोजन से फुटवियर उद्योग में क्रांति लाना चाहता है।

एफडीडीआई के संकाय, हैदराबाद द्वारा संपादित पुस्तक 'स्टडी ऑन इंडियन हैंडीक्राफ्ट: एन आर्ट, क्राफ्ट एंड डिजाइन सिनेरियो' का विमोचन किया गया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी) के संकाय श्री रामबाबू मुप्पिडी द्वारा' स्टडी ऑन इंडियन हैंडीक्राफ्ट: एन आर्ट, क्राफ्ट एंड डिज़ाइन सिनेरियो' नामक एक पुस्तक, का संपादन किया गया है, डॉ. नरसिम्हुगरी तेज लोहित रेड्डी, आईएएस, कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई हैदराबाद द्वारा 25 सितंबर 2023 के द्वारा विमोचन किया गया।

इस अवसर पर, डॉ मुसुगु श्रीनिवास राव, एसोसिएट प्रोफेसर, पोट्टी श्री रामुलु तेलुगु विश्वविद्यालय ,हैदराबाद, सभी विभागाध्यक्ष एवं संकाय, कर्मचारी और एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के कर्मचारी, छात्र और मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

पुस्तक विमोचन के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

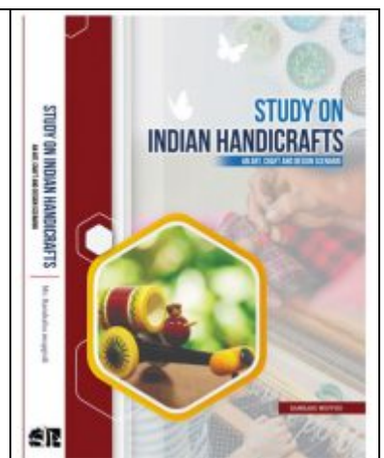

पुस्तक का आवरण पृष्ठ

आईएसबीएन: 978-93 83729 32-6 वाली इस पुस्तक में विभिन्न स्थानों और विधियों जैसे तमिलनाडु- अरुप्पुकोट्टई हथकरघा, तेलंगाना - नारायणपेट हथकरघा और वस्त्र, पोचमपल्ली - इकत क्लस्टर, निर्मल शिल्प डिजाइन, तेलंगाना के लोक हस्तशिल्प, कोल्हापुर - चप्पल, एटिकोप्पाका, और आंध्र प्रदेश, गुजरात में कोंडापल्ली खिलौने और चमड़े की कठपुतली और भुज की दीवार चित्र, कर्नाटक - सुरपुर पेंटिंग, चमड़े के शिल्प पर अध्ययन

(जम्मू और कश्मीर), हिमाचल प्रदेश में हॉट वैक्स मेटल क्राफ्ट, पुनर्नवीनीकरण फाइबर के भौतिक गुण, उत्तर प्रदेश में वाराणसी खिलौने, और भारत में प्रिंटमेकिंग में बड़ौदा जीवन के रंग जैसी विधियां शामिल है।

कुल मिलाकर, 24 लेखकों एवं 25 सह-लेखकों ने इस पुस्तक में सहयोग और योगदान दिया जिसमें श्री अनूप सिंह राणा, डॉ अनुप्रिया, डॉ चंदन कुमार वेमना डॉ गोविंद सोनी, डॉ रवींद्रबाबू वेगुरी, श्री नितिन कुलकर्णी, श्रीमती प्रियदर्सगिनी, सुश्री सौराभी शामिल हैं।

एफडीडीआई संकाय, श्री अब्दुल रहमान एम, श्री लोगनाथन टी, श्री इलयाराजा, श्री नरेश कुमार, श्री हरीश कुमार, श्री सतीश कुमार, सुश्री रुचि सिंह, सुश्री शिका, और सुश्री प्रिया तथा कुछ पूर्व छात्रों और वर्तमान छात्रों ने इस पुस्तक के अध्यायों में अपना योगदान दिया है।

यह पुस्तक पेशेवरों, शिक्षाविदों, विशेषज्ञों, डिजाइन छात्रों और शोध विद्वानों के लिए एक वरदान है।

एफडीडीआई, कोलकाता में छात्रों के लिए 'उन्नत ड्रेपिंग तकनीक' पर कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) 2021 बैच, सेमेस्टर 5, सत्र 2021 – 2025 और एफडी 2020 बैच, सेमेस्टर 7, सत्र 2020 -2024 के छात्रों के लिए 'एडवांस्ड ड्रैपिंग टेक्निक्स' विषय पर छह दिवसीय कार्यशाला 18 से 23 सितंबर 2023 तक आयोजित की गई थी।

कार्यशाला का एक दृश्य

कार्यशाला का संचालन बाहरी संकाय, श्री गौराव गोविंद, डिजाइन एवं प्रबंधन पेशेवर द्वारा किया गया था, जिसके दौरान छात्रों को बॉल गाउन तथा अधोवस्त्र बनाने के कौशल सीखने का अवसर मिला। प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलन, विभिन्न प्रकार के बोनिंग अटैचमेंट, त्रुटियों की पहचान और सुधार, त्रुटियों का सुधार, स्टे एवं फ्यूजिंग संलग्न, सामग्री और उनके उपयोग परिचित ,अधोवस्त्र के प्रकार, संसाधनों की कमी के दौरान वैकल्पिक तरीकों पर काम करने आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

इस कार्यशाला ने व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से छात्रों के सैद्धांतिक ज्ञान को समृद्ध किया है जो उनके लिए सीखने का अनुभव था।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए डेवॉयलर की परिधान निर्माण इकाई और वेबेल-फुजीसॉफ्ट-वारा, सीओई में औद्योगिक दौरा

एफडीडीआई कोलकाता परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), बैच 2022, 2021 और 2020 के 40 छात्रों को वास्तविक चुनौतियों के साथ-साथ परिधान निर्माण के वास्तविक कार्य पैटर्न का सामना करने के उद्देश्य से, 8 सितंबर 2022 को डेवोइलर की परिधान निर्माण इकाई की औद्योगिक दौरे के लिए ले जाया गया।

डेवॉयलर एक भारतीय एथनिक परिधान ब्रांड है जो पारंपरिक भारतीय वस्त्रों को समकालीन सुंदरता एवं अद्वितीय डिजाइन के साथ जोड़ता है। ब्रांड की स्थापना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त फैशन डिज़ाइन र निशा लोयालका ने की थी, जो कोलकाता में वंचित हस्तशिल्प श्रमिकों की दुर्दशा से गहराई से प्रभावित थीं, और उन्होंने एक ऐसा ब्रांड बनाने के लिए दृढ़ संकल्प किया था जो पारंपरिक भारतीय कपड़ों की सुंदरता को प्रदर्शित करते हुए उन्हें स्थायी आजीविका प्रदान करेगा। निशा ने न्यूयॉर्क फैशन वीक एवं लंदन फैशन वीक प्रतियोगिता की विजेता रही हैं। डेवॉयलर की मिंत्रा, अमेज़ॅन, नायका और दुबई के नामसी डोट कोम जैसे विभिन्न ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों के साथ एक मजबूत ऑनलाइन उपस्थिति है।

डेवॉयलर की परिधान निर्माण इकाई में तकनीकी विशेषज्ञ द्वारा छात्रों को औद्योगिक कटिंग विधि का प्रदर्शन

वेबेल-फुजीसॉफ्ट-वारा, सीओई में 3डी प्रिंटिंग पेशेवरों के साथ बातचीत करते छात्र

छात्रों को तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा निर्देशित किया गया था, जिन्होंने छात्रों को कपड़ों के निर्माण में शामिल विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी दी। तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के अलावा, औद्योगिक यात्रा ने छात्रों को विभिन्न सिल्हूट और सामग्रियों का भी पता लगाने का अवसर दिया।

इसी तरह, अपने छात्रों को व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), बैच 2021, 2020 एवं फाउंडेशन, बैच 2023 के 45 छात्रों के लिए 6 सितंबर 2022 को एफडीडीआई, कोलकाता के लिए वेबेल-फुजीसॉफ्ट-वारा, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई): इंडस्ट्री 4.0, न्यूटाउन, कोलकाता कीए क औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया था।

वेबेल-फुजीसॉफ्ट-वारा पश्चिम बंगाल सरकार की एक पहल है, उद्योग उत्कृष्टता केंद्र 4.0 वेबेल, फुजीसॉफ्ट इंक और वारा टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित किया जा रहा है। सीओई स्नातक छात्रों, पेशेवरों, स्टार्ट-अप, कॉरपोरेट्स, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और सरकार को कौशल विकास में आमूल-चूल परिवर्तन के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक साथ लाता है।

छात्रों ने कंपनी की 3डी प्रिंटिंग विनिर्माण सुविधा का अवलोकन किया जिसमें अत्याधुनिक मशीनें, प्रक्रियाएं और पेशेवर वातावरण शामिल हैं। उनको तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने का और साथ ही विभिन्न सामग्रियों का पता लगाने का भी अवसर मिला।

एफडीडीआई की उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ते हुए, चेन्नई परिसर के इसके छात्र ने 21वीं यूआईटीआईसी कांग्रेस -मिलानो, इटली में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन(एफडीपी) के 2019 -2023 बैच के एफडीडीआई, चेन्नई परिसर के छात्र श्री ऋषिकेश रंजीत ने 20 से 22 सितंबर 2023 तक इटली के जीवंत शहर मिलानो में आयोजित प्रतिष्ठित 21वीं यूआईटीआईसी कांग्रेस में "नॉवेल रनिंग शू डिज़ाइन फॉर पर्सन्स विद प्लांटर फासिसाइटिस" शीर्षक से अपना अभूतपूर्व शोध पत्र प्रस्तुत किया।

ऋषिकेश रंजीत, 21वीं यूआईटीआईसी कांग्रेस मिलानो, इटली में

यूआईटीआईसी के 21वें संस्करण में एक नया एडिशन यानी इनोवेशन शोकेस शामिल है, एक ऐसा स्थान जहां चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, मैक्सिको, पुर्तगाल, रोमानिया और स्पेन के अनुसंधान केंद्रों, संस्थानों और कंपनियों ने "अनुसंधान और नवाचार नेटवर्क की क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए अपना काम प्रस्तुत किया जो अपने डिजिटल तथा सतत परिवर्तन में फुटवियर दुनिया का समर्थन करता है"।

डिजिटल संचार का लाभ उठाते हुए, श्री ऋषिकेश रंजीत ने सार प्रस्तुत किया जिसे स्वीकार कर लिया गया।

इस क्षेत्र में नवाचार तथा उत्कृष्टता के लिए श्री ऋषिकेश रंजीत की प्रतिबद्धता ने उन्हें वरिष्ठ संकाय एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), चेन्नई प्रमुख डॉ. प्रियदर्शिनी के मार्गदर्शन में पैरों की सबसे आम लेकिन चुनौतीपूर्ण स्थितियों में से एक, प्लांटर फैसीसाइटिस को संबोधित करने के लिए एक उल्लेखनीय यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। ।

श्री ऋषिकेश का शोध प्लांटर फैस्कीटिस के बायोमैकेनिकल पहलुओं पर गहराई से प्रकाश डालता है, तथा उन्होंने इस स्थिति से पीड़ित लोगों को पर्याप्त राहत प्रदान करने के उद्देश्य से एक नया रनिंग शू डिज़ाइन विकसित किया है। उनका शोध न केवल जूते के आराम एवं समर्थन पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करता है, बल्कि शैली और सौंदर्यात्मकता के महत्व पर भी जोर देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्लांटर फैसीसाइटिस वाले व्यक्ति आत्मविश्वास से एक सक्रिय जीवन शैली अपना सकते हैं।

श्री विक्रम सिंह, रणनीतिक प्रमुख निवेश- , ब्रिटिश उच्चायोग, ने एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया

श्री विक्रम सिंह, रणनीतिक प्रमुख -निवेश, ब्रिटिश उच्चायोग (बीएचसी) ने 20 सितंबर 2023 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया।

अपने दो घंटे के प्रवास के दौरान, श्री विक्रम सिंह ने संस्थान के चार स्कूलों में स्थापित अत्याधुनिक सुविधाओं एवं बुनियादी ढांचे के अवलोकन सहित संस्थान के परिसर का दौरा किया।

यात्रा का उद्देश्य ब्रिटिश फुटवियर एसोसिएशन, यूनाइटेड किंगडम (यूके) के साथ गठबंधन करने, एसएटीआरए, यूके की तकनीकी समितियों के साथ जुड़ने तथा उद्योग-शिक्षा के साथ-साथ संस्थागत सहयोग के लिए संबंध बनाने में प्रशिक्षण और शिक्षा और परीक्षण सेवाओं के मुद्दों पर एक जमीनी स्तर तक पहुंचने पर संभावित चर्चा करना था।

श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव/प्रबंध निदेशक, एफडीडीआई और श्री विक्रम सिंह, रणनीतिक प्रमुख – निवेश, बीएचसी के बीच चर्चा

श्री विक्रम सिंह, रणनीतिक प्रमुख – निवेश, बीएचसी, आईटीसी में

श्री विक्रम सिंह ने एफडीडीआई के अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण केंद्र (आईटीसी) की नव स्थापित भौतिक तथा रासायनिक प्रयोगशाला का भी दौरा किया, जो पारदर्शी तरीके से परीक्षण और निरीक्षण में सुधार के लिए नई उन्नत मशीनों से सुसज्जित हैं। उन्होंने चमड़ा, प्लास्टिक, रबर, कपड़ा, जूते, कृत्रिम अंग, खेल के सामान और हानिकारक पदार्थों के परीक्षण के लिए प्रदान की जा रही विभिन्न परीक्षण-सह-गुणवत्ता नियंत्रण सेवाओं को देखा। उन्होंने चमड़े, जीवनशैली एवं फैशन उत्पादों के डिजाइन, रेखाचित्रों का प्रदर्शन भी देखा और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

ग्रासिम भिवानी टेक्सटाइल्स लिमिटेड (जीबीटीएल) में एफडीडीआई, रोहतक के छात्रों के लिए 'औद्योगिक एक्सपोजर '

वस्त्रों की कताई, बुनाई, प्रसंस्करण तथा रंगाई के बारे में गहन जानकारी प्रदान करने के लिए,एफडीडीआई, रोहतक परिसर के फैशन डिजाइन और फाउंडेशन बैच के छात्रों ने 'इंडस्ट्रियल एक्सपोजर' के तहत, 14 सितंबर 2023 को ग्रासिम भिवानी टेक्सटाइल्स लिमिटेड, (जीबीटीएल) का दौरा किया।

एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय की देखरेख में, एफडीडीआई के छात्रों ने सीखा कि विभिन्न मशीनों, रंगाई प्रक्रिया,

छात्रों को टेक्सटाइल मिल की कार्यक्षमता के बारे में जानकारी देते हुए

प्रयोगशाला परीक्षण, कार्डिंग, ड्राइंग, कपड़े प्रसंस्करण (स्कोरिंग, मेंडिंग, रैपियर लूम) पैकिंग, वेयरहाउसिंग आदि द्वारा व्यावहारिक रूप से यार्न का निर्माण कैसे किया जाता है।

यह दौरा जानकारीपूर्ण थी क्योंकि इसने छात्रों को कपड़ा मिल के आंतरिक कार्य वातावरण को देखने का अवसर प्रदान किया, साथ ही कताई, बुनाई एवं रंगाई के व्यावहारिक पहलुओं से संबंधित उपयोगी जानकारी भी प्रदान की जिसे व्याख्यान में कल्पना नहीं की जा सकती है।

एफडीडीआई के संकाय, फुरसतगंज परिसर द्वारा संयुक्त रूप से लिखित एक पुस्तक 'फुटवियर टेक्नोलोजी का क ख ग' प्रकाशित हुई

श्री वरुण गुप्ता, कनिष्ठ सलाहकार -फुटवियर टेक्नोलॉजी (एफटी) एवं केन्द्र प्रभारी, एफडीडीआई फुर्सतगंज और श्री एवी सुरेश, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार, रोमन सीएडी (रणनीतियां, फ्रांस) -पुणे द्वारा संयुक्त रूप से लिखी गई 'फुटवियर टेक्नोलोजी का क ख ग' नामक पुस्तक सितंबर 2023 में नोशन प्रेस प्रकाशक द्वारा प्रकाशित की गई है।

क्र.सं.	संकाय का नाम	पुस्तक का आवरण पृष्ठ
1.	श्री वरुण गुप्ता, कनिष्ठ सलाहकार- एफटी, एफडीडीआई, फुर्सतगंज	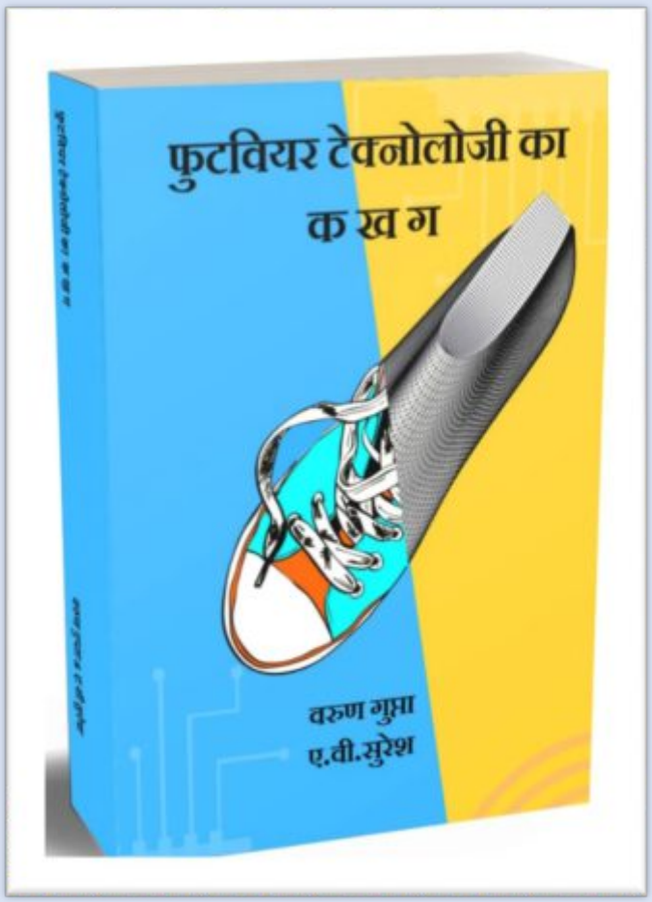
2.	श्री ए. वी. सुरेश, वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार, रोमन सीएडी (रणनीतियाँ, फ्रांस) – पुणे	

यह पुस्तक हिंदी भाषा में व्यापक दृष्टिकोण के साथ सैद्धांतिक पहलुओं के साथ-साथ व्यावहारिक जानकारी भी प्रदान करती है। इस पुस्तक की खासियत यह है कि यह चित्रों के माध्यम से फुटवियर उद्योग की सूक्ष्म से सूक्ष्म जानकारी प्रदान

करती है। पुस्तक को अध्यायों के साथ प्रलेखित किया गया है, जिनका परिचय, फुट एंड लास्ट, लेदर एंड फैब्रिक्स, नेस्टिंग, ग्राइंडरीज, टूल्स, मशीनें और फुटवियर निर्माण की प्रक्रिया के रूप में विभाजित किया गया है। इन अध्यायों को आगे 30 इकाइयों में विभाजित किया गया है।

इस पुस्तक की सामग्री दुनिया भर में फुटवियर उद्योग के संकायों, तकनीशियनों, पर्यवेक्षकों तथा प्रबंधकों के लिए भी लाभकारी है। गहन अध्ययन से पाठकों को दिन-प्रतिदिन की उत्पादन स्थितियों का समाधान प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह पुस्तक कॉर्पोरेट्स, सरकारी संगठनों और पीएसयू से संबंधित प्रतियोगी परीक्षाओं और साक्षात्कार का सामना करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए सहायक होगी।

आईएसबीएन: 9798891331150 वाली पुस्तक अमेज़न, फ्लिपकार्ट और नोशन प्रेस वेबसाइट पर उपलब्ध है।

एफडीडीआई ने 'यशोभूमि' के उद्घाटन सत्र में भाग लिया

17 सितंबर 2023 को, भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने द्वारका, नई दिल्ली में 'यशोभूमि -' अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और कन्वेंशन सेंटर, राष्ट्र को समर्पित किया।

इस अवसर पर, माननीय केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों (यूएमएफ एण्ड सीए), भारत सरकार (जीओआई), श्रीमती निर्मला सीतारमण, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण एवं कपड़ा मंत्री (एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी), भारत सरकार, श्री पीयूष गोयल, माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री, श्री नारायण टाटू राणे, माननीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान तथा आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री श्री कौशल किशोर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

कन्वेंशन सेंटर, 73,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में बनाया गया है, जिसमें मुख्य सभागार, ग्रैंड बॉलरूम सहित 15 सम्मेलन कक्ष और 11,000 प्रतिनिधियों को बैठने की कुल क्षमता वाले 13 बैठक कक्ष शामिल हैं।'यशोभूमि ' के सभागार में उपयोग किए गए लकड़ी के फर्श तथा ध्वनिक दीवार पैनल आगंतुक के लिए विश्व स्तरीय अनुभव सुनिश्चित करते हैं। यह स्थिरता के प्रति एक मजबूत प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करता है क्योंकि यह वर्षा जल संचयन के प्रावधानों के साथ 100% अपशिष्ट जल के पुन: उपयोग के साथ अत्याधुनिक अपशिष्ट जल उपचार प्रणाली से सुसज्जित है।

'यशोभूमि' के संचालन से भारत को बढ़ती बैठकों, प्रोत्साहनों, सम्मेलनों तथा प्रदर्शनियों (एमआईसीई) उद्योग का लाभ उठाने तथा व्यापार और उद्योग को आकर्षित करने और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी 'यशोभूमि' का उद्घाटन करते हुए

उद्घाटन समारोह में शामिल एफडीडीआई के अधिकारीगण

इस अवसर पर, भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने पारंपरिक कारीगरों तथा शिल्पकारों की 18 श्रेणियों को संपार्श्विक-मुक्त ऋण और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना शुरू की। यह योजना बढ़ई के पारंपरिक शिल्प; नाव बनाने वाले; लुहार; हथौड़ा और टूल किट निर्माता; ताला बनाने वाले; सुनार; कुम्हार; मूर्तिकार, पत्थर तोड़ने वाले; मोची (जूता कारीगर/जूते कारीगर); राजमिस्त्री (राजमिस्त्री); टोकरी/चटाई/झाड़ू निर्माता/जूट बुनकर; गुड़िया और तथा निर्माता (पारंपरिक); नाई; माला बनाने वाले; धोबी; दर्जी; और मछली पकड़ने के जाल बनाने वाले को कवर करेगी।

इससे एफडीडीआई को खुशी एवं ऐतिहासिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिला।

एफडीडीआई और शारदा विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

15 सितंबर 2023 को एफडीडीआई और शारदा विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए, जो दोनों संस्थानों के लिए नए रास्ते खोलता है, जो काफी व्यापक है, जिससे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान तथा विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साथ काम करना संभव हो जाता है।

एफडीडीआई की ओर से, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि शारदा विश्वविद्यालय की ओर से, श्री विवेक कुमार गुप्ता, रजिस्ट्रार ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके दौरान दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

छात्रों एवं संकाय सदस्यों के शैक्षणिक हित में संस्थानों के बीच ज्ञान और संसाधनों को साझा करने के उद्देश्य से, समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

एमओयू के आदान-प्रदान का एक दृश्य

समझौता ज्ञापन, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दोनों संस्थानों के बीच एक- दूसरे की ताकत से लाभ उठाने के लिए सहयोग और आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा और दोनों संस्थानों के छात्रों तथा संकायों को व्यापक सीखने की गुंजाइश प्रदान करेगा और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) को बढ़ावा देगा।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर ने 'सिलाई सुई' पर संगोष्ठी का आयोजन किया

13 सितंबर 2023 को, एफडीडीआई, रोहतक परिसर ने 'सिलाई सुई' पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया ,जिसमें स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) और स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के सभी छात्रों और संकायों ने भाग लिया।

श्री तरुण मुंशी सिलाई सुई की कार्यक्षमता के बारे में जानकारी देते हुए

संगोष्ठी का आयोजन छात्रों को सिलाई सुइयों के तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के लिए किया गया था जो एक बहुत छोटी इकाई है, लेकिन विशेष रूप से फुटवियर, कपड़े और फैशन की दुनिया में दुकान-फर्श उत्पादकता और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

श्री तरुण मुंशी, सेल्स मैनेजर, ग्रोज़-बेकर्ट जिन्हें मार्केटिंग क्षेत्र में 20 वर्षों का अनुभव है, सेमिनार के विशेषज्ञ वक्ता थे। श्री तरुण ने सुई की मूल बातें, सुइयों के भागों, सुइयों के प्रकार, सुइयों के कामकाज, सुई के गुणों, लेदर तथा फैशन के कपड़ों में सुई की भूमिका के बारे में बताया।

एफडीडीआई, कोलकाता ने 'ईडीपी' पर संगोष्ठी आयोजित की और अजंता शूज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में छात्रों को औद्योगिक एक्सपोजर प्रदान किया

उद्यम शुरू करने और चलाने के लिए आवश्यक आवश्यक कौशल एवं ज्ञान के बारे में पर्याप्त जानकारी प्रदान करने के लिए, 13 सितंबर 2023 को एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई।

संगोष्ठी के दौरान, प्रसिद्ध स्टार्ट-अप कंपनी, पाडुके के संस्थापक श्री अनिकेत गुप्ता ने अपने अनुभवों को साझा किया, जिनका सामना उन्होंने अपने व्यवसाय की स्थापना के दौरान किया था। उन्होंने परियोजना नियोजन, व्यवहार्यता विश्लेषण, स्टार्ट-अप कल्चर, वित्त के स्रोतों, बैंकिंग तथा कंपनी कानून और अन्य के बारे में जानकारी दी।

ईडीपी पर संगोष्ठी का एक दृश्य

ईडीपी पर संगोष्ठी का एक दृश्य

इसके अलावा, 14 सितंबर 2023 को, औद्योगिक एक्सपोजर के तहत छात्रों ने अजंता शू (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया, जहां श्री संदीप कुमार मौर्य, जीएम-मैन्युफैक्चरिंग एंड टेक्निकल ने छात्रों को संगठन के पूरे कामकाज के बारे में जानकारी दी, जिसमें पीवीसी और ईवा, रबर कंपाउंडिंग, पीवीसी इंजेक्शन, पीयू पोरिंग, प्रिंटिंग और विभिन्न प्रकार की सामग्री, विनिर्माण प्रक्रिया और परीक्षण की विभिन्न विनिर्माण प्रक्रिया शामिल हैं, जिसने छात्रों को एक्सपोजर दिया।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'आईकैड3डी+आरईडी21 सीएडी/सीएएम टेक्नोलॉजीज फॉर फुटवियर डिजाइनिंग' पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई

12 सितंबर 2023 को एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'आईकैड3डी + आरईडी21 सीएडी/सीएएम टेक्नोलॉजीज फॉर फुटवियर डिजाइनिंग' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी का एक दृश्य

यह छात्रों को वर्तमान अनुसंधान लाइनों पर तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें फर्मा कस्टमाईजेशन से लेकर डिजाइन और निर्माण के लिए उन्नत उपकरण, जैसे कि 3 डी -2 डी कनेक्टेड डिज़ाइन, आभासी और संवर्धित वास्तविकता, तथा योजक विनिर्माण से सीधा संबंध शामिल है।

श्री एस भास्कर, प्रबंधक, बिक्री एवं तकनीकी और श्री जनार्थन.आर - सीएमआई मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड के तकनीकी अभियंता, संगोष्ठी के प्रमुख वक्ता व्यक्ति थे। उन्होंने फर्मा एवं फुटवियर कस्टमाईजेशन के बारे में जानकारी दी, फुटवियर प्रोटोटाइप के लिए फुटवियर की 3 डी प्रिंटिंग रहता है, फुटवियर के तकनीकी विचारों के बाद जटिल सतहों को चपटा करना, कस्टमाईज्ड इनसोल के डिजाइन की वर्तमान में जांच की जा रही है, उन्हें रोगी के पैर की आकृति

विज्ञान एवं पोडियाट्रिस्ट द्वारा निर्धारित उपचारों के अनुकूल बनाने के उद्देश्य से, फुटवियर मॉडल डिजिटल लास्ट पर डिज़ाइन किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक कठोर रूप दिखाई देता है।

माननीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री, श्री सोम प्रकाश ने एफडीडीआई, बनूर परिसर के 'महिला छात्रावास' की आधारशिला रखी

माननीय राज्य मंत्री (एमओएस), वाणिज्य एवं उद्योग (सी एंड आई),भारत सरकार (जीओआई), श्री सोम प्रकाश ने 11 सितंबर 2023 को एफडीडीआई, बनूर परिसर के 'महिला छात्रावास' की आधारशिला रखी।

'महिला छात्रावास' के शिलान्यास समारोह का दृश्य

सुश्री प्रज्ञा सिंह, आईआरएस, ईडी, एफडीडीआई, बनूर कैंपस 'धन्यवाद ज्ञापन' देते हुए

इस अवसर पर, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई, सुश्री प्रज्ञा सिंह, आईआरएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), एफडीडीआई, बनूर परिसर, श्री अभिषेक नारंग, आईआरएस, निजी सचिव, राज्यमंत्री, उद्योगपति, शिक्षाविद, कर्मचारी, छात्र तथा मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

अपने 'मुख्य भाषण' में, भारत सरकार के राज्य मंत्री श्री सोम प्रकाश ने फुटवियर डिजाइन, फैशन डिजाइन, लेदर और जीवन शैली उत्पाद डिजाइन, रिटेल एण्ड फैशन मर्चेंडाइज के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने में एफडीडीआई के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने छात्रों द्वारा डिजाइन किए गए फुटवियर, हैंडबैग आदि की प्रदर्शनी की सराहना की तथा फुटवियर और चमड़ा उद्योगों के उद्योगपतियों के साथ बातचीत भी की।

250 लड़कियों के छात्रों को समायोजित करने की क्षमता वाला छात्रावास, छात्राओं के लिए एक वरदान होगा क्योंकि छात्रावास के कमरे शिक्षण विभागों तथा प्रयोगशालाओं से पैदल दूरी के भीतर स्थित होंगे। इस प्रकार, छात्र अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की स्थिति में होंगे।

संस्थानों के अभिसरण के तहत, एफडीडीआई, पटना और एनआईएफटी, पटना के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए

संस्थानों के अभिसरण के तहत, शिक्षा, अनुसंधान आउटरीच कार्यक्रमों तथा संकाय आदान-प्रदान में संस्थागत सहयोग के लिए 9 सितंबर 2023को एफडीडीआई , पटना और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी), पटना के बीच 'संस्थागत सहयोग' पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य एफडीडीआई पटना और एनआईएफटी पटना में संकाय सदस्यों एवं छात्रों को शामिल करते हुए सामूहिक और सहयोगी शिक्षण तथा अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देना है ताकि उच्चतम मानक के शिक्षण एवं अनुसंधान को सुनिश्चित किया जा सके, संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रमों के साथ-साथ सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं को भी पूरा किया जा सके।

दोनों संस्थानों की प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी में एमओयू पर हस्ताक्षर

समझौता ज्ञापन का आदान–प्रदान

एफडीडीआई की ओर से, श्री संजीव कुमार मिश्रा, केंद्र प्रभारी, एफडीडीआई-पटना परिसर और प्रोफेसर कर्नल राहुल शर्मा, निदेशक, निफ्ट-पटना ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ,जो देश के दो प्रमुख संस्थानों की सामर्थ्य पर आधारित है।

हस्ताक्षर समारोह एफडीडीआई-पटना परिसर में हुआ, जिसमें एफडीडीआई के सचिव, श्री पंकज कुमार सिन्हा और दोनों संस्थानों के अन्य प्रमुख अधिकारीगण उपस्थित थे।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'सामग्री अनुकूलन में लागत सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग' पर वेबिनार आयोजित किया गया

डिजिटल प्रौद्योगिकी के प्रयोग का लाभ उठाने के लिए, 8सितंबर, 2023 को सीएमआई मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'सामग्री अनुकूलन में लागत सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग' पर एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया था।

सीएमआई मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत की स्थापना 20 साल पहले फुटवियर टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर के वितरण एवं तकनीकी सहायता के समाधान के रूप में की गई थी।

वेबिनार का आयोजन स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा किया गया था, जिसके दौरान श्री एस भास्कर, प्रबंधक, बिक्री एवं तकनीकी और श्री रवि, प्रबंधक, व्यवसाय विकास एवं तकनीकी, सीएमआई मशीन्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत ने विभिन्न तरीकों पर चर्चा की कि उपयोगकर्ता लागत को कम करने के लिए अपनी प्रक्रियाओं को अनुकूलित कर सकते हैं।

श्री रवि एक प्रस्तुति के माध्यम से समझाते हुए

छात्र एवं संकाय वेबिनार में भाग लेते हुए

श्री रवि ने एक प्रस्तुति के माध्यम से 3डी वर्चुअल, इसके प्रकार तथा अनुप्रयोगों, आईसीएडी 3डी + सॉफ्टवेयर की शुरूआत, फुटवियर डिजाइन में अनुप्रयोगों एवं 3डी + अनुप्रयोगों के बारे में भविष्य के डिजाइन पहलुओं के बारे में बताया। यह अभिनव सॉफ्टवेयर सामग्री चयन को सुव्यवस्थित करता है, कचरे को कम करता है, तथा उत्पादन प्रक्रिया के दौरान लागत को काफी कम करता है।

सचिव, एफडीडीआई को इफकोमा के 'शूटेक मुंबई 2023' -क्रेता-विक्रेता बैठक सह प्रदर्शनी में 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में आमंत्रित किया गया

श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव-एफडीडीआई को हाल ही में संपन्न'शूटेक मुंबई 2023' -इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा) द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के दौरान 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो 4 और 5 सितंबर 2023 को नेहरू सेंटर (दूसरी मंजिल), वर्ली, मुंबई में आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई के सचिव पंकज कुमार सिन्हा के अलावा इस अवसर पर आर से ?म , कार्यकारी निदेशक, चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), श्री नरेश भसीन, अध्यक्ष, पश्चिमी क्षेत्र, सीएलई, श्री एचआर मलिक, अध्यक्ष, मलिक ट्रेडर्स, श्री एस. के. एस. शफुल्लाह खान, प्रबंध निदेशक, ज़ारा फुटवियर, मुंबई, श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, आईएफसीओएमए, श्री धम्मज्योति गजभिये, प्रबंध निदेशक, लिडकॉम, श्री अरमान अली खान, अध्यक्ष, फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, मुंबई, श्री ताराचंद पी पालिया, अध्यक्ष ठक्कर बाटा फुटवियर मैटेरियल्स मर्चेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन, मुंबई और उद्योग के कई अन्य दिग्गजो ने उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे।

एफडीडीआई के सचिव पंकज कुमार सिन्हा को सम्मानित करते हुए

मंच पर गणमान्य व्यक्ति

सभी व्यापार संस्थानों के मजबूत समर्थन के साथ, यह इफकोमा की श्रृंखला में 55वां कार्यक्रम तथा मुंबई "शूटेक 2023" का 12वां संस्करण था, जिसके दौरान प्रदर्शकों ने विभिन्नफुटवियर कंपोनेन्टो ं, सहायक उपकरण तथा मशीनरी को प्रदर्शित किया, जिसमें नवीनतम डिजाइन के विशेष सोल (टीपीआर/टीपीयू/पीयू आदि), प्लास्टिक के फुटवियर लास्ट, इंसोल, टो-पफ एंड काउंटर, लाइनिंग और इंटरलाइनिंग, थ्रेड्स, फिनिश और केमिकल्स, पैकेजिंग बॉक्स, जूता मशीनरी आदि शामिल थे।

सीजीएस अपैरल प्राइवेट लिमिटेड में एफडीडीआई, नोएडा के छात्रों के लिए औद्योगिक दौरा

छात्रों को छपाई, कढ़ाई के बाद परिधान उत्पादन चक्र एवं कपड़ा कारीगरों की भूमिकाओं से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, नोएडा परिसर के छात्रों ने 26 अगस्त, 2023 को सीजीएस अपैरल प्राइवेट लिमिटेड का दौरा किया।

संयत्र एवं मशीनरी को देखते छात्र

उत्पादन प्रक्रिया के बारे में बताते हुए विभागाध्यक्ष

सीजीएस अपैरल प्राइवेट लिमिटेड एक प्रमुख प्राइवेट लिमिटेड भारतीय गैर- सरकारी कंपनी है जो 16 जुलाई 1999 को होजरी कॉम्प्लेक्स, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, भारत में निगमित है। कंपनी परिधान, बुनाई, उत्पादन आदि के निर्माण में शामिल है।

कंपनी के विशेषज्ञों श्री भरत और श्रीमती खुशबू ने परिधान उद्योग के बारे में जानकारी दी। छात्रों को प्लानिंग से लेकर शिपमेंट तक प्रत्येक विभाग का दौरा करने के लिए ले जाया गया, जिसमें सैंपलिंग, कॉस्टिंग, बुनाई, कटिंग, प्रोडक्शन प्लानिंग, कच्चे माल की सोर्सिंग और प्रोडक्शन पैटर्न मेकिंग, फैब्रिक कटिंग, प्रिंटिंग, कढ़ाई, सिलाई, थ्रेड ट्रिमिंग, वाशिंग, इस्त्री, स्टोर डिपार्टमेंट, फोल्डिंग तथा पैकिंग शामिल था।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में आयोजित 'डिजिटल रूप से मुद्रित चमड़े के सामान' पर व्यावहारिक उद्योग संवाद का आयोजन

छात्रों को चमड़े पर प्रिंट करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों को प्राप्त करने में मदद करने के उद्देश्य से, 24 अगस्त 2023 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'डिजिटल रूप से मुद्रित चमड़े के सामान' पर एक व्यावहारिक उद्योग संवाद आयोजित किया गया।

उद्योग संवाद का एक दृश्य

श्री विनोद अय्यर, फोर्टुना कलर्स एंड प्रिंट्स एलएलपी (एफसीपी) के निदेशक तथा फ्लोरा की संस्थापक सुश्री पूजा चोपड़ा 'मुख्य वक्ता' थीं, जिन्होंने चमड़े के सहायक डिजाइन पर डिजिटल प्रिंटिंग के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में जानकारी दी और डिजिटल प्रिंटिंग के बारे में बताया। उन्होंने चमड़े पर सीधे रंगीन डिजाइन, टेक्स्टया लोगो प्रिंट करने की तकनीक, चमड़े , चमड़े एवं टिकाऊ सामग्री जैसे कृत्रिम चमड़े की सामग्री के बारे में भी बताया।

उन्होंने उत्पाद विकास में स्थिरता, बाजार के रुझान तथा पूर्वानुमान और डिजिटल रूप से मुद्रित चमड़े के सामान के क्षेत्र में उपलब्ध कैरियर के अवसरों के बारे में भी जानकारी दी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में उद्यमिता सम्मेलन में एफडीडीआई फुर्सतगंज के संकाय को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया

श्री वरुण गुप्ता, कनिष्ठ सलाहकार एवं केन्द्र प्रभारी, एफडीडीआई फुर्सतगज परिसर को उद्यमिता सम्मेलन के दौरान अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था, जो नवाचार, सहयोग तथा उद्यमिता और स्वरोजगार की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया था।

एक सप्ताह के 'उद्यमिता सम्मेलन' का आयोजन प्रबंधन विज्ञान संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा 21 अगस्त से 25 अगस्त 2023 तक किया गया था।

प्रस्तुति देते हुए श्री वरुण गुप्ता

श्री वरुण गुप्ता ने एक कार्यशाला के दौरान 24 अगस्त 2023 को "एमएसएमई सेक्टर: मार्चिंग टुवर्ड्स सेल्फ-रिलायंस" विषय पर एक प्रस्तुति दी। कार्यशाला ने युवाओं के लिए उद्यमशीलता एवं स्टार्ट-अप व्यवसाय के अवसरों में योगदान दिया।

उन्होंने इस विषय पर एक महत्वपूर्ण जानकारी साझा की तथा एक नया व्यवसाय शुरू करने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे स्टार्टअप स्थापित करने और उद्यमी बनने में सरकार द्वारा दी गई नीति एवं सहायता को समझने के लिए खुद को शिक्षित करें।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'तरल कढ़ाई' पर कार्यशाला आयोजित की गई

कढ़ाई के प्रति कौशल विकसित करने तथा बढ़ाने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, रोहतक परिसर के फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए 23 अगस्त 2023 को 'तरल कढ़ाई' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का एक दृश्य

छात्रों द्वारा अंतिम परिणाम

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सुश्री सोनिया भूटानी ने कार्यशाला का संचालन किया, जिसमें फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन, फाउंडेशन बैच एवं फैशन डिजाइन के छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

उन्होंने 'तरल कढ़ाई' की अवधारणा के बारे में जानकारी दी और दिखाया कि कढ़ाई के लुक को प्राप्त करने के लिए 3डी आउटलाइनर का उपयोग कैसे किया जाए। उन्होंने बताया कि इस कला का उपयोग कई प्रकार के कपड़े, सिंथेटिक्स सामग्री तथा उत्पादों पर भी किया जा सकता है।

एफडीडीआई, नोएडा को राजभाषा हिंदी में अपने उत्कृष्ट कार्य के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, द्वारा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया

राजभाषा हिंदी की प्रगति एवं प्रोत्साहन के लिए, एफडीडीआई प्रतिबद्ध है और गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा दिए गए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर सर्वोत्तम प्रयास कर रहा है।

एफडीडीआई, नोएडा को राजभाषा हिंदी के उत्कृष्ट कार्य के लिए राजभाषा शील्ड योजना' के तहत प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार 23 अगस्त, 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) कार्यालय, नोएडा की 45वीं बैठक के दौरान दिया गया, जो तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय, ओआईडीबी भवन, सेक्टर-73, नोएडा के सहयोग से आयोजित की गई थी।

प्रोत्साहन पुरस्कार के साथ एफडीडीआई कर्मचारी

प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त करते एफडीडीआई संकाय

एफडीडीआई की ओर से मानव संसाधन विभाग, की संकाय श्रीमती पूजा पंवार और हिंदी अधिकारी श्री चंद्र प्रकाश ने बैठक में भाग लिया तथा प्रोत्साहन प्राप्त किया।

इसके अलावा नराकास, नोएडा के तत्वावधान में 09 अगस्त, 2023 को डायरेक्टरेट जनरल ऑफ लाइटहाउस एंड दीपपोत, सेक्टर-24, नोएडा द्वारा 'आशु भाषा'(एक्स्टेम्पोर स्पीच) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया , जिसमें संस्थान की ओर से श्री सौरभ श्रीवास्तव, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई ने भाग लिया और 'आशु भाषा' प्रतियोगिता में प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'प्रौद्योगिकी फैशन और डिजाइन उद्योग को कैसे प्रभावित करती है' विषय पर 'संस्थानों के अभिसरण' के तहत वेबिनार आयोजित किया गया।

संस्थानों के अभिसरण के तहत, एफडीडीआई, नोएडा में एक व्यावहारिक वेबिनार आयोजित किया गया था। जिसमें ये पांच संस्थान एफडीडीआई, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) शामिल हैं।

कपड़ा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत पांच संस्थानों का अभिसरण नवंबर2022 के महीने में शुरू किया गया था। इन पांच संस्थानों के बीच सहयोग में एक अधिक गतिशील तथा एकीकृत राष्ट्रीय डिजाइन और व्यावसायिक शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की क्षमता है जो छात्रों, उद्योगों और समाज को लाभान्वित करता है।

इनके साथ मिलकर, एफडीडीआई ने 23 अगस्त 2023 को 'प्रौद्योगिकी फैशन और डिजाइन उद्योग को कैसे प्रभावित करती है' विषय पर पहले वेबिनार की मेजबानी करने का बीड़ा उठाया।

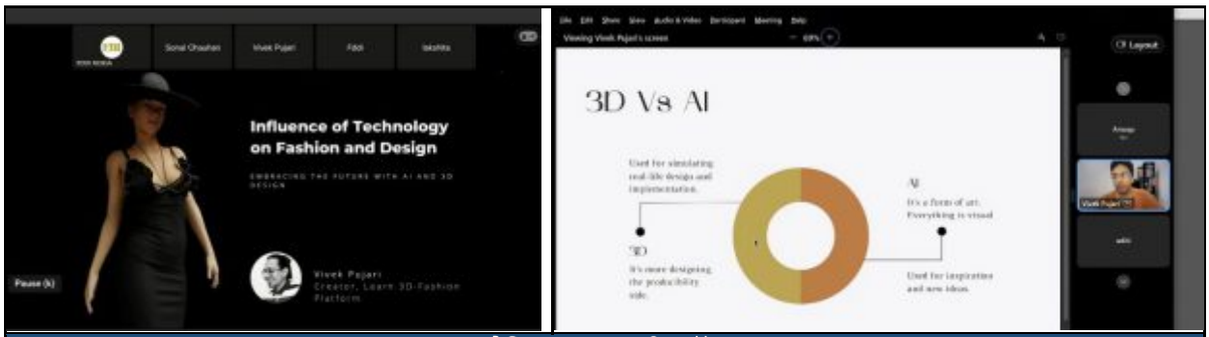

वेबिनार का स्क्रीनशॉट

श्री विवेक पुजारी वेबिनार के वक्ता थे जो लर्निंग 3डी डिजाइन इंस्टीट्यूट के संस्थापक हैं।

वेबिनार के दौरान, श्री विवेक ने प्रौद्योगिकी एवं फैशन एंड डिजाइन उद्योग के बीच गतिशील संबंधों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की तथा डिजिटल डिजाइन टूल्स और वर्चुअल प्रोटोटाइप, ई-कॉमर्स और वर्चुअल ट्राई-ऑन, सस्टेनेबिलिटी और स्मार्ट टेक्सटाइल्स एवं डेटा एनालिटिक्स और कंज्यूमर इनसाइट्स पर विस्तार से बताया।
वेबिनार में पांचों संस्थानों के संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों का 'बुनकर सेवा केंद्र, 'हैदराबाद में शैक्षिक दौरा

डिजाइन संसाधन केंद्र की व्यापक समझ प्रदान करने के साथ-साथ कपड़ा उत्पादन के संदर्भ में रंगाई, छपाई और बुनाई की जटिल प्रक्रियाओं की जानकारी प्रदान करने के लिए, बी.डीईएस फैशन डिजाइन, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के 2022 बैच के छात्रों ने शैक्षिक दौरे के तहत 23 अगस्त 2023 को हैदराबाद में स्थित कपड़ा मंत्रालय के तहत 'बुनकर सेवा केंद्र' का दौरा किया।

डिजाइन संसाधन केंद्र में यात्रा के दौरान, जिसमें पैटर्न, रूपांकनों तथा रंग पट्टियों का एक व्यापक संग्रह है, जो रचनात्मकता का एक स्रोत प्रदान करता है, छात्रों को पारंपरिक और समकालीन डिजाइनों की एक प्रभावशाली श्रृंख्ला से अवगत कराया गया जो प्रेरणा के अमूल्य स्रोतों के रूप में कार्य करता था।

हैदराबाद के बुनकर सेवा केन्द्र में अपने संकाय के साथ एफडीडीआई के छात्र

विशेषज्ञ छात्रों को जानकारी देते हुए

एफडीडीआई के संकाय की देखरेख में, रंगाई, छपाई तथा बुनाई की जटिल प्रक्रियाओं का दौरा और अवलोकन करते हुए, केंद्र के विशेषज्ञों ने छात्रों को रंगों को तैयार करने, उन्हें कपड़ों पर प्रयोग करने और विविध प्रकार के रंगों को प्राप्त

करने की सावधानीपूर्वक प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन किया। इससे छात्रों को सही रंगों को प्राप्त करने में शामिल रसायन विज्ञान और कलात्मकता के लिए जानकारी हासिल करने में मदद मिली और रंगाई प्रक्रिया में मामूली बदलाव भी अलग-अलग परिणाम दे सकते हैं।

एफडीडीआई रोहतक परिसर में 'लिपन आर्ट' पर कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, रोहतक परिसर के फाउंडेशन बैच के छात्रों के लिए 22 अगस्त 2023 को 'लिपन आर्ट' पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का एक दृश्य

छात्रों द्वारा अंतिम परिणाम

पिडिलाइट इंडस्ट्रिज लिमिटेड की सुश्री सोनिया भूटानी ने कार्यशाला का संचालन किया, जिन्होंने लिपन कला के बारे में जानकारी दी, रंगों एवं उनकी भूमिका के बारे में बताया और मोल्डिंग मिट्टी का उपयोग करना सिखाया। उन्होंने दिखाया कि दर्पण और पत्थरों (विभिन्न आकारों के) का उपयोग कैसे करें और आगे डिजाइन पर ऐक्रेलिक पेंट कैसे प्रयोग करें। एक मूल्यांकन सत्र भी आयोजित किया गया जिसने छात्रों को उनकी कमियों को दूर करने में मदद की।

कार्यशाला ने छात्रों को डिज़ाइन अवधारणा से लेकर दर्पण अलंकरण तक, आश्चर्यजनक लिपन कला बनाने की जटिल प्रक्रिया को समझने में मदद की।

केमक्राउन ग्रुप में एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर के छात्रों के लिए 'एप्लीकेशन लैब' पर कार्यशाला का आयोजन

परीक्षण प्रक्रियाओं से संबंधित विशिष्ट ज्ञान तथा कौशल प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बनूर) परिसर के 5 वें सेमेस्टर, तीसरे वर्ष के छात्रों के लिए 'एप्लीकेशन लैब' पर दो दिवसीय कार्यशाला सी एंड ई लिमिटेड के विनिर्माण संयंत्र, औद्योगिक क्षेत्र, जुडिकलान, बद्दी, जिला बद्दी, सोलन, हिमाचल प्रदेश में स्थित, संस्थान के परिसर में आयोजित की गई थी।

इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा) के सहयोग से सी & ई लिमिटेड के विनिर्माण संयंत्र में 21 अगस्त 2023 को आयोजित कार्यशाला ने छात्रों को वास्तविक परिणाम देने के लिए सुविधाओं, उपकरणों तथा प्रक्रियाओं को देखने का अवसर प्रदान किया।

सी एंड ई लिमिटेड इफकोमा का सदस्य है और भारत के चमड़े एवं फुटवियर फिनिश रसायनों का प्रमुख निर्माता है। श्री गुआलबर्टो, एक इतालवी टेक्नोक्रेट और 45 वैश्विक अनुभव वाले उद्यमी, केमक्राउन ग्रुप के लिए चमड़े और जूतों के फिनिश व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं।

छात्रों को सी एंड ई लिमिटेड के विनिर्माण संयंत्र में 'एप्लीकेशन लैब' पर जानकारी देते हुए

एफडीडीआई, चंडीगढ़ (बानूर) परिसर में आयोजित प्रशिक्षण सत्र का एक दृश्य

एप्लीकेशन लैब तथा शू फिनिश की तकनीकी टीम ने छात्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें विभिन्न प्रकार की टैनिंग प्रक्रिया, चमड़े बनाने में उपयोग किए जाने वाले रसायनों, विभिन्न प्रकार के चमड़े, विभिन्न प्रक्रियाओं एवं जूता फिनिश रसायनों जैसे सफाई एजेंट -(डर्टेंट और सी -मार्क), डाई क्रीम -(पोर्टोफिनो सेंसेशनल डाई क्रीम), बेस क्रीम -(मटेरा बेस), टॉप क्रीम -(मटेरा टॉप), सेल्फ-शाइन पीयू -(एप्रेटो टॉप एन) क्रस्ट पर और साथ ही ऊपरी और जूते पर, चमड़े के जूते तथा विभिन्न प्रकार के यांत्रिक संचालन, चमड़े के जूते से मोल्ड और कवक को कैसे रोकें तथा समाधान कैसे करे पर जानकारी प्रदान की।

एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'शू लास्ट डेवलपमेंट टेक्नोलॉजी' पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई

'शू लास्ट' के विकास और 'शू लास्ट' बनाने में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीकों पर छात्रों के तकनीकी ज्ञान को बढ़ाने के उद्देश्य से, 21 अगस्त 2023 को एफडीडीआई, रोहतक परिसर में 'शू लास्ट डेवलपमेंट टेक्नोलॉजी' पर एक तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

छात्रों को 'शू लास्ट डेवलपमेंट टेक्नोलॉजी' के बारे में जानकारी देते हुए

अभियंता सुनील कुमार, प्रबंध निदेशक, मेसर्स यूरोएशिया फुटफॉर्म प्राइवेट लिमिटेड, आगरा को मैकेनिकल क्षेत्र में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है, जिन्होंने रोहतक परिसर के छात्रों और संकायों के साथ अपने अनुभव साझा किए।

उन्होंने बताया कि लास्ट जूते की डिजाइनिंग और उत्पादन की पूरी प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उन्होंने लास्ट के महत्व, इसके तकनीकी विचार और आधुनिक लास्ट के विकास, लास्ट की लंबाई को सही मापने के तरीके, लास्ट के प्रकार तथा फुटवियर उद्योग में इसके उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने 3-डी सीएडी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके लास्ट के 3डी विकास और सीएडी के माध्यम से लास्ट मॉडलिंग के बारे में भी बताया। उन्होंने यह भी बताया कि उद्यमी कैसे बनें और अपना खुद का व्यवसाय कैसे शुरू करें।

एफडीडीआई, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'पोर्टफोलियो डेवलपमेंट: क्राफ्टिंग योर पाथ टू सक्सेस' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

19 अगस्त 2023 को, एफडीडीआई, हैदराबाद द्वारा 'पोर्टफोलियो डेवलपमेंट: क्राफ्टिंग योर पाथ टू सक्सेस' पर एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया था, जिसके दौरान इस्टिटूटो मारंगोनी, लंदन, यूनाइटेड किंगडम की सुश्री ताशा ज़फ़र और सुश्री साहिथी, वेबिनार के प्रमुख वक्ता थे।

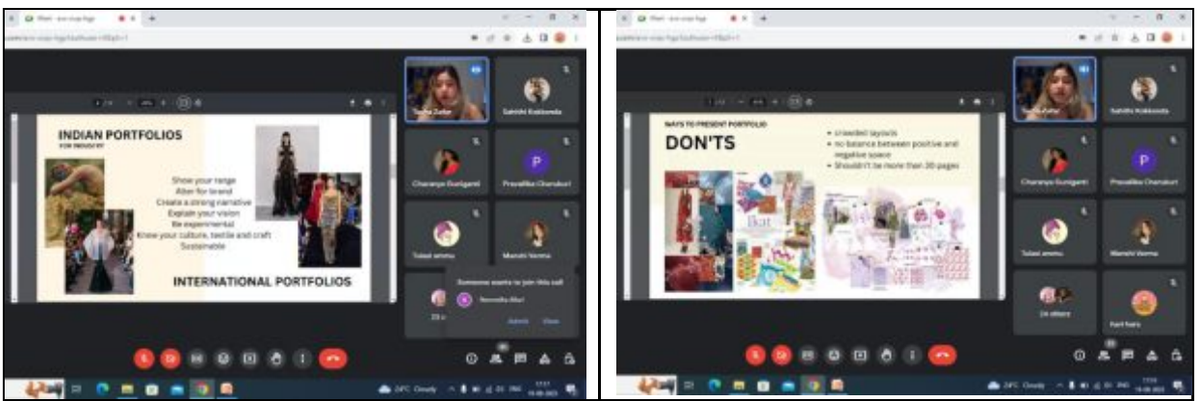

वेबिनार का स्क्रीनशॉट

2020 बैच के बी.डेस फैशन डिजाइन के छात्रों ने इस वेबिनार में भाग लिया, जिसमें आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में एक अच्छS तरह से तैयार किए गए पोर्टफोलियो के महत्व एक सफल पोर्टफोलियो के प्रमुख तत्व, विभिन्न उद्योगों एवं करियर पथों के लिए टेलरिंग पोर्टफोलियो, पोर्टफोलियो प्रस्तुति और डिजाइन के लिए क्या करें और क्या न करें, स्टैंडआउट पोर्टफोलियो के वास्तविक दुनिया के उदाहरण तथा उनके प्रभाव आदि पर अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

वेबिनार ने छात्रों को उनकी पोर्टफोलियो विकास तकनीकों को बढ़ाने के लिए तकनीकी इनपुट प्रदान किए जो उन्हें अपने उत्पाद डिजाइन और रचनात्मक विचारों को व्यक्त करने और अनुवाद करने में मदद करेंगे।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'फुटवियर, स्पोर्ट्स और फैशन के लिए अभिनव एवं सतत बॉन्डिंग समाधान' पर तकनीकी संगोष्ठी आयोजित

चिपकने वाले पद्धार्थो पर छात्रों के ज्ञान को अद्यतन करने के उद्देश्य से, जिसने जूता निर्माण की प्रक्रिया को आसान बना दिया है और आधुनिक जूता उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, 10 अगस्त 2023 को एफडीडीआई, चेन्नई

परिसर में "फुटवियर, स्पोर्ट्स एंड फैशन के लिए अभिनव और सतत बॉन्डिंग समाधान" पर एक तकनीकी संगोष्ठी आयोजित की गई थी।

श्री टी.एस. एलंगो, एम.टेक., प्रबंधक -तकनीकी ग्राहक सेवा और व्यवसाय विकास (बीडी) तथा श्री बालाकुमारन से?म एमबीए , प्रबंधक बिक्री -दक्षिण भारत, श्रीलंका और तुर्की, बीडी इन फुटवियर, इंटिमेट तथा परफॉर्मेंस वियर, हेंकेल एडहेसिव टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सेमिनार के प्रमुख वक्ता व्यक्ति थे।

संगोष्ठी का एक दृश्य

संगोष्ठी के प्रतिभागी

संगोष्ठी के दौरान, उन्होंने चिपकने वाली सामग्री के संबंध सामग्री, प्रसंस्करण तथा गुणों, विभिन्न प्रकार के जूते सामग्री और निर्माण पर चिपकने वाले पद्धार्थ के प्रयोग की पूर्व-तैयारी, उत्पादकता में सुधार और लागत को कम करने के लिए चिपकने की प्रयोग प्रक्रिया के लिए नवीनतम मशीनरी और रोबोटिक्स के उपयोग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि अंतिम परिणामों के लिए सही चिपकने वाला और प्रयोग विधियों का उपयोग करना महत्वपूर्ण है। सेमिनार के दौरान उन्होंने छात्रों के लिए एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित किया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने टी-वर्क्स का दौरा किया

अत्याधुनिक सुविधाओं, नवाचार प्रयोगशालाओं और अग्रणी परियोजनाओं का पता लगाने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, बी.डेस स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), एफडीडीआई हैदराबाद के दूसरे वर्ष, तीसरे वर्ष और चौथे वर्ष के छात्रों ने 17 अगस्त, 2023 को रायदुर्गम, हैदराबाद में स्थित, टी-वर्क्स का दौरा किया।

टी-वर्क्स, भारत का सबसे बड़ा प्रोटोटाइप सेंटर- तेलंगाना सरकार की पहल हैदराबाद के केंद्र में स्थित एक संपन्न नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र है जो तकनीकी उत्साही, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के लिए एक केंद्र बन गया है।

श्री पूजिथकैथी, सीएडी डिजाइनर, टी-वर्क्स द्वारा उपयोग की जाने वाली 3 डी प्रिंटिंग तकनीक के बारे में जानकारी देते हुए

टी-वर्क्स की टीम के साथ छात्र और संकाय सदस्य

सुश्री शेरोन, तकनीकी प्रमुख, समाधान टीम, ने सहयोग और प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए टी- वर्क्स मिशन के बारे में जानकारी दी। छात्रों एवं संकायों ने एक निर्देशित दौरे की शुरुआत की, जहां वे एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, वुडवर्किंग, रोबोटिक्स और रैपिड प्रोटोटाइप सहित नवीनतम तकनीकों को कार्यान्वित होते देख सकेंगें।

ऐसी इंटरैक्टिव कार्यशालाएं थीं जो छात्रों और संकायों को प्रौद्योगिकी चुनौतियों से निपटने और इसके अनुप्रयोगों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का मौका दिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के सहयोग से क्रेस एफ एंड सी कं, लिमिटेड, दक्षिण कोरिया द्वारा 'फुटवियर डिज़ाइन अनलीशेड: पुशिंग बाउंड्रीज एंड क्रिएटिंग आइकन' पर अंतर्राष्ट्रीय लाइव वेबिनार आयोजित किया गया

10 अगस्त, 2023 को, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के सहयोग से क्रेस एफ एंड सी कं, लिमिटेड, दक्षिण कोरिया द्वारा 'फुटवियर डिज़ाइन अनलीशेड: पुशिंग बाउंड्रीज़ एंड क्रिएटिंग आइकन' पर एक अंतर्राष्ट्रीय लाइव वेबिनार आयोजित किया गया था।

क्रेस एफ एंड सी कं, लिमिटेड, दक्षिण कोरिया गोल्फ परिधान, गोल्फ बॉल और प्रदर्शन फुटवियर बनाता और बेचता है। इसके ब्रांडों में फैंटम, पिंग, मास्टर बनी संस्करण और सेंट एंड्रयूज शामिल हैं। कंपनी की स्थापना 1998 में हुई थी और इसका मुख्यालय सियोल, दक्षिण कोरिया में है।

श्री जयके आईएम, वरिष्ठ फुटवियर डिजाइनर और क्रेस एफ एंड सी कंपनी लिमिटेड, दक्षिण कोरिया के डिजाइन प्रमुख 'मुख्य वक्ता' थे। एक दशक से अधिक के उद्योग अनुभव के साथ, श्री जेके आईएम दक्षिण कोरिया के सियोल में क्रेस एफ एंड सी कंपनी लिमिटेड में वरिष्ठ फुटवियर डिजाइनर के पद पर हैं, जबकि उनकी यात्रा उन्हें ज़ियामेन, चीन में के-स्विस में वरिष्ठ भूमिकाओं से ले गई है। ज़ियामेन के अंता में मुख्य फुटवियर डिजाइनर के रूप में उनके प्रतिष्ठित कार्यकाल तक लिया है।

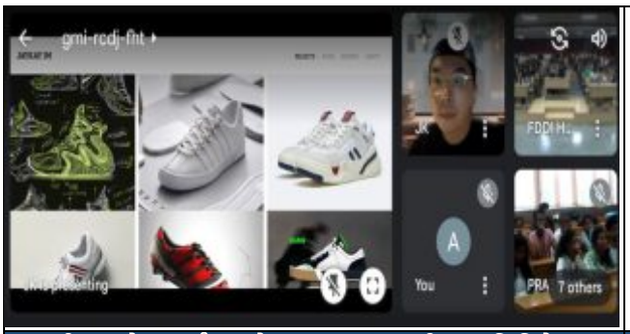

श्री जयके आईएम, क्रेस एफ एंड सी कं, लिमिटेड दक्षिण कोरिया में वरिष्ठ फुटवियर डिज़ाइनर और डिज़ाइन लीड अपने नवीनतम संग्रहों पर प्रस्तुति और ब्रीफिंग करते हुए

अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लेते छात्र और संकाय

उनकी रचनात्मक प्रतिभा को गोल्फ फुटवियर से लेकर फुटबॉल फुटवियर तक की परियोजनाओं के लिए आईडीए डिजाइन गोल्ड, के डिजाइन अवॉर्ड और रेड डॉट अवॉर्ड जैसे पुरस्कारों से मान्यता मिली है, जो शैली एवं कार्यक्षमता को मिलाने की उनकी क्षमता को रेखांकित करता है। कोंकुक विश्वविद्यालय से औद्योगिक और पर्यावरण डिजाइन में डिग्री प्राप्त करने वाले, श्री जयके के डिजाइन के समग्र दृष्टिकोण को उनकी पर्यावरण-अनुकूल अवधारणाओं द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसने सियोल डिजाइन ओलंपियाड में विशेष पुरस्कार जैसी प्रशंसा हासिल की है। उनका उत्कृष्ट करियर नवीनता की विरासत तथा संभावनाओं की सीमाओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता के साथ फुटवियर परिदृश्य को नया आकार देना जारी रखता है।

अंतरराष्ट्रीय वेबिनार में एफडीडीआई के 12 परिसरों से छात्रों, संकायों, स्टाफ सदस्यों और डिजाइन स्टूडियो सहित 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, हैदराबाद, चेन्नई और छिंदवाड़ा परिसर में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' मनाया गया

7 अगस्त, 2023 को एफडीडीआई, हैदराबाद, चेन्नई और छिंदवाड़ा परिसर में 'राष्ट्रीय हथकरघा दिवस' (एनएचडी) मनाया गया।

एनएचडी की स्मृति में, एफडीडीआई हैदराबाद परिसर ने 'भारतीय पारंपरिक ड्रेप्स' की एक शानदार फैशन शो-कम-क्लास प्रतियोगिता की मेजबानी की। इस वर्ष की थीम के अनुरूप स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) द्वारा रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत का एक जीवंत प्रदर्शन आयोजित किया गया था, जिसके दौरान 2021 बैच के छात्रों ने उत्तम 'हैंडलूम साड़ी' एवं 'धोती' में सजे पूरे भारत के पारंपरिक ड्रेप्स का शानदार संग्रह प्रदर्शित किया।

निर्णायक सदस्यों के एक प्रतिष्ठित पैनल ने छात्रों की रचनात्मकता, शिल्प कौशल और प्रस्तुति का मूल्यांकन किया। इस कार्यक्रम ने न केवल भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत का जश्न मनाया, बल्कि युवा फैशन आकांक्षी की अपार क्षमता पर भी प्रकाश डाला।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्र अपना संग्रह प्रस्तुत करते हुए

एनएचडी के अवसर पर, एफडीडीआई चेन्नई परिसर ने कांचीपुरम से हथकरघा साड़ी कारीगर, श्रीमती सुगंती के साथ एफडीडीआई छात्रों के एक संवादात्मक सत्र का आयोजन किया जिन्होंने उन्हें हथकरघा बुनाई और साड़ियों के विकास के बारे में जानकारी दी। हैंडलूम साड़ी प्रदर्शन तथा बिक्री के लिए रखी गई थी।

हैडलूम साड़ी के बारे में बताते हुए श्रीमती सुगंती

'हैंडलूम साड़ी स्टाइलिंग' पेश करते छात्र

इसके अलावा, छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जैसे कि एचएनडी, साड़ी ड्रेपिंग और स्टाइलिंग तथा चरखा मेकिंग की थीम के साथ पोस्टर डिजाइन।

पोस्टर डिजाइन के विजेता

चरखा मॉडल के साथ छात्र टीम

एनएचडी के स्मरणोत्सव में, एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर ने अपने परिसर में दो प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को आमंत्रित किया, अर्थात् श्री रोहित रूसिया सह-संस्थापक, आशा (हस्तशिल्प कारीगरों की सहायता और उत्तरजीविता) और भारतीय शिल्प, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश (एमपी) और श्री राजीव श्रीवास्तव, निदेशक, एनएसडीसी इंटरनेशनल स्किल्स सेंटर, छिंदवाड़ा, एमपी, कला, साहित्य और कौशल विकास के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाने जाने वाले व्यक्ति है।

छिंदवाड़ा परिसर में छात्रों की प्रस्तुतियों को देखते गणमान्य व्यक्ति

छिंदवाड़ा परिसर के छात्रों द्वारा आदिवासी नृत्य

एनएचडी समारोह विरासत और नवाचार का एक सामंजस्यपूर्ण मिश्रण था, जो भारतीय फैशन के भविष्य को प्रदर्शित करता था।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में मनाया गया 'आईएनआई दिवस '

5 अगस्त 2023 को, एफडीडीआई ने अपने नोएडा परिसर में 'आईएनआई दिवस' मनाया।

चूंकि एफडीडीआई को भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना संख्या 30, कानून एवं न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग), नई दिल्ली दिनांक 5 अगस्त, 2017 द्वारा "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" घोषित किया गया था, इसलिए यह तिथि अर्थात 5 अगस्त को एफडीडीआई के 'आईएनआई दिवस (अधिनियमन)' को मनाने के लिए विचार किया गया।

इस कार्यक्रम में श्री मोतीलाल सेठी, सदस्य -एफडीडीआई गवर्निंग काउंसिल (जीसी) और अध्यक्ष, इंडियन लेदर गुड्स एसोसिएशन (ILGA), श्री संजय गुप्ता, सदस्य - एफडीडीआई गवर्निंग काउंसिल (जीसी) एवं अध्यक्ष, इंडियन फुटवियर कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा), डॉ कुमार बिजॉय - एसोसिएट डायरेक्टर, डिपार्टमेंट ऑफ डिस्टेंस एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, श्री धर्मेंद्र सिंह - बिजनेस हेड, गोपसन लेदर एंड फुटवियर प्राइवेट लिमिटेड सहित उद्योग के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अवसर पर श्री संजीव बत्रा -महाप्रबंधक, न्यू एज सिब्रामा, सुश्री किरण जोशी - सोर्सिंग विशेषज्ञ, आरएस लाइफस्टाइल, श्री सुमन नायक - मुख्य महाप्रबंधक, नि=ॉन ऑडियोट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, सुश्री नवेली दीक्षित - सहायक खरीद प्रबंधक, लेंसकार्ट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, श्री ऋषभ शुक्ला - संस्थापक, इनोक्रेजी टेक सर्विसेज, श्री शशि पीयूष - श्रेणी प्रमुख (फुटवियर/एक्सेसरीज/इनरवियर) ब्लैकबेरी तथा इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

सुश्री प्रज्ञा सिंह, कार्यकारी निदेशक, एफडीडीआई, बनूर परिसर, एफडीडीआई के सभी परिसरों के कार्मिक सदस्य, मीडियाकर्मियों ने भी 'आईएनआई दिवस' समारोह में भाग लिया, जो एफडीडीआई की विरासत तथा भारत में फुटवियर डिजाइन एवं उत्पादन, शिक्षा के क्षेत्र में इसके अग्रणी योगदान का सम्मान करते हुए एक प्रेरणादायक संगम था।

उद्घाटन दीप प्रज्वलन के साथ

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी–एफडीडीआई 'स्वागत भाषण' देते हुए

'स्वागत भाषण' देते हुए, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक-एफडीडीआई ने कहा," बहुत खुशी और विनम्रता के साथ, मैं आप सभी को जीवन के इस यादगार दिन पर बधाई देता हूं, यह फैशन, चमड़ा, जीवन शैली, उत्पाद डिजाइन और खुदरा और फैशन मर्चेंडाइज सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास और विकास में उत्कृष्टता प्राप्त करने और योगदान करने के लिए व्यक्तियों को पोषित करने की एफडीडीआई की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

दर्शकदीर्घा

श्री मोतीलाल सेठी, सदस्य- एफडीडीआईज,जीसी और अध्यक्ष, आईएलजीए श्रोताओं को संबोधित करते हुए

इस कार्यक्रम ने एफडीडीआई की उपलब्धि का जश्न मनाने एवं अपने छात्रों, पूर्व छात्रों, उद्योग के प्रमुखों और अकादमिक विशेषज्ञों को एक साथ आने और भविष्य के लिए अपने अनुभव, अंतर्दृष्टि तथा जानकारी साझा करने का अवसर प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

एफडीडीआई ने सकारात्मक बदलाव को बढ़ावा देने के लिए लगातार एक अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है, और पिछले 35 वर्षों से अधिक की इसकी यात्रा को फुटवियर, चमड़ा, फैशन, रिटेल एवं प्रबंधन के क्षेत्रों में वैश्विक शैक्षिक परिदृश्य में उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में चिह्नित किया गया है।

छात्रों द्वारा नृत्य प्रदर्शन

पूर्व छात्र अपनी 'सफलता की कहानी' साझा करते हुए

इसके अतिरिक्त, समारोह में "भारत में फुटवियर, चमड़े के सामान, फैशन एवं रिटेल उद्योग की संभावनाएं और मिशन लाइफ में एफडीडीआई की भूमिका" विषय पर पैनल संवाद शामिल था, जिसका संचालन श्री अमित वर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक, प्लेसमेंट द्वारा किया गया था। इस दौरान, पैनलिस्ट जिसमें प्रमुख उद्योग विशेषज्ञ शामिल थे, जिन्होने संबंधित उद्योग में नवीनतम रुझानों, तकनीकों तथा प्रगति में मूल्यवान जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के दौरान, सांस्कृतिक प्रदर्शन तथा फैशन शो भी प्रस्तुत किए गए, जो पारंपरिक और समकालीन डिजाइनों के मिश्रण को उजागर करते हैं और भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत का प्रदर्शन करते हैं।

'धन्यवाद ज्ञापन' देते हुए, एफडीडीआई के सचिव श्री पंकज कुमार सिन्हा ने कहा", मैं विशिष्ट पूर्व छात्रों को विशेष धन्यवाद देता हूं जो अपनी उपलब्धियों और योगदान के साथ अलग जाने जाते हैं। आपकी असाधारण यात्रा संस्थान में मौजूद वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। "

पैनल संवाद

एफडीडीआई के सचिव श्री पंकज कुमार सिन्हा 'धन्यवाद ज्ञापन' देते हुए

इस कार्यक्रम को अयप्पा एंटरप्राइजेज, कॉर्पोरेट इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, यस बैंक, इमेजिनेरियम सॉल्यूशंस (आई) प्राइवेट लिमिटेड, केएच एक्सपोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बीबीके शूज, सिब्रामा न्यूएज प्राइवेट लिमिटेड, यूफोरिक इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड ,ऑफ शूज प्राइवेट लिमिटेड , वेस्ट वुड वियर्स (पी) लिमिटेड , मोचिको शूज प्राइवेट लिमिटेड, स्टार इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड, ओरियन कॉनमर्क्स प्राइवेट लिमिटेड ,एड्रोइटेक इंफॉर्मेशन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, कन्नन प्लास्टिक प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, - (एचआर), इनोक्रेजी टेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक द्वारा प्रायोजित किया गया था।

एफडीडीआई ने 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल के शुभारंभ समारोह में भाग लिया

एफडीडीआई, ने 2 अगस्त 2023 को नई दिल्ली में 'स्टडी इन इंडिया' पोर्टल के शुभारंभ समारोह में भाग लिया।

केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान तथा केंद्रीय विदेश मंत्री, डॉ एस जयशंकर ने संयुक्त रूप से स्टडी इन इंडिया (एसआईआई) पोर्टल लॉन्च किया जो वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है जो भारत में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को सरल बनाता है तथा भारत को उच्च शिक्षा के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुभाष सरकार, शिक्षा राज्य मंत्री, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, शिक्षा एवं विदेश राज्य मंत्री, श्री राजकुमार सिंह, संसद सदस्य, डॉ. महेश शर्मा, शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और 10 से अधिक देशों के राजदूतों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

एसआईआई पोर्टल एक समर्पित वेबसाइट है जो भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करेगी। पोर्टल का दृष्टिकोण नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) द्वारा निर्देशित है।

केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास तथा उद्यमिता मंत्री, श्री धर्मेंद्र प्रधान और केंद्रीय विदेश मंत्री, डॉ।एस जयशंकर ने संयुक्त रूप से एसआईआई पोर्टल लॉन्च किया

एसआईआई पोर्टल के शुभारंभ समारोह में भाग लेने वाले प्रतिभागी

एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव ने एसआईआई पोर्टल के शुभारंभ में भाग लिया, जो दुनिया भर में शिक्षा क्षेत्र में ब्रांड 'इंडिया' के एक मजबूत अंतरराष्ट्रीय पदचिह्न स्थापित करने में एक प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

एफडीडीआई भारत सरकार की एसआईआई योजना के लिए भागीदार संस्थान है।
एफडीडीआई ने स्टडी इन इंडिया स्कीम
(https://www.studyinindia.gov.in/institute_details?instituet_ID=SII-I-0269&active_tab_index=0) के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को लक्षित करते हुए वेबसाइट विकसित की है जिसके माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय छात्र फुटवियर, लेदर, फैशन, रिटेल एवं प्रबंधन के क्षेत्रों में स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम की पढाई कर सकते हैं।

एफडीडीआई ने 7वें आईआईएफएफ के दौरान 'फैशन शो' का आयोजन किया

एफडीडीआई ने इंडिया इंटरनेशनल फुटवियर फेयर 2023 (आईआईएफएफ) के 7वें संस्करण के दौरान एक 'फैशन शो' का आयोजन किया, जो 27 से 29 जुलाई 2023 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

आईआईएफएफ का आयोजन भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा किया गया था और भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई) द्वारा सह-आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई ने सीआईएफआई के सहयोग से 28 जुलाई 2023 को शाम 6:00 बजे प्रगति मैदान में 'फैशन शो' का आयोजन किया।

सीआईएफआई और एफडीडीआई के बीच सहयोग ने रचनात्मक डिजाइन और फुटवियर के विकास में विशेषज्ञता के संयोजन के साथ इस आयोजन के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण लाया। इसने दोनों क्षेत्रों के डिजाइनरों, छात्रों एवं पेशेवरों को एक साथ आने, विचारों का आदान-प्रदान करने तथा अपनी रचनाओं को व्यापक दर्शकों के सामने पेश करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया।

रैंप पर एफडीडीआई के छात्र

रैंप पर मॉडल

इस अवसर पर श्री अरुण कुमार सिन्हा आईएएस -प्रबंध निदेशक (एमडी) एफडीडीआई, श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव-एफडीडीआई, श्री राज कुमार गुप्ता अध्यक्ष -सीआईएफआई, श्री वी नौशाद अध्यक्ष, सीआईएफआई, श्री आलोक जैन, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, सीआईएफआई और अन्य उद्योगो के गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

पूरे शो की शोभा और खूबसूरती से दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। यह कार्यक्रम बेहद सफल रहा क्योंकि शो के बाद तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इसकी खूब सराहना हुई। आईआईएफएफ के दौरान एफडीडीआई द्वारा एक फ्लैश मॉब का भी आयोजन किया गया था, जिसने कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण एवं रोचक बना दिया।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने कोलकाता मेटियाब्रुज़ परिधान मेला तथा छठे कोलकाता परिधान एक्सपो 2023 का दौरा किया

परिधान उद्योग की सामग्री, रंग एवं डिजाइन पहलू पर आगामी रुझानों के बारे में युवा दिमाग को जागरूक करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, कोलकाता परिसर के छात्रों ने कोलकाता मेटियाब्रुज परिधान मेला 2023 और छठा कोलकाता परिधान एक्सपो 2023 नामक दो परिधान मेलों का दौरा किया।

कोलकाता मेटियाब्रुज़ परिधान मेला 2023, बच्चों के परिधाननिर्माण परिधान मेला 27 से 29 जुलाई 2023 तक बिस्वास बांग्ला मेला प्रांगण, मिलन मेला, पवेलियन ए, साइंस सिटी के पास, कोलकाता में आयोजित किया गया था।

बांग्ला रेडीमेड गारमेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एंड ट्रेडर्स वेलफेयर एसोसिएशन, कोलकाता ने छठे कोलकाता गारमेंट एक्सपो 2023 का आयोजन किया, जो 27 एवं 28 जुलाई 2023 को पीसी चंद्र गार्डन ,साइंस सिटी, कोलकाता में एमएसएमई और कपड़ा विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था, जो परिधान निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) द्वारा समर्थित है।

एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय के मार्गदर्शन में, स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), बैच 2021 और 2022 के कुल 21 छात्र तथा 1 संकाय, और स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एसएफडीपी), बैच एफडीपी 2022 ने मेलों का दौरा किया।

कोलकाता मेटियाब्रुज़ परिधान मेला 2023, मिलान मेला, साइंस सिटी के प्रवेश द्वार पर छात्र अपने संकाय के साथ

छठे कोलकाता गारमेंट एक्सपो 2023 के प्रवेश द्वार पर अपने संकाय के साथ छात्र

छात्रों ने कपड़ा निर्माण कंपनी के स्टालों का दौरा किया तथा स्टालों पर नवीनतम डिजाइन देखे। उन्हें परिधान निर्माण के क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के वस्त्र और आगामी तकनीक को देखने का अवसर मिला।

तकनीकी ज्ञान प्राप्त करने के अलावा, इस दौरे ने छात्रों को इस तरह के मेलों और प्रदर्शनियों के संचालन के लिए आवश्यक कार्यक्रम प्रबंधन कौशल को समझने का अवसर भी दिया।

एफडीडीआई के संकाय को 'शोध पत्र' की ऑनलाइन समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया

श्री नीरज शर्मा, मुख्य संकाय एवं स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के प्रमुख, एफडीडीआई को सूचीबद्ध पत्रिका "शोध कोश: जर्नल ऑफ विजुअल एंड परफॉर्मिंग आर्ट्स" में शोध पत्र की ऑनलाइन समीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था।

श्री शर्मा, एक फुटवियर टेक्नोलॉजिस्ट और एफडीडीआई 1997 99 बैच के पूर्व छात्र है, जिनके पास 23 वर्षों का विशाल कॉर्पोरेट तथा उद्योग का अनुभव है, उन्होंने कैरेफोर फ्रांस और मेट्रो सोर्सिंग जर्मनी जैसी दुनिया की सबसे बड़ी बहुराष्ट्रीय रिटेल कंपनियों के साथ काम किया है।

श्री शर्मा द्वारा "डिजाइनिंग ऑफ फुटवियर थ्रू आर्ट ऑफ चंबा रुमाल" शीर्षक वाले शोध पत्र की समीक्षा की गई, जिसके लिए उन्हें 22 जुलाई 2023 को 'समीक्षा के लिए उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया है।

श्री नीरज शर्मा, मुख्य संकाय और एसएफडीपी के प्रमुख

समीक्षा के लिए उत्कृष्टता का प्रमाण पत्र'

एफडीडीआई के संकायों का सार 'जलवायु परिवर्तन एवं इसका प्रभाव (सीसीआई 2023)' में प्रकाशित हुआ

डॉ. सरिता देवी, डॉ. सुशीला, श्री अमित सैन और डॉ. कृषि सरीन द्वारा लिखित 'पारंपरिक फुलकारी कढ़ाई का डिजिटल रूप में रूपांतरण' नामक सार "जलवायु परिवर्तन एवं इसके प्रभाव (सीसीआई 2023)" पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की स्मारिका सह सार/कार्यवाही पुस्तक में आईएसबीएन के साथ: 978-93-5396-006-3, खंड 2, पृष्ठ संख्या 34 पर प्रकाशित किया गया है।

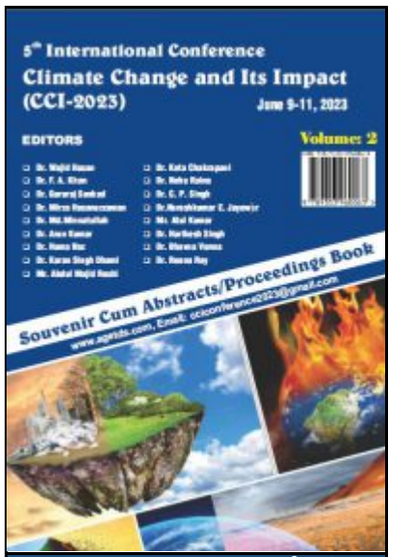

स्मारिका सह सार/कार्यवाही पुस्तक का आवरण पृष्ठ

यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 9 से 11 जून 2023 तक शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी के), श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, भारत में आयोजित किया गया था। इस सार के अन्य योगदानकर्ता बागवानी विभाग, अल्गा ऊर्जा, उत्तर भारत के श्री विवेक उज्ज्वल हैं।

यह सार 'फुलकारी' के बारे में स्पष्ट करता है जो एक पारंपरिक हस्तनिर्मित कढ़ाई है, जिसका शाब्दिक अर्थ है "फूलों का काम", जो 19 वीं शताब्दी के दौरान और 20 वीं शताब्दी की शुरुआत तक पंजाब (उत्तर-पश्चिम भारत और पाकिस्तान) की महिलाओं द्वारा कायम रखा गया था।

भले ही कपड़ा उद्योग आज मशीनों की मदद से इस कला का अनुकरण कर रहा है, लेकिन मानवीय कार्य, लाभप्रदता, औद्योगिकीकरण आदि के लिए रुचि की कमी के कारण'फुलकारी ' काम अपने मूल रूप में लगभग गायब हो गया है। यह सार वर्तमान शोध पर परिदृश्य प्रदान करता है।

एफडीडीआई ने 'दूसरे अखिल भारतीय शिक्षा समागम' और 'एनईपी 2020 की तीसरी वर्षगांठ' में भाग लिया

एफडीडीआई ने 'दूसरी अखिल भारतीय शिक्षा समागम' और 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ' में भाग लिया, जो 29 व 30 जुलाई 2023 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था।

के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2023 का उद्घाटन किया, जो एनईपी 2020 की तीसरी वर्षगांठ के साथ संरेखित हुआ।

एफडीडीआई के सचिव पंकज कुमार सिन्हा स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के वरिष्ठ सलाहकार श्री शरद श्रीवास्तव तथा छात्र मामले एवं परीक्षा विभाग के उपमहा प्रबंधक श्री संदीप भाटिया ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

उद्घाटन सत्र का एक दृश्य

चर्चा करते हुए

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से निर्देशित, एनईपी 2020 को युवाओं को तैयार करने और उन्हें अमृत काल में देश का नेतृत्व करने के लिए तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य उन्हें बुनियादी मानवीय मूल्यों पर आधारित रखते हुए भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। इसके कार्यान्वयन के तीन वर्षों के दौरान, नीति ने स्कूल, उच्च और कौशल शिक्षा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन लाया है।

दो दिवसीय कार्यक्रम ने शिक्षाविदों, क्षेत्र के विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं, उद्योग प्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं स्कूलों, उच्च शिक्षा और कौशल संस्थानों के छात्रों के लिए एक मंच प्रदान किया, ताकि वे एनईपी 2020 को लागू करने में अपनी अंतर्दृष्टि, सफलता की कहानियों तथा सर्वोत्तम प्रचलन को साझा कर सकें और इसे आगे ले जाने के लिए रणनीतियों पर काम कर सकें।

एफडीडीआई ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आईईसीसी परिसर 'भारत मंडपम' के उद्घाटन सत्र में भाग लिया

26 जुलाई 2023 को, भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम' नामक अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) परिसर राष्ट्र को समर्पित किया।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने जी-20 के सिक्के तथा जी-20 के डाक टिकट का भी अनावरण किया।

माननीय प्रधान मंत्री जी, ने अपने'मुख्य संबोधन ' में कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के प्रगति मैदान में आईईसीसी परिसर का उद्घाटन कारगिल विजय दिवस पर हुआ है जब "देश के दुश्मनों को हमारे बहादुर बेटों और बेटियों ने हराया था"।

माननीय प्रधानमंत्री ने राष्ट्र से 'थिंक बिग, ड्रीम बिग, एक्ट बिग' के विचार का पालन करने के लिए कहा।

भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी 'भारत मंडपम' का उद्घाटन करते हुए

उद्घाटन समारोह में शामिल एफडीडीआई के अधिकारीगण

माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने देश के सोचने के तरीके को बदल दिया है और हमें एक विकसित राष्ट्र होने के उद्देश्य की दिशा में एक राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

इस अवसर पर कई अन्य केंद्रीय मंत्री और सरकार के मंत्री और प्रमुख उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित थे।

यह भारत का सबसे बड़ा एमआईसीई (बैठक, प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी) गंतव्य है। इसके शानदार बहुउद्देश्यीय हॉल तथा प्लेनरी हॉल में 7,000 लोगों के बैठने की संयुक्त क्षमता है, जो ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध सिडनी ओपेरा हाउस की बैठने की क्षमता से अधिक है।

कन्वेंशन सेंटर की विभिन्न दीवारों एवं अग्रभागों में पारंपरिक भारतीय कला और संस्कृति के विभिन्न प्रतिनिधित्व हैं, जैसे "सूर्य शक्ति", जो सौर ऊर्जा का दोहन करने के भारत के प्रयासों पर प्रकाश डालती है, "जीरो टू इसरो", जो अंतरिक्ष में हमारी उपलब्धियों का जश्न मनाती है, और "पंच महाभूता", जो सार्वभौमिक नींव बनाने वाले तत्वों का प्रतीक है: आकाश (आकाश), वायु (वायु), अग्नि (अग्नि), जल (जल), पृथ्वी (पृथ्वी)। कन्वेंशन सेंटर को देश के विभिन्न हिस्सों से विभिन्न प्रकार के चित्रों एवं जनजातीय कलाकृतियों से भी सजाया गया है।

यह स्थल जी- 20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा जो सितंबर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित किया जाएगा।

इससे फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) को आनंदमय और ऐतिहासिक समारोह में भाग लेने का अवसर प्रदान किया।

बांग्लादेश के प्रतिनिधि ने एफडीडीआई, नोएडा का दौरा किया

एफडीडीआई के साथ मजबूत संबंध विकसित करने के लिए, लेदर गुड्स एंड फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (एलएफएमईएबी) की सुश्री नवरिन अख्तर शेरिफ ने 27 जुलाई, 2023 को एफडीडीआई, नोएडा परिसर का दौरा किया।

एलएफएमईएबी मान्यता प्राप्त व्यापार निकाय है जो बांग्लादेश में चमड़े के सामान और फुटवियर के अधिकांश प्रमुख निर्यात उन्मुख निर्माताओं तथा निर्यातकों का प्रतिनिधित्व करता है।

चर्चा करते हुए

इस संबंध में, उन्होंने एफडीडीआई के सचिव श्री पंकज कुमार सिन्हा से मुलाकात की और बांग्लादेश में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने और एफडीडीआई में छात्रों के प्रशिक्षण की संभावनाओं पर चर्चा की।

उन्होंने बेंच मार्किंग के माध्यम से संचालन में सुधार के लिए बांग्लादेश के फुटवियर उद्योग का समर्थन करने की संभावना के बारे में भी चर्चा की। एफडीडीआई ने बांग्लादेश उद्योगों को परीक्षण सेवा सहायता की भी पेशकश की।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर ने आईआईटी-जोधपुर में 'एनईपी के कार्यान्वयन' पर कार्यशाला-सह-पैनल चर्चा में भाग लिया

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर ने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) के कार्यान्वयन' पर एक कार्यशाला-सह-पैनल चर्चा में भाग लिया, जो 25 जुलाई 2023 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जोधपुर द्वारा आयोजित की गई थी।

कार्यशाला-सह-पैनल चर्चा का एक दृश्य

कार्यशाला में एमबीएम विश्वविद्यालय जोधपुर, एनआईएफटी, जेआईईटी, एफडीडीआई, जेएनवीयू, एलएमसीएसटी जैसे उच्च शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों और जोधपुर के प्रतिष्ठित स्कूलों जैसे केवी, बोधी इंटरनेशनल, मेयर चोपासनी, राजमाता आदि के उच्च अधिकारियों सहित 25 अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री सुनील कुमार, सहायक संकाय, एफडीडीआई जोधपुर परिसर ने इस कार्यशाला-सह-पैनल चर्चा में भाग लिया। पैनलिस्टों ने एनईपी के विभिन्न पहलुओं पर बात की जो पहुंच, निष्पक्षता, समानता, सामर्थ्य, जवाबदेही के स्तंभों पर आधारित है और भारत को एक जीवंत ज्ञान केंद्र में बदल देगा।

एफडीडीआई, बनूर परिसर में मेसर्स वर्सटाइल एंटरप्राइजेज के उद्योग विशेषज्ञ द्वारा संवादात्मक सत्र आयोजित किया

एफडीडीआई, बनूर परिसर में मेसर्स वर्सेटाइल एंटरप्राइजेज के उद्योग विशेषज्ञ श्री विपन कुमार सेठ द्वारा 24 जुलाई, 2023 को एक संवादात्मक सत्र आयोजित किया गया।

श्री विपन कुमार सेठ, उद्योग विशेषज्ञ को सुश्री प्रज्ञा सिंह, आईआरएस, ईडी, एफडीडीआई, बनूर परिसर द्वारा बधाई दी।

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए श्री विपन कुमार सेठ

छात्रों के साथ बातचीत करते हुए, श्री विपन कुमार सेठ ने कहा कि फुटवियर में उपयोग किए जाने वाले कंपोनेन्टों के विवरण को जानना बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें उत्पाद की लागत तथागुणवत्ता का सही अनुमान लगाने में सहयोग देते है।

एफडीडीआई द्वारा 'शिल्पकार विकास कार्यक्रम' परिधान प्रशिक्षण एवं डिजाइन केंद्र, नोएडा में आयोजित किया गया

फैशन डिजाइन शिल्पकार/लैब सहायक के दिमाग में'पैटर्न मेकिं ग एंड गारमेंट कंस्ट्रक्शन' एवं 'डाइंग एंड प्रिंटिंग' पर तकनीकी और औद्योगिक दृष्टिकोण को बढ़ाने के लिए, एफडीडीआई द्वारा 3 जुलाई से 14 जुलाई, 2023 तक एक 'शिल्पकार विकास कार्यक्रम' (सीडीपी) आयोजित किया गया था।

'शिल्पकार विकास कार्यक्रम' के सिद्धांत सत्र का एक दृश्य

'शिल्पकार विकास कार्यक्रम' के व्यावहारिक सत्र का एक दृश्य

सीडीपी वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के तहत परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र (एटीडीसी), नोएडा में आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन एटीडीसी, ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) अकादमी के योग्य प्रशिक्षकों द्वारा सुश्री नीरा चंद्रा, निदेशक -एटीडीसी और सुश्री मीनू डबास, प्रिंसिपल -एटीडीसी, नोएडा के मार्गदर्शन में किया गया, जिससे एक संवादात्मक एवं सहयोगात्मक शिक्षण वातावरण को बढ़ावा मिला।

प्रतिभागियों ने अपनी अवधारणा के बारे में समझाया

कार्यक्रम ने पैटर्न मेकिंग औरगारमेंट कंस्ट्रक्शन (पीएम एंड जीसी) के विभिन्न पहलुओ पर आवश्यक जानकारी प्रदान की जैसे कि बुनियादी पैटर्न-अंगिया और स्कर्ट, नेकलाइन विविधताएं, सीम और सीम फिनिश का विकास जो देश के औद्योगिक विकास के लिए कुशल जनशक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक प्रोत्साहन प्रदान करेगा।

रंगाई और छपाई के क्षेत्र में, प्रतिभागियों ने रंगाई और छपाई की विभिन्न तकनीकों जैसे टाई और डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग, स्क्रीन, बैटिक, लिनोलियम, मोनो और कोलोग्राफी प्रिंटिंग के बारे में सीखा जो सरकार के आत्मनिर्भर भारत मिशन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रतिभागियों ने प्रत्येक रंगाई और मुद्रण तकनीकों के नमूने विकसित किए जिन्हें प्रदर्शित भी किया गया था।

एनआईटीटीई स्कूल ऑफ फैशन प्रौद्योगिकी और इंटीरियर डिजाइन, बैंगलोर के लिए एफडीडीआई के सीओई चेन्नई में कार्यशाला आयोजित की गई

एनआईटीटीई स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड इंटीरियर डिजाइन, बैंगलोर के छात्रों और स्टाफ सदस्यों के लिए एफडीडीआई चेन्नई परिसर में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) में 'फुटवियर प्रोटोटाइप और 3 डी प्रिंटिंग की मूल बातें' पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी।

यह सीओई विषयगत क्षेत्र 'सेंटर फॉर डिज़ाइन, डेवलपमेंट एंड फैब्रिक इंटरफ़ेस' पर स्थापित किया गया है और 23 मई 2023 को चालू किया गया है।

बी.एससी फैशन डिजाइन के कुल 60 अंतिम वर्ष के छात्रों और 5 स्टाफ सदस्यों ने 11 जुलाई 2023 को कार्यशाला में भाग लिया, जिसमें उन्हें एफडीडीआई चेन्नई परिसर के परिसर में स्थापित सीओई का दौरा करने का अवसर मिला।

कार्यशाला को सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया था जिसमें प्रतिभागियों को फुटवियर की डिजाइनिंग, प्रोटोटाइप के बारे में बुनियादी जागरूकता दी गई और सीओई भवन में स्थापित 3डी प्रिंटर तथा अन्य डिजाइनिंग टूल एवं उपकरणों के बुनियादी कार्य तंत्र और संचालन के बारे में प्रदर्शन किया गया।

इस अनुभवात्मक सीखने के अवसर के माध्यम से, छात्र 3 डी प्रिंटिंग की अभिनव दुनिया का पता लगाने तथा चमड़े के उत्पादों को बनाने की जटिल प्रक्रिया का ज्ञान प्राप्त करने में सक्षम थे।

प्रदर्शन सत्र का एक दृश्य

सिद्धांत सत्र का एक दृश्य

इस कार्यशाला में शामिल होकर, एनआईटीटीई स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड इंटीरियर डिजाइन के छात्र अपने व्यावहारिक कौशल को निखारने के साथ-साथ इन प्रौद्योगिकियों के बारे में अपनी समझ बढ़ाने में सक्षम थे।

एफडीडीआई, नोएडा में 'स्पोर्ट्स फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में करंट ट्रेंड्स' पर सेमिनार आयोजित

एफडीडीआई, नोएडा में 5 और 6 जुलाई 2023 को 'स्पोर्ट्स फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग इंडस्ट्री में करंट ट्रेंड्स' विषय पर एक व्यावहारिक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य संकाय को अद्यतन करना तथा उन्हें वर्तमान उद्योग मानदंडों और मानकों से अवगत कराना था।

सत्रों का संचालन प्रख्यात वक्ताओं द्वारा किया गया, जैसे श्री श्रीधर जयरामन, श्री तन्मय कुमार मिश्रा, श्री एसडी सिंह और श्री एसएम शाहिद अनवर, इन सभी को फुटवियर निर्माण में तीन दशकों से अधिक का मूल्यवान अनुभव है।

पहला सत्र श्री श्रीधर द्वारा संचालित किया गया था, जिन्होंने इस बात का संक्षिप्त विवरण दिया कि समय के साथ स्पोर्टस फुटवियर कैसे विकसित हुए और प्रत्येक चरण ने दूसरे के विकास में कैसे योगदान दिया है। उन्होंने इस बारे में

भी चर्चा की ,कि स्पोर्टस फुटवियर से जुड़े मूर्त और अमूर्त कारक, संबंधित डिजाइन विशेषताएं, को किस तकनीक के विकास ने योगदान दिया।

श्री श्रीधर जयरामन द्वारा संचालित सत्र का एक दृश्य

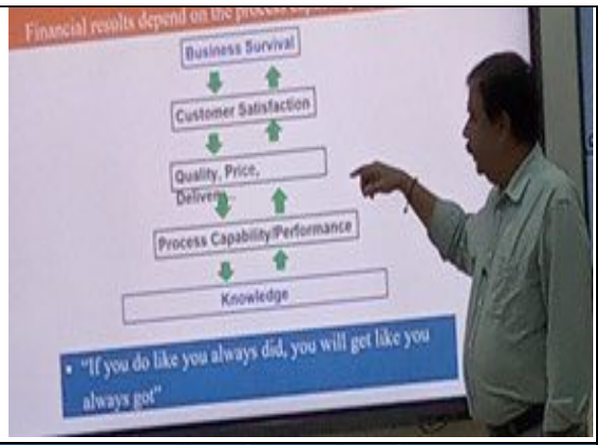

श्री तन्मय कुमार मिश्रा 'लेदर फुटवियर में गुणवत्ता' पर सत्र का संचालन करते हुए

'लेदर फुटवियर में गुणवत्ता' पर सत्र का संचालन श्री तन्मय कुमार मिश्रा द्वारा किया गया, जिन्होंने ग्राहकों से 'गुणवत्ता' के साथ-साथ कारखाने के दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी कि गुणवत्ता निर्माण में विभिन्न प्रक्रियाओं की भूमिका, गुणवत्ता को स्पोर्ट्स फुटवियर में कैसे बनाया जा सकता है। उन्होंने गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए विभिन्न दृष्टिकोणों के बारे में भी चर्चा की, चाहे वह कानबन प्रणाली हो या पीओके-योक दृष्टिकोण और कई अन्य। उन्होंने कारखाने में होने वाली प्रत्येक गतिविधि के महत्व को समझाया और विनिर्माण के दौरान गुणवत्ता को अत्यंत महत्वपूर्ण विषय बताया।

श्री एस.डी. सिंह ने 'ग्लोबल सोर्सिंग और आउटसोर्सिंग' के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने रणनीतियों को विकसित करने, फर्स्ट मूवर्स के संबंधित जोखिमों तथा लाभों, डिजाइन से लेकर लॉजिस्टिक्स तक पूरे सोर्सिंग प्रक्रिया की जटिलता के बारे में बताया। उन्होंने प्रभावी प्रशिक्षण की आवश्यकता के बारे में भी चर्चा की जो भू-राजनीतिक प्रभावों और श्रम कारक के बारे में समझ, वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए एक प्रमुख घटक है।

संगोष्ठी में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का एक दृश्य

प्रख्यात वक्ताओं और एफडीपी के संकाय की समूह तस्वीर

अंतिम सत्र का संचालन श्री एसएम शाहिद अनवर ने किया जिसमें उन्होंने बदलते बाजार के रुझानों के बारे में जानकारी दी कि कैसे और कब विभिन्न कारक इन रुझानों को संचालित करते हैं, इस प्रतिमान में बदलाव लाने वाले विभिन्न वैश्विक पहलू क्या हैं।

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय का शोध अध्ययन आरएएमएसएस में प्रकाशित हुआ

श्री रामबाबू मुप्पिडी और श्री के. इलायाराजा, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के वरिष्ठ संकाय, का एक संयुक्त शोध अध्ययन नेशनल जर्नल ऑफ रीसेंट एडवांसेज इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज (आरएएमएसएस) में प्रकाशित किया गया है।

अध्ययन का शीर्षक 'ताडुवाई भद्रकाली समथा वीरेश्वर स्वामी मंदिर में मंडप पिलर्स डिजाइन पर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य: एकता में स्तंभ कला एवं सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व' है।

श्री रामबाबू मुप्पिडी, संकाय, एसएलजीएडी, हैदराबाद

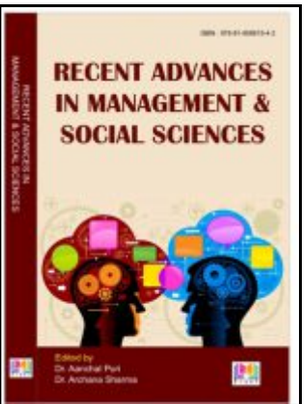

पुस्तक का आवरण पृष्ठ

श्री रामबाबू मुप्पिडी, संकाय, स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी) और श्री के. इलायाराजा, वरिष्ठ संकाय, स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने तटीय क्षेत्र में क्षेत्र अध्ययन किया और गोदावरी डेक्कन प्लेटतथा आंध्र प्रदेश क्षेत्र के पास कुछ सबसे पुराने मंडप और स्तंभ-डिज़ाइन किए गए मंदिरों का दौरा किया।

श्री के. इलायाराजा, वरिष्ठ संकाय, एफडीपी, हैदराबाद

प्रकाशन का प्रमाण पत्र

पुस्तक को एस शारदा ग्लोबल रिसर्च पब्लिकेशंस द्वारा आईएसबीएन: 978 -81-958915-4-2 डीटी के साथ दिनांक 10.07.2023 को प्रकाशित किया गया है।

एफडीडीआई के संकायों द्वारा लिखित लेख 'कृषि विज्ञान में रुझान' पत्रिका में प्रकाशित हुआ

डॉ. सुशीला हुड्डा, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई-नोएडा परिसर और डॉ. सरिता देवी, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई-रोहतक द्वारा संयुक्त रूप से लिखित 'कपड़ों के जैविक तथा मनोवैज्ञानिक पहलू' शीर्षक से एक लेख 'ट्रेंड्स इन एग्रीकल्चरल साइंस' वॉल्यूम 2, अंक 6, जून, 2023, पेज: 443-446, आईएसएसएन: 2583-7850 में प्रकाशित किया गया है। दोनों संकाय एफडीडीआई के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी) से हैं।

क्र.सं.	एसएफडी के संकाय का नाम	लेख का आवरण पृष्ठ
1.	डॉ. सरिता देवी, कनिष्ठ संकाय	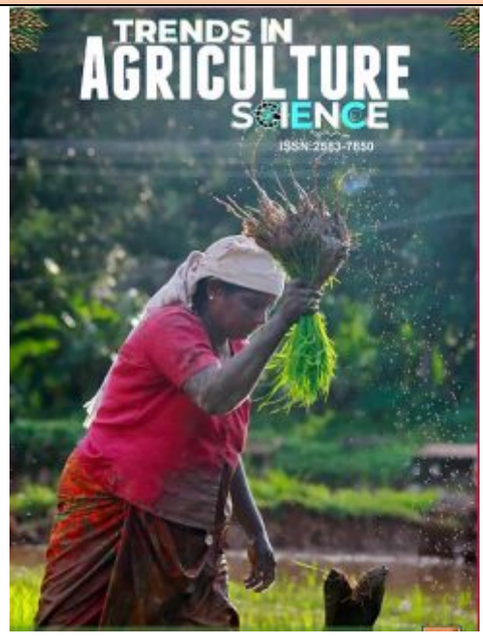
2.	डॉ. सुशीला हुड्डा, कनिष्ठ संकाय	

इस लेख में उन परिधानों के बारे में बताया गया है, जिन्होंने मानव को विभिन्न प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियो से बचाकर तथा उसे आरामदायक महसूस कराकर उसकी भलाई में हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आरामदायक विशेषता कपड़ों की एक महत्वपूर्ण कार्यक्षमता है। इसका उपयोग कई समाजों में धन, स्थिति, व्यवसाय, आयु, अवसर, लिंग आदि को व्यक्त करने के उद्देश्य से किया जाता है। किसी व्यक्ति की पोशाक एक प्रकार की सांकेतिक भाषा' है, यह सूचनाओं के एक जटिल समूह को संप्रेषित करती है और आमतौर पर इसका आधार होती है। जिस पर तत्काल प्रभाव पड़ता है।

एफडीडीआई परिसरों में '9वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' मनाया गया

21 जून, 2023 को योग सत्र आयोजित करके एफडीडीआई के सभी परिसरों में '9 वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

योग के महत्व को चिह्नित करने और योग के कई लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए, संयुक्त राष्ट्र ने दिसंबर 2014 में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में, योग सत्र 21 और 22 जून 2023 को श्री शिवादित्य पुरोहित, योग चिकित्सक और प्राकृतिक चिकित्सक द्वारा आयोजित किया गया था।

एफडीडीआई नोएडा परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर में योग करते कर्मचारी

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर ने डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेदिक कॉलेज जोधपुर के सहयोग से 3 दिवसीय कॉमन योग प्रोटोकॉल (सीवाईपी) का आयोजन किया। आयुर्वेदिक कॉलेज की डॉ. धन्या ने अपने दो प्रशिक्षु छात्रों के साथ सत्र का संचालन किया।

एफडीडीआई, जोधपुर परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में आसन करते कर्मचारी

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में, योग सत्र का संचालन दो कर्मचारियों श्री रामेश्वर रॉय (रखरखाव विभाग) और श्री मनोज कुमार रॉय (फुटवियर डिजाइन और उत्पादन) द्वारा किया गया था।

एफडीडीआई कोलकाता परिसर में योग करते कर्मचारी

एफडीडीआई, बनूर परिसर के कर्मचारी आसन करते हुए

ईशा फाउंडेशन के नेतृत्व में, एफडीडीआई, बनूर परिसर में योग सत्र ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था।

सभी परिसरों के लगभग 200-250 कर्मचारियों ने बड़े उत्साह और आनंद के साथ योग सत्र में भाग लिया।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के छात्र राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम -'यूथ फेस्ट एंड टैलेंट हंट' में उभरे

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय कार्यक्रम, 'यूथ फेस्ट एंड टैलेंट हंट' के दौरान एफडीडीआई का प्रतिनिधित्व करने वाली एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर की छात्रा सुश्री टीना खंडैत ने अपना मनोरम संग्रह प्रस्तुत किया।

1 और 2 जुलाई 2023 को आगरा विकास प्राधिकरण के सहयोग से वर्ल्ड डिजाइनिंग फोरम द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मध्य भारत के 300 से अधिक उभरते डिजाइनरों को एक साथ लाया।

आगरा में आयोजित इस कार्यक्रम ने इच्छुक डिजाइनरों के लिए अपनी रचनात्मकता एवं नवीनता दिखाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया। निर्णायक मण्डल में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय डिजाइनर रीना ढाका, अंकुश अनामी (वर्ल्ड डिजाइनिंग फोरम के सीईओ) और बॉलीवुड अभिनेत्री शातिप्रिया शामिल थे। जिनमें से सभी ने फैशन उद्योग में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सुश्री टीना खंडैत, जिन्होंने हाथ से बुने हुए परिधान संग्रह के निर्माता के लिए 'आगामी डिजाइनर' के रूप में पुरस्कार प्राप्त करते हुए

सुश्री टीना खंडैत 'उपलब्धि का प्रमाण पत्र' प्राप्त करती हुई

सुश्री टीना खंडैत को 'उपलब्धि का प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया

हथकरघा बुनकरों की अविश्वसनीय शिल्प कौशल का जश्न मनाने के उद्देश्य से, सुश्री टीना ने इस कालातीत कलात्मकता के आधार पर अपना मनोरम संग्रह प्रस्तुत किया। उनके डिजाइनों ने परंपरा को समकालीन सौंदर्यशास्त्र के साथ मिला दिया, बुनकरों के कौशल के सार को पकड़ लिया और उनके शिल्प को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाया।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) से अंतिम वर्ष की छात्रा, सुश्री टीना खंडैत के असाधारण कौशल एवं अनूठी दृष्टि ने निर्णायकों का ध्यान आकर्षित किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अच्छी पहचान मिली।

उनके उल्लेखनीय काम को स्वीकार करते हुए, उन्हें मान्यता का प्रमाण पत्र मिला।

आईपीआरएएस के सहयोग से एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 'युवा दिमाग में डिजाइन के बीज बोना' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया

डिजाइन थिंकिंग और डिजाइन प्रक्रिया पर विशेष जानकारी प्रदान करने के लिए, आईपीआरएएस के सहयोग से 16 जून, 2023 को एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में' युवा दिमाग में डिजाइन के बीज बोना विषय पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था।

आईपीआरएएस की स्थापना जीआई कला एवं कारीगरों के समर्थन के साथ-साथ नवाचार, आईपीआर तथा नई उभरती प्रौद्योगिकियों के बारे में बात करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुछ विविध पेशेवरों द्वारा की गई है। आईपीआरएएस आईपीआर साक्षरता का प्रसार करने और जीआई कारीगरों को उनके विपणन और ब्रांडिंग और रचनाकारों को उनके आईपी अधिकारों की सुरक्षा और पंजीकरण करने में मदद करने के लिए एक गैर-लाभकारी समाज है

वेबिनार एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसके दौरान प्रमुख वक्ताओं ने अपने विचार तथा दृष्टिकोण साझा किए और चर्चा की कि युवा दिमाग में डिजाइन सोच और प्रक्रिया के बीज कैसे बोए जाएं और बेहतर कल के लिए विचारों को आकार देने के लिए संवेदनशील कैसे बनाया जाए।

मुख्य वक्ताओं का विवरण		शामिल विषय
श्री सुभाजीत साहा, आईपीआरएएस के संस्थापक		युवा दिमाग, पेशेवर और छात्रों, शिक्षाविदों, आईपी पेशेवरों के लिए डिजाइन सोच और प्रक्रिया का महत्व
सुश्री अनिला ससी, कनिष्ठ संकाय, एफडीपी		डिज़ाइन थिंकिंग की मूल बातें और अवधारणाएँ
श्री अब्दुल रहमान एम, वरिष्ठ संकाय, एफडीपी		डिजाइन प्रक्रिया तथा रचनात्मक डिजाइन प्रक्रिया मॉडल में शामिल कदम

आईपीआरएएस के संस्थापक और वेबिनार के समन्वयक श्री सुभाजीत साहा ने डिजाइन थिंकिंग, प्रेरणा, रचनात्मक तरीकों तथा विविधता के महत्व के बारे में विस्तार से बताया।

सुश्री अनिला ससी ने डिजाइन थिंकिंग की मूल अवधारणाओं के बारे में जानकारी दी, जिसमें डिजाइन थिंकिंग के मूल विचारों और अवधारणाओं को समझना तथा कई क्षेत्रों में इसकी प्रयोज्यता की जांच करना शामिल है।

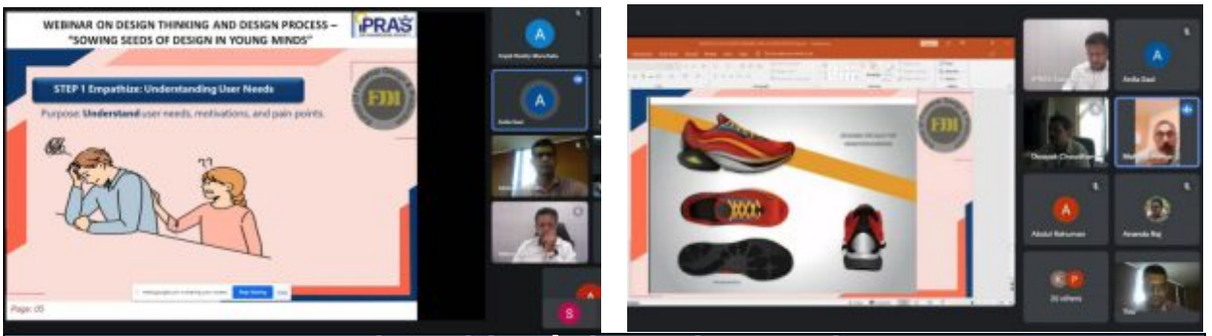

डिज़ाइन थिंकिंग और डिज़ाइन प्रक्रिया पर प्रस्तुति

इसके बाद, श्री अब्दुल रहमान ने डिजाइन संक्षिप्त, ब्रेन स्टॉर्म, विभिन्न बोर्डों के विकास से लेकर प्रोटोटाइप तथा कार्यान्वयन तक, और वास्तविक दुनिया की परिस्थितियों में इसका सफलतापूर्वक उपयोग करने के तरीके के बारे में जानकारी प्रदान की।

ओपन हाउस चर्चा सत्र के दौरान, वक्ताओं ने छात्रों, शिक्षाविदों, आईपी पेशेवरों, आर एंड डी पेशेवरों तथा अन्य प्रतिभागियों द्वारा पूछे गए विभिन्न तकनीकी प्रश्नों का स्पष्ट रूप से समाधान किया।

वेबिनार में एफडीडीआई के परिसरों से छात्रों, शिक्षाविदों, आईपी पेशेवरों, आर एंड डी पेशेवरों तथा डिजाइन समूह के अन्य हितधारकों और संकाय सदस्यों सहित 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर, के संकाय का शोध पत्र आईजेसीआरटी में प्रकाशित

डॉ. प्रदीप कुमार मंडल, एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर के केन्द्र प्रभारी तथा विभागाध्यक्ष-स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन का एक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स (आईजेसीआरटी), वॉल्यूम -11, अंक -6, 3 जून 2023 में आईएसएसएन: 2320-2882 में प्रकाशित किया गया है।
2320-2882.

आईजेसीआरटी, पुष्टिकरण पत्र

डॉ. प्रदीप कुमार मंडल को प्रदान किया गया प्रमाण पत्र

शोध पत्र का शीर्षक 'कम्प्यूटरीकृत बाने बुनाई प्रौद्योगिकी के साथ अभिनव निटवेअर डिजाइन संग्रह पर प्रेरणा के स्रोत के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन' है।

शोध पत्र बुनाई प्रौद्योगिकी के मूल को समझने तथा ऐसे कपड़े बनाने का अवसर प्रदान करता है जो तकनीकी नवाचार और प्रयोग के साथ पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करते हुए, बुना हुआ कपड़ा की विशिष्ट विशेषताओं को पूरा और बढ़ाते हैं।

एफडीडीआई के संकाय सदस्यों द्वारा लिखित लेख 'द साइंस वर्ल्ड' में प्रकाशित हुए

डॉ. सुशीला हुड्डा, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई-नोएडा परिसर और डॉ. सरिता देवी, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई-रोहतक परिसर द्वारा संयुक्त रूप से लिखा गया यह लेख 19 जून 2023 को 'द साइंस वर्ल्ड' में प्रकाशित किया गया, जो अंक जून 2023, वॉल्यूम-3, अंक-06, पृष्ठ संख्या 1036-1040 में आईएसएसएन: 2583-2212 वाला एक मासिक ई-पत्रिका है। दोनों संकाय सदस्य एफडीडीआई के स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) में कार्यरत हैं।

क्र.सं.	एफडी के संकाय का नाम	लेख का आवरण पृष्ठ
1.	 डॉ. सरिता देवी, कनिष्ठ संकाय	 THE SCIENCE WORLD A Monthly e Magazine Popular Article June, 2023; 3(06), 1036-1040 **Retailing: Ubiquitous Experience** Sushila[1] and Sarita Devi[2] [1]Jr. Faculty, School of Fashion Design FDDI, Noida Campus, India [2]Jr. Faculty, School of Fashion Design, FDDI, Rohtak Campus, India **Abstract** The fashion industry forms part of a larger social and cultural phenomenon known as the "fashion system," a concept that embraces not only the business of fashion but also the art and craft of fashion, and not only production but also consumption. As consumers have access to multiple distribution channels such as online retailing, telemarketing and more recently, social media retailing. However, the final point to consider concerning omni-channel retailing is that whilst it is seamless and integrated, it is able to provide a ubiquitous experience, as channels can be accessed anywhere and at any time using a variety of devices. **Keywords:** Fashion, Consumer, Retailing, Business and Product. **Introduction** The Indian retailing industry, which was traditionally dominated by small and family-run stores, has come of age. The retail sector is the second largest employer after agriculture in the country and also the second largest untapped market after China. There are some 12 million retail outlets in India. Besides, the country is also dotted with low-cost kiosks and pushcarts. Organized retailing is only 2% of the total retail industry. Over the past couple of years there have been sweeping changes in the general retailing business, mainly in apparel retailing which was once strictly a made-to-order market for clothing, has changed to a ready-to-wear market. Flipping through a catalogue, picking the color, size and type of clothing a person wanted to purchase and then waiting to have it sewn and shipped was standard practice. 1036 Official Website Published 19.06.2023
2.	 डॉ. सुशीला हुड्डा, कनिष्ठ संकाय,	

लेख में भारतीय रिटेल उद्योग के बारे में बताया गया है, जिसमें पिछले कुछ वर्षों में सामान्य रिटेल व्यापार में व्यापक बदलाव हुए हैं, मुख्य रूप से परिधान खुदरा बिक्री में, जो कभी कपड़ों के लिए सख्ती से ऑर्डर-टू-ऑर्डर बाजार था, एक रेडी-टू-वियर बाजार में बदल गया है।

लेख रिटेल प्रारूपों के प्रकारों, अर्थात् स्टोर रिटेलिंग तथा नॉन-स्टोर रिटेलिंग के बारे में भी बताता है।

एफडीडीआई , हैदराबाद ने आईपीआर प्रशिक्षण और औद्योगिक डिजाइन फाइलिंग सुविधा सेवाओं के लिए एलसीजीसी रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

पेटेंट, डिजाइन, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट, भौगोलिक संकेतक आदि दाखिल करने का सम्मान करते हुए, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने आईपीआर प्रशिक्षण और औद्योगिक

डिजाइन फाइलिंग सुविधा सेवाओं के लिए एलसीजीसी रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

रिसोल्यूट 4आईपी का उद्देश्य देश और विदेश में सभी प्रकार की आईपी सेवा आवश्यकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए देश भर में उपलब्ध इन-हाउस आईपी विशेषज्ञता और विशेषज्ञों की नेटवर्किंग के माध्यम से उद्योग और संस्थानों के लाभ के लिए आईपीआर जागरूकता, संरक्षण और सुविधा सेवाएं प्रदान करना है।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य संस्थान में एक मजबूत आईपी वातावरण बनाना तथा नए नवाचारों और डिजाइनों की सराहना करना और आईपी के समय पर पंजीकरण की तलाश करना है। आईपीआर प्रशिक्षण और सुविधा सेवाएं एक अभिनव संस्कृति को बढ़ावा देने और बौद्धिक संपदा परिसंपत्तियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एफडीडीआई, हैदराबाद और एलसीजीसी रिसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज के बीच समझौता ज्ञापन के आदान-प्रदान का एक दृश्य

एफडीडीआई हैदराबाद की ओर से, केन्द्र प्रभारी, श्री दीपक चौधरी ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जबकि एलसीजीसी रेसोल्यूट ग्रुप ऑफ कंपनीज की ओर से, श्री सुभाजीत साहा, प्रमुख - कानूनी औरआईपीआर ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके दौरान दोनों पक्षों के अधिकारी और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

इस समझौता ज्ञापन की प्रारंभिक अवधि 08 जून, 2023 से शुरू होने वाले तीन (3) वर्ष है जो ज्ञान अंतराल को पाटने, प्रतिभा विकसित करने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व और प्रासंगिकता के बारे में जागरूकता बढ़ाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आईपीआर प्रशिक्षण तथा औद्योगिक डिजाइन फाइलिंग के नियम और शर्तें छात्रों, एफडीडीआई, हैदराबाद के संकाय सदस्यों के लिए काफी अनुकूल हैं।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्रों के लिए लांसर फुटवियर और रिलेक्सो फुटवियर का औद्योगिक दौरा

छात्रों को मानक प्रक्रियाओं और प्रथाओं के साथ-साथ फुटवियर निर्माण इकाई में व्यापक रूप से उपयोग की जाने वाली विभिन्न अनुपालन और विधि तकनीकों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, छिंदवाड़ा के छात्रों के लिए लांसर फुटवियर तथा रेलेक्सो फुटवियर में एक औद्योगिक यात्रा का आयोजन किया गया।

ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के सेमेस्टर-4 तथा सेमेस्टर-6 से बी.डेस फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन के 21 छात्रों ने 7 और 8 जून 2023 को हरियाणा के बहादुरगढ़ में स्थित लांसर और रेलेक्सो फुटवियर इंडस्ट्रीज की फुटवियर निर्माण इकाई का दौरा किया।

लांसर फुटवियर में, श्री धीरेंद्र मिश्रा, डीजीएम इंस्टीट्यूशनल बिजनेस तथा श्री अमित, अधिकारी, मानव संसाधन ने छात्रों के साथ बातचीत की और छात्रों को फुटवियर निर्माण की शुरुआत से अंत तक की विस्तृत प्रक्रिया और उसके बाद फुटवियर के प्रकारों के बारे में बताया।

श्री जगदीश बघेल, मानव संसाधन प्रबंधक तकनीकी कर्मचारियों के साथ छात्रों को जानकारी देते हुए

छात्रों को लांसर फ़ुटवियर में संचालन एक्सपोज़र मिल रहा है

रिलेक्सो फुटवियर में, मानव संसाधन विभाग के प्रबंधक श्री जगदीश बघेल ने तकनीकी कर्मचारियों के साथ संयंत्र के निर्माण, विकास तथा कामकाज और विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जो फ़्लाइट, स्कूलमेट, हवाई और स्पार्क्स जैसे कई रिलेक्सो उत्पादों के निर्माण के लिए जुडे हैं। उन्होंने विनिर्माण, गुणवत्ता नियंत्रण की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में भी जानकारी दी।

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर के संकाय के लिए 'मापन पैमाने के साथ लेखन उपकरण' पेटेंट

एफडीडीआई छिंदवाड़ा परिसर में स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के संकाय डॉ. पंकज दुबे को हाल ही में 'मापन पैमाने के साथ लेखन उपकरण' शीर्षक से पेटेंट प्राप्त हुआ है।

पेटेंट अपनी दक्षता और उत्पादकता को इंगित करने के लिए मापने के पैमाने के साथ लेखन उपकरण के विकास और उत्पादन पर प्रकाश डालता है।

डॉ. पंकज दुबे, संकाय- एफडीपी, एफडीडीआई छिंदवाड़ा

''पंजीकरण का प्रमाण पत्र'

उनका डिजाइन नंबर 380104-001 है जिसके लिए पेटेंट कार्यालय, भारत सरकार द्वारा 'पंजीकरण प्रमाणपत्र' जारी किया गया है।

परिसरों में सीओई का संचालन

संस्थागत सुविधाओं की स्थापना के तहत, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के भारतीय फुटवियर, चमड़ा और सहायक उपकरण विकास कार्यक्रम (आईएफएलएडीपी) की उप-योजना, एफडीडीआई ने एफडीडीआई के मौजूदा परिसरों में से सात को 'उत्कृष्टता केंद्र' (सीओई) में उन्नयन करके विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे तथा कौशल को उजागर किया है।

क्रमांक	'विषयगत क्षेत्र' पर स्थापित सीओई	एफडीडीआई परिसर	संचालन की तिथि
1.	डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस के लिए केन्द्र	चेन्नई	23 मई, 2023
2.	डिजाइन, विकास और लेदर के उत्पादों और सहायक उपकरण के लिए फैब्रिक इंटरफ़ेस -विस्तारित	हैदराबाद	23 मई, 2023
3.	चमड़ा परिष्करण नवाचार तथा उत्पाद रिटेल बिक्री के लिए केंद्र	पटना	25 मई, 2023
4.	चमड़े के सामान, परिधान एवं सहायक उपकरण के लिए केंद्र	कोलकाता	25 मई, 2023
5.	उच्च प्रदर्शन/विशिष्ट फुटवियर तथा उत्पाद और स्टार्ट अप	जोधपुर	29 मई, 2023
6.	अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और लेदर फैशन फुटवियर और उत्पाद नवाचार के लिए केंद्र	नोएडा	29 मई, 2023
7.	नॉन-लेदर फुटवियर, उत्पाद और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	रोहतक	3 जून, 2023

ये सीओई, जिन्हें संचालित किया गया है, छात्रों, उद्योग, शिक्षाविदों, डिजाइनरों, शोधकर्ताओं और शैक्षणिक संस्थानों के लिए एक अद्वितीय जीवंत केंद्र के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो विशेष रूप से फुटवियर, फैशन, लेदर के उत्पादों तथा रिटेल और फैशन उत्पादों से संबंधित विशेषज्ञता के विशेष विषयगत क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के लिए सुसज्जित सुविधा प्रदान करते हैं।

सीओई, पटना में संवर्धित वास्तविकता आधारित मैजिक दर्पण का अनुभव करते प्रतिनिधि

सीओई, रोहतक में ईवीए इंजेक्शन मशीन का प्रदर्शन

एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन और डेटा विश्लेषण में एआई एप्लिकेशन नवीनतम सॉफ्टवेयर और संवर्धित वास्तविकता एप्लिकेशन, डिजिटल उद्यम जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, एफडीडीआई ने इन सीओई के संचालन के माध्यम से उद्योग 4.0 एप्लिकेशन की प्रक्रियाएं शुरू की हैं जो सर्वोत्तम हैं। उपलब्ध बुनियादी ढाँचा और कौशल न केवल अनुसंधान और विकास में सहायता करते हैं, बल्कि उत्पाद विकास, तकनीकी सहायता और ऊष्मायन और उद्यमिता विकास केंद्रों जैसी उद्योग की चिंताओं का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।

श्री फ़ैयाज़ अहमद, उप निदेशक, सीएलई सीओई, चेन्नई के संचालन के दौरान ब्रीफिंग करते हुए

सीओई, हैदराबाद में स्थापित कम्प्यूटरीकृत कढ़ाई मशीन को देखते प्रतिनिधि

नवीनतम मशीनरी से सुसज्जित इन सीओई के संचालन और तकनीकी प्रदर्शन का प्रदर्शन काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई), सेंट्रल लेदर रिसर्च इंस्टीट्यूट, चेन्नई (सीएसआईआर-सीएलआरआई), लेदर सेक्टर स्किल काउंसिल (एलएसएससी), भारतीय फुटवियर उद्योग परिसंघ (सीआईएफआई), काउंसिल फॉर फुटवियर लेदर एंड एक्सेसरीज (सीएफएलए), इंडियन लेदर प्रोडक्ट्स एसोसिएशन (आईएलपीए), इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (इफकोमा) सहित उद्योग संघों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया गया।

सीओई, जोधपुर में मोल्डिंग ऑपरेशन के साथ पीयू पोरिंग मशीन का प्रदर्शन

सीओई, कोलकाता में बटन होल मशीन का प्रदर्शन

इनके अलावा, उद्योग जगत के दिग्गजों सहित स्थानीय/क्षेत्रीय, स्थानीय इकाइयों के कई अन्य प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

एफडीडीआई, बनूर परिसर के छात्रों द्वारा चंडीगढ़ प्रेस क्लब के कर्मचारियों के लिए विशेष फुटवियर विकसित किए

एक परियोजना कार्य के तहत, चंडीगढ़ प्रेस क्लब केकर्मचारियों के लिए एफडीडीआई, बनूर परिसर के छात्रों द्वारा विशेष फुटवियर विकसित किए गए हैं। इसे 2 जून 2023 को चंडीगढ़ प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया था, इस दौरान क्लब के प्रबंधन तथा कर्मचारियों के अलावा बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी मौजूद थे।

श्री रविशंकर, विभागाध्यक्ष, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के मार्गदर्शन में, छात्रों ने क्लब के कार्यालय कर्मचारियों, सेवारत कर्मचारियों, रसोई कर्मचारियों तथा हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए विशेष (पेशे वार) फुटवियर विकसित किए। कार्यक्षमता पर जोर देने के साथ, छात्रों ने समकालीन डिजाइन तत्वों को शामिल किया कर्मचारियों को स्टाइलिश फुटवियर पेश किए जो उनकी पेशेवर छवि को दर्शाते हैं।

बनूर परिसर के छात्रों द्वारा विकसित विशेष फुटवियर

कार्यालय के कर्मचारियों के लिए, छात्रों ने ऑक्सफोर्ड फुटवियर डिजाइन किए तता कड़ी मेहनत करने वाले वेटरों को डर्बी फुटवियर से लाभ हुआ जो आराम तथा सहनशक्ति को प्राथमिकता देते हैं, अधिक दौड-भाग करने वालो के लिए बेहतर कुशनिंग और आराम प्रदान करते हैं। समर्पित रसोई कर्मचारी के लिए, फीता बांधने की परेशानी के बिना सुविधा और स्वच्छता सुनिश्चित करने वाले स्लिप-ऑन फुटवियर विकसित किए गए हैं। छात्रों ने हल्के, टिकाऊ सोलो के साथ स्नीकर फुटवियर डिजाइन करके, दीर्घायु की पेशकश करके और टूट-फूट को कम करके बागवानों तथा स्वीपर्स की जरूरतों को सावधानीपूर्वक संबोधित किया।

एफडीडीआई, आईआईएफटी, आईआईपी, एनआईडी और एनआईएफटी के साथ अभिसरण की दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कार्यशाला' आयोजित की गई

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट (एफडीडीआई), भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी), भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) और नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) नामक पांच संस्थानों के साथ अभिसरण की दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कार्यशाला' 31 मई और 1 जून 2023 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।

1 जून 2023 को, माननीय वाणिज्य एवं उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण तथा कपड़ा (एचसीआईएम, सीए, एफ एंड पीडी एंड टी), भारत सरकार (जीओआई) मंत्री, श्री पीयूष गोयल ने बैठक की अध्यक्षता की और इन शैक्षणिक संस्थानों के प्रमुख तथा वरिष्ठ संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की।

इस अवसर पर उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह, डीपीआईआईटी के अपर सचिव राजीव सिंह ठाकुर और विभिन्न विभागों एवं अन्य संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

कपड़ा और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के तहत पांच संस्थानों का अभिसरण नवंबर2022 के महीने में शुरू किया गया था। इन पांच संस्थानों के बीच सहयोग में एक अधिक गतिशील और एकीकृत राष्ट्रीय डिजाइन तथा व्यावसायिक शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की क्षमता है जो छात्रों, उद्योगों और समाज को लाभान्वित करता है।

एफडीडीआई के कार्मिकगण

एफडीडीआई द्वारा प्रस्तुति का एक दृष्य

एचसीआईएम, सीए, एफएंडपीडीएण्डटी ने कहा कि फैशन रुझान, उत्पाद डिजाइन, नवीन पैकेजिंग, वस्तुओं तथा सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और उच्च निर्यात भविष्य में भारत की सफलता की कहानी निर्धारित करने जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 से भारत की परिवर्तनकारी यात्रा को अब विश्व स्तर पर मान्यता मिली है, और मॉर्गन स्टेनली शोध रिपोर्ट पर ध्यान आकर्षित किया जो यह भी बताता है कि भारत एशियाई तथा वैश्विक विकास के लिए एक प्रमुख संचालक के रूप में कैसे उभरा है।

उन्होंने इन संस्थानों के पूर्व छात्रों द्वारा सहयोग, संकाय, परामर्श आदि के संबंध में निभाई गई भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन संस्थानों से बेहतर प्लेसमेंट पर फोकस किया।

इस अवसर पर एफडीडीआई के प्रबंध निदेशक (एमडी) श्री अरुण कुमार सिन्हा एफडीडीआई के सचिव श्री पंकज कुमार सिन्हा, एफडीडीआई के वरिष्ठ संकाय सदस्य श्री संदीप भाटिया, डॉ प्राची शर्मा, सुश्री श्वेता सैनी, श्री शरद श्रीवास्तव, श्री अमित वर्मा, सुश्री सारिका टंडन और श्री हिमांशु बलूनी और प्रतिष्ठित पूर्व छात्र श्री अंकुर रस्तोगी – वीपी कलेक्शन, बाटा इंडिया, श्री चेतन सारसावत -संस्थापक, एटीआई इम्पेक्स, श्री आरुष मेहता -बिजनेस हेड, केमिको प्रोसेसिंग, सुश्री अनिमा -वीएम हेड, मैंगो, श्री पुलकित निझावन -सीईओ, मिलानो मोड, श्री समीर शर्मा -

प्रबंध निदेशक, साईनाथ इंडस्ट्रीज, श्री राहुल कुमार -संस्थापक, वेल्वार्ट ट्रेडिंग, श्री धर्मेंद्र -संस्थापक, गोप्सन लेदर, श्री बिप्लब -संस्थापक, ब्रांड फॉरएवर, श्री सुमन नायक -नेशनल सेल्स, निप्पॉन ऑडियोट्रॉनिक्स, सुश्री किरण – वरिष्ठ सलाहकार, एफडीडीआई, श्री विजय झा -एमडी सावी लेदर्स के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए मार्ग प्रशस्त करने के लिए विचार-विमर्श और कार्य किए गए हैं: संस्थानों के साथ अभिसरण, छात्र पदोन्नति योजनाएं, प्रवेश प्रक्रिया और छात्र नामांकन में वृद्धि, पूर्व छात्रों तथा उद्योग-अकादमिक सहयोग का एक व्यावसायिक नेटवर्क बनाना आदि।

एफडीडीआई के परिसरों में पहला क्यूसीओ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

फुटवियर उद्योग के बीच गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बारे में जागरूकता तथा जानकारी पैदा करने के लिए, 26 मई 2023 को एफडीडीआई परिसरों में पहला क्यूसीओ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

यह सर्वेक्षण भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के सहयोग से आयोजित किया गया था, जिसके दौरान बाटा, लिबर्टी, प्यूमा स्पोर्ट्स, ब्यूरो वेरिटास, सुपरहाउस लिमिटेड, एसएसआईपीएल, वाइल्डक्राफ्ट इंडिया, इंटरटेक, एरो शूज, केएच एक्सपोर्ट्स, वेलकम शूज, कोंडोर फुटवियर, मयूर यूनिवर्सल, मोचिको शूज, एक्सओ फुटवियर, अल्पाइन शूज, गुडविल प्लास्टिक आदि जैसी प्रमुख फुटवियर कंपनियों/संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

एफडीडीआई, नोएडा परिसर के डिजिटल क्लासरूम में 60 से अधिक उद्योग प्रतिभागियों की उपस्थिति और एफडीडीआई के अन्य सभी परिसरों में अन्य उद्योग प्रतिभागियों की भागीदारी से, 'गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के बारे में

श्री जे. बसाक अपने विचार साझा करते हुए

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में प्रतिभागियों का एक दृश्य

परिचय' पर तकनीकी सत्र का संचालन प्रख्यात वक्ताओ जैसे कि श्री आदित्य दास, श्री अमित चौधरी और श्री जे बसाक द्वारा किया गया।

श्री आदित्य दास, वैज्ञानिक बीआईएस में संयुक्त निदेशक के रूप में कार्यरत हैं, जो बीआईएस प्रमाणन की लाइसेंसिंग प्रक्रिया की देखरेख कर रहे हैं। श्री अमित चौधरी, वैज्ञानिक बीआईएस में संयुक्त निदेशक के रूप में कार्यरत रहे हैं, जो बीआईएस प्रमाणन की लाइसेंसिंग प्रक्रिया की देखरेख करते हैं और श्री जे बसाक बीआईएस की सीएचडी -19 समिति

के सदस्य हैं जो विभिन्न फुटवियर पर विनिर्देश बनाने के लिए जिम्मेदार हैं। श्री बसाक को फुटवियर उद्योग में 4 दशकों से अधिक का विशाल अनुभव है। उन्होंने 20 से अधिक वर्षों तक मैसर्स डकबक रबर इंडस्ट्रीज, कोलकाता के सीईओ के रूप में कार्य किया।

प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए प्रख्यात वक्ता श्री आदित्य दास, श्री अमित चौधरी और श्री जे. बसाक

एफडीडीआई के अन्य परिसरों में सत्र में वर्चुअली भाग लेने वाले प्रतिभागी

उद्योगों एवं अकादमिक के 100-100 से अधिक प्रतिभागियों ने इस जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया ,जिसके दौरान क्यूसीओ के लाभ तथा उत्पाद की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव, नियमित निरीक्षण और गुणवत्ता के लिए प्रक्रिया, बीआईएस पर पंजीकरण प्रक्रिया, बीआईएस लाइसेंस के लिए दस्तावेज़ीकरण की आवश्यकता एमएसएमई क्लस्टर आधारित परीक्षण केंद्र का विकल्प कैसे चुन सकते हैं, उत्पाद मैनुअल ऑनलाइन (www.manakonline.in), उपलब्ध है आदि प्रख्यात वक्ताओं द्वारा जानकारी दी गई।

एफडीडीआई परिसरों में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया गया

एफडीडीआई ने 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में मिशन लाइफस्टाइल फॉर अवेयरनेस (लाईफ) के बारे में कई तरह के कार्यक्रम तथा गतिविधियों का आयोजन किया।

एफडीडीआई, सचिव पंकज कुमार सिन्हा ने एफडीडीआई नोएडा में पौधारोपड़ करते हुए

एफडीडीआई, कोलकाता में स्वच्छता अभियान का एक दृश्य

पर्यावरण के लिए मिशन लाइफस्टाइल यह मानता है कि भारतीय संस्कृति तथा जीवित परंपराएं स्वाभाविक रूप से टिकाऊ हैं। हमारे प्राचीन शास्त्रों में हमारे बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने के महत्व पर जोर दिया गया है। समय की मांग के अनुसार उस प्राचीन ज्ञान का दोहन किया जाए और संदेश को अधिक

से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए। मिशन लाइफ व्यक्तियों तथा समुदायों के प्रयासों को सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के वैश्विक जन आंदोलन में शामिल करना चाहता है।

ऊर्जा बचाओ, पानी बचाओ, एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को ना कहो, सतत खाद्य प्रणालियों को अपनाओ, अपशिष्ट कम करो, स्वस्थ जीवन शैली अपनाओ, ई-कचरे को कम करो। ब्रॉड लाइफ की थीम थी।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति बड़े उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ, सभी 12 परिसरों ने कैंपस पोस्टर, सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से जागरूकता फैलाना; वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, पोस्टर बनाने की प्रतियोगिताएं और प्रतिज्ञा लेना इन आयोजनों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कुल 76 जागरूकता कार्यक्रम और 33 एक्शन इवेंट आयोजित किए गए, जिसमें कुल 2692 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अलावा एफडीडीआई के 1620 स्टाफ और छात्रों ने इस संबंध में शपथ ली।

एफडीडीआई, भारत ने बांग्लादेश के फुटवियर सेक्टर के लिए 'पैटर्न इंजीनियरिंग' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया

एफडीडीआई, भारत ने 20 से 24 मई, 2023 तक बांग्लादेश के फुटवियर सेक्टर के लिए 'पैटर्न इंजीनियरिंग' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह लेदरगुड्स एंड फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ बांग्लादेश (एलएफएमईएबी) द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर लेदर स्किल बांग्लादेश लिमिटेड (सीओईएल) के सहयोग से, चंद्रा, गाजीपुर, बांग्लादेश में आयोजित किया गया था।

उद्घाटन समारोह में श्री मोमिनुल अहसान (सीईओ, सीओईएल), श्री सैयद नसीम मंजूर, अध्यक्ष एलएफएमईएबी और एमडी एपेक्स फुटवियर लिमिटेड, श्री अब्दुर रहीम खान, अपर सचिव, वाणिज्य मंत्रालय, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ बांग्लादेश सरकार, श्री प्रशांत कुमार नंदा, वरिष्ठ संकाय, एफडीडीआई, कोलकाता, मेजर मोहम्मद रफीकुल इस्लाम (सेवानिवृत्त), महासचिव एलएफएमईएबी और सुश्री शरीफ नवरिन अख्तर, प्रबंधक एलएफएमएबी ने अपनी उस्थिथि दर्ज की गई।

उद्घाटन समारोह में भाग लेते गणमान्य व्यक्ति

अपने प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी

यह प्रशिक्षण सफल रहा क्योंकि इसने प्रतिभागियो को फुटवियर डिजाइनिग तथा पैटर्न इंजीनियरिग के विभिन्न पहलुओ पर आवश्यक ज्ञान प्रदान किया और बांग्लादेश के फुटवियर क्षेत्र के विकास के लिए कुशलतापूर्वक काम करने के लिए अपने कौशल आधार को भी विस्तारित किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले बांग्लादेश के अनुसंधान एवं विकास विभाग के विभिन्न फुटवियर उद्योगों के कुल 27 प्रतिभागियों को भी 'भागीदारी का प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया।

हैदराबाद के छात्रों ने जीआईएलटी, हैदराबाद के टेनरी विभाग का दौरा किया

छात्रों को एक मजबूत आधार प्रदान करने तथा उन्हें सुंदर तैयार चमड़े में कच्ची खाल को बदलने की पूरी प्रक्रिया से परिचित कराने के उद्देश्य से, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के बी.डेस-फाउंडेशन बैच के छात्रों को सरकारी चमड़ा प्रौद्योगिकी संस्थान (जीआईएलटी), हैदराबाद, तेलंगाना ले जाया गया जहां उन्हें इसके टेनरी विभाग का एक्सपोजर प्रदान किया गया।

छात्रों को श्री शेख इकबाल हुसैन, प्रिंसिपल, जीआईएलटी, हैदराबाद द्वारा चमड़े की टैनिंग की तकनीकी के बारे में जानकारी देते हुए

टेनरी परिचालन प्रक्रिया को देखते छात्र

एफडीडीआई के संकाय की देखरेख तथा मार्गदर्शन में, 19 मई 2023 को दौरा का आयोजन किया गया था जिसके दौरान श्री शेख इकबाल हुसैन, प्रिंसिपल, जीआईएलटी ने उस प्रक्रिया के बारे में बताया जहां चमड़े को बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के चमड़े की फिनिशिंग, विभिन्न प्रकार के रसायनों, मशीनरी और तकनीकों का उपयोग किया जाता है जिसे वैश्विक बाजार के लिए एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

विभिन्न प्रकार की चमड़े की परिष्करण प्रक्रिया का भी विस्तार से प्रदर्शन और व्याख्या की।

इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने एफडीडीआई के फुरसतगंज परिसर का दौरा किया

इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस), लखनऊ विश्वविद्यालय के एमबीए -5 वर्ष के आठवीं सेमेस्टर के छात्रों ने एफडीडीआई, फुरसतगंज परिसर का 16 मई 2023 को, दौरा किया।

छात्रों के शोध प्रबंध परियोजना के एक भाग के रूप में, प्रोफेसर विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस के परामर्श के तहत छात्रों ने परिसर का दौरा किया और फुटवियर निर्माण के उपकरणों तथा तकनीकों के बारे में जाना।

एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर के विशेषज्ञों द्वारा आईएसएम छात्रों को जानकारी देते हुए

उन्होंने विभिन्न प्रयोगशालाओं, डिजाइन स्टूडियो, सैम्पल कक्षों का दौरा किया तथा एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा मशीनों और मैनुअल फॉर्म के माध्यम से फुटवियर के नमूना विकास प्रक्रिया से परिचित हुए।

एफडीडीआई, फुरसतगंज के छात्रों का किंग्स इंटरनेशनल और मिर्जा इंटरनेशनल में औद्योगिक दौरा

छात्रों को नवीनतम प्रौद्योगिकी चलन के बारे में जानने तथा कारखाने की कार्य प्रक्रिया के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई के बी. डेस एफडीपी 2021 तथा 2022 के छात्रों के लिए एक औद्योगिक यात्रा, फुर्सतगंज बैच का आयोजन 15मई 2023 को उन्नाव, कानपुर में स्थित किंग्स इंटरनेशनल और मिर्जा इंटरनेशनल में किया गया था।

छात्रों ने उन्नाव, कानपुर में स्थित मिर्जा इंटरनेशनल (रेड टेप इंडिया) का दौरा किया और कारखाने में नॉन-लेदर फुटवियर के उत्पादन और गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया के बारे में परिचालन अनुभव प्राप्त किया।

श्री देवेश कौशिक, महा प्रबंधक-परिचालन ने छात्रों को विभिन्न क्लिकिंग नाइफ, उनके महत्व, क्लोजिंग सेक्शन में लाइन बैलेंसिंग तथा नॉन-लेदर फुटवियर की असेंबली प्रक्रिया के बारे में समझाया।

रेड टेप में एफडीडीआई के छात्र

संचालन के बारे में जानकारी प्राप्त करते छात्र

छात्रों ने किंग्स इंटरनेशनल का दौरा किया, जो एक प्रसिद्ध कंपनी है जो अपने टेनरी तथा चमड़े के सामान के उत्पाद के लिए जानी जाती है, जहां किंग्स इंटरनेशनल के प्रबंध निदेशक श्री ताज आलम ने छात्रों के साथ बातचीत की।

छात्रों ने टेनरी, सैडलरी और चमड़े के बैग की निर्माण प्रक्रिया को भी देखा, जिसके दौरान श्री आमिर, महा प्रबंधक-परिचालन ने छात्रों को कारखाने में उत्पादित होने वाली टेनरी और सैडलरी वस्तुओं की प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

चेन्नई परिसर के संकाय द्वारा 'फैशन और परिधान उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया

सुश्री निवेदिता एएस, स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एसएफडी), चेन्नई परिसर की संकाय ने12 मई 2023 को गार्डन सिटी यूनिवर्सिटी, बैंगलोर में आयोजित 'करंट फैशन ट्रेंड्स, आइडियाज एंड डिज़ाइन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन – इंप्रेशन 2023 के दौरान 'फैशन और परिधान उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

सुश्री निवेदिता एएस, संकाय एसएफडी, चेन्नई अपना शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

सुश्री निवेदिता एएस को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया

व्यवस्थित समीक्षा पर यह प्रस्तुति फैशन और परिधान उद्योग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अनुप्रयोग पर अनुसंधान की वर्तमान स्थिति की जांच करती है। समीक्षा 2017 और 2023 के बीच प्रकाशित कुल 65 सहकर्मी समीक्षा लेखों का विश्लेषण करती है, जिसमें उत्पाद डिजाइन और विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ग्राहक अनुभव और स्थिरता सहित फैशन उद्योग में एआई अनुप्रयोगों के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

निष्कर्ष बताते है कि एआई को फैशन उद्योग में विभिन्न तरीकों से लागू किया जा रहा है, जिसमें दक्षता में सुधार, अपशिष्ट को कम करने और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने में संभावित लाभ हैं। हालाँकि एआई के नैतिक निहितार्थों, जैसे डेटा गोपनीयता, पूर्वाग्रह और पारदर्शिता के बारे में भी चिंताएँ हैं। समीक्षा वर्तमान शोध में कई कमियों की पहचान करती है, जिसमें अधिक अनुभवजन्य अध्ययन की आवश्यकता तथा नैतिक विचारों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

'आईएफसीओएमए- एफडीडीआई' डिस्प्ले सेंटर' का उद्घाटन

अपनी तरह का एक और अनोखा' आईएफसीओएमए-एफडीडीआई डिस्प्ले सेंटर' का उद्घाटन श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई ने 19 मई को एफडीडीआई परिसर, सेक्टर 24, नोएडा में किया।

इंडियन फुटवियर कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएफसीओएमए)में 200 से अधिक सदस्य हैं, जिसमें सोल, इनसोल, लास्ट, टो पफ और काउंटर, लाइनिंग्स, इंटरलाइनिंग्स, एडहेसिव्स, मेटालिक फिटिंग, केमिकल्स और कंपाउंड्स, क्लिकिंग डाइज, आईलेट्स, ईवा शीट्स और कंपाउंड्स, फिनिश और पॉलिश, लेबल, लेस आदि के निर्माता शामिल हैं, जो उद्योग को एक प्रोत्साहन प्रदान करने में सहायक रहे हैं।

उद्घाटन सत्र का एक दृश्य

आईएफसीओएमए-एफडीडीआई डिस्प्ले सेंटर' का दौरा करने वाले गणमान्य व्यक्ति

उद्घाटन सत्र के दौरान, श्री संजय लीखा, अध्यक्ष, सीएलई और एमडी - अल्पाइन अपैरल्स प्राइवेट लिमिटेड, श्री मोतीलाल सेठी, उत्तरी क्षेत्रीय अध्यक्ष, सीएलई और एमडी मेसर्स सरोज इंटरनेशनल ग्रुप, नोएडा, श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव-एफडीडीआई, श्री पूरन डावर, अध्यक्ष -एएफएमईसी और अध्यक्ष, डावर ग्रुप, डॉ. एन मोहन, निदेशक एवं सीईओ -मैसर्स कोठारी इंडस्ट्रियल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, श्री संजय गुप्ता, अध्यक्ष, इफकोमा और एमडी -संदीप रबर, श्री सुभाष कपूर एमडी -कैपसंस इंडिया, श्री एस के वर्मा, कार्यकारी निदेशक, इफकोमा और अन्य उद्योगपति उपस्थित थे।

आईएफसीओएमए-एफडीडीआई डिस्प्ले सेंटर' जिसका उद्देश्य अखिल भारतीय और दुनिया के कुछ शीर्ष संभावित देशों से प्रतिष्ठित खरीदारों, बाइंग हाउसों, निर्यातकों तथा फुटवियर निर्माताओं को लाना है, घटक क्षेत्र में लगातार नवाचार के साथ फुटवियर, चमड़े के सामान औरपरिधानो ं के लिए नवीनतम कंपोनेन्टों तथा सहायक उपकरण का प्रदर्शन कर रहा है।

एफडीडीआई में 'चिंतन शिविर' का आयोजन

एफडीडीआई द्वारा अपने विकास का आकलन करने तथा आने वाले वर्षों में फुटवियर, फैशन, चमड़े के उत्पादों तथा रिटेल और फैशन माल की वृद्धि की आवश्यकता को पूरा करने के लिए भविष्य का रास्ता खोजने के लिए एक 'चिंतन शिविर' का 15 मई 2023 को आयोजन किया गया था।

यह एफडीडीआई, नोएडा परिसर में डिजिटल क्लासरूम में आयोजित किया गया तथा अन्य सभी परिसरों की भागीदारी वर्चुअल माध्यम से दर्ज हुई।

'चिंतन शिविर' का एक दृश्य

एफडीडीआई के सचिव पंकज कुमार सिन्हा चिंतन शिविर के दौरान अन्य परिसरों के साथ बातचीत करते हुए

माननीय प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल ",मेक इन इंडिया ",आत्मनिर्भर भारत ",स्किल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' और भारत के चमड़ा तथा फुटवियर उद्योग द्वारा 2030तक 47 बिलियन अमरीकी डालर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तथा इस प्रकार के कार्यक्रमों के लक्ष्यों को पूरा करने में एफडीडीआई की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाने के लिए 'चिंतन शिविर' आयोजित किया गया था।

भारत के चमड़ा तथा फुटवियर उद्योग में कौशल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, 'चिंतन शिविर' के दौरान, प्रतिभागियों ने चार चतुर्थांशों अर्थात् शिक्षण, प्रवेश, प्लेसमेंट और छात्र के अनुभव पर विचार-विमर्श किया।

'चिंतन शिविर' का परिणाम यह था कि, एफडीडीआई के लिए व्यक्तियों के कौशल को बढ़ाने तथा उन्हें संबंधित उद्योग में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और विशेषज्ञता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने शिल्परामम-ए क्राफ्ट विलेज, हैदराबाद का दौरा किया

एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के संकाय की देखरेख और मार्गदर्शन में, स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) और स्कूल ऑफ़ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरी डिज़ाइन (एलजीएडी) के 'फाउंडेशन बैच' के छात्रों ने 15 मई 2023 को 'शिल्परामम-ए क्राफ्ट विलेज' हैदराबाद का दौरा किया।

यह दौरा छात्रों को एक मजबूत आधार प्रदान करने और भारत के गौरवशाली अतीत, डिजाइन तथा शिल्प विरासत की संस्कृति के प्रति उनके ज्ञान को अद्यतन करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।

शिल्पारामम में अपने संकाय सदस्यों के साथ छात्र

स्टॉल पर छात्र

शिल्परामम में पूरे भारत के शिल्पकार, पारंपरिक आभूषण, हाथ से बुनी हुई साड़ी, शॉल, कपड़े, चादर, हाथ से तैयार की गई लकड़ी, कांच का काम, मिट्टी के बर्तन, पेंटिंग तथा धातु के बर्तन से भिन्न 'शिल्परामम' में अपने कार्यों का प्रदर्शन करते हैं।

छात्रों ने प्रदर्शन में वस्तुओं तथा लेखों में अद्भुत प्राचीन कलात्मक कार्य का अवलोकन किया। छात्रों को पेंटिंग, पॉटरी, क्राफ्ट और मूर्तियों में डिजाइन, आर्ट, डाइमेंशन और सरफेस टेक्सचर का अध्ययन करने का अवसर मिला। उन्हें एक मंच पर विभिन्न राज्यों के विभिन्न कारीगरों की बारीकियों और कारीगरी को समझने का अवसर मिला।

एफडीडीआई, फुरसतगंज ने लखनऊ के लुलु मॉल में 'लुलु फैशन वीक' में भाग लिया

एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर ने 'लुलु फैशन वीक' में भाग लिया, जिसका आयोजन लुलु मॉल शॉपिंग, लखनऊ द्वारा 12 से 14 मई 2023 तक किया गया था।

लुलु मॉल, लखनऊ, उत्तर प्रदेश में स्थित एक शॉपिंग मॉल है जिसका कुल निर्मित क्षेत्र 22 लाख वर्ग फुट है। इसमें लगभग 300 राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड शामिल हैं, जिनकी औसत दैनिक संख्या 80,000 से अधिक है।

'लुलु फैशन वीक' के दौरान एफडीडीआई के छात्र

'विजुअल मर्चेंडाइज़' डिस्प्ले

'लुलु फैशन वीक' के छठे संस्करण में रनवे फैशन शो, फैशन अवार्ड्स और एक फैशन फोरम के साथ कई ब्रांडों के नवीनतम संग्रह प्रदर्शित किए गए।

एफडीडीआई फुरसतगंज परिसर के छात्रों ने 'विजुअल मर्चेंडाइज' डिस्प्ले प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन, जिसमें फैशन तथा फुटवियर श्रेणी से संबंधित उत्पाद शामिल थे, जनता के लिए आकर्षण का केंद्र था। इच्छुक छात्रों को एफडीडीआई के शैक्षणिक कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की गई।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फ्यूचर टेक्नोलॉजी एंड एम्प्रेटेक-एंटरप्रेन्योरशिप' पर संगोष्ठी आयोजित की गई

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर में 'फ्यूचर टेक्नोलॉजी एंड एम्प्रेटेक-एंटरप्रेन्योरशिप' पर 12 मई 2023 को एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को भविष्य की तकनीकों और भविष्य में उद्यमी बनने के बारे में जागरूक करना था।

एवरट्रेड ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री निरेन आनंद ने छात्रों के साथ अपने विचार साझा करते हुए

श्री अर्नब चक्रवर्ती, राष्ट्रीय निदेशक अंकटाड, एम्प्रेटेक प्रोग्राम ऑफ इंडिया ने अपने विचार साझा करते हुए

श्री अर्नब चक्रवर्ती, राष्ट्रीय निदेशक अंकटाड, एम्प्रेटेक प्रोग्राम ऑफ इंडिया, और श्री निरेन आनंद, प्रबंध निदेशक, एवरट्रेड ग्रुप, ओडिशा ने संगोष्ठी को संबोधित किया।

श्री अर्नब ने छात्रों को उद्यमिता, इस करियर पथ पर उठाए जाने वाले कदमों को समझने तथा अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने, वैश्विक खिलाड़ी कैसे बनें आदि के बारे में जानकारी दी।

श्री निरेन आनंद, प्रबंध निदेशक, एवरट्रेड ग्रुप, ओडिशा ने भविष्य की तकनीकों तथा आधुनिक व्यापार प्रथाओं को अपनाने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने छात्रों को रनिंग फुटवियर की एक उन्नत तकनीक के बारे में भी बताया, जिसे 'यूडोरा' के नाम से जाना जाता है, जो चोट को रोकने के लिए स्थिर स्थिरता, झटका अवशोषण प्रदान करता है, और लंबी दूरी की दौड़ के दौरान चोटों की संभावना को कम करता है।

छात्रों के साथ अपनी करियर यात्रा भी साझा की और बताया कि कैसे उन्होंने दो कारखाने स्थापित किए हैं, एक चीन में और एक वियतनाम में और तीसरा कारखाना, जो ओडिशा में निर्माणाधीन है।

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 'एडवांस मैटेरियल एक्सप्लोरेशन' पर रचनात्मक कार्यशाला आयोजित की गई

एफडीडीआई, छिंदवाड़ा परिसर में 1 से 5 मई 2023 तक मेसर्स पिडिलाइट लिमिटेड के सहयोग से 'एडवांस्ड मटेरियल एक्सप्लोरेशन' पर एक अभिनव और रचनात्मक कार्यशाला आयोजित की गई।

चिपकने वाले, सीलेंट और निर्माण रसायनों के एक अग्रणी निर्माता पिडिलाइट लिमिटेड ने नवीन तकनीकों की खोज की सुविधा के लिए अपनी विशेषज्ञता, सुश्री काजल टोटलानी, संकाय विशेषज्ञ और सामग्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान की।

कार्यशाला जारी

रचनात्मक परिणाम

कार्यशाला का उद्देश्य फुटवियर तथा फैशन के फाउंडेशन बैचों के लिए पिडिलाइट द्वारा पेश किए गए रंगों की विस्तृत श्रृंखला के साथ प्रयोग करते हुए फुटवियर, कट वर्क, एप्लिक्स, प्रिंट्स, ग्लास आर्ट और रेजिन आर्ट पर ट्रक आर्ट जैसी विभिन्न कलात्मक तकनीकों का पता लगाना था।

एफडीडीआई नोएडा परिसर के छात्रों के लिए गुलाम हस्तकला प्रिंट्स में औद्योगिक प्रदर्शन

औद्योगिक दौरा के तहत, एफडीडीआई, नोएडा परिसर के बी. डेस एफडी 2021-23 बैच के फैशन डिजाइन के छात्रों को 9 मई, 2023 को गुलाम हस्तकला प्रिंट्स, नोएडा ले जाया गया।

हस्तकला प्रिंट्स की स्थापना गुलाम नबी ने की थी, जो विभिन्न रंगों और डिजाइनों के साथ महिलाओं के मुद्रित स्कार्फ, महिलाओं की डिजाइनर कुर्ती, लेगिंग और साड़ियों की एक विस्तृत श्रृंखला बनाती है।

स्क्रीन प्रिंटिंग की प्रक्रिया देखते छात्र

एक विशेषज्ञ द्वारा लकड़ी के ब्लॉक बनाने का प्रदर्शन

डॉ. सुशीला हुड्डा, कनिष्ठ संकाय, एफडीडीआई के साथ छात्रों ने प्रिंटिंग यूनिट के विभिन्न विभागों का दौरा किया और नवीनतम प्रौद्योगिकी मशीनों, स्क्रीन प्रिंटिंग के लिए स्क्रीन के उत्पादन, हैंड ब्लॉक प्रिंटिंग के लिए लकड़ी के ब्लॉक के बारे में, बी ब्लॉक, सेक्टर 8, नोएडा स्थित कंपनी के काम के माहौल के बारे में विशेषज्ञों द्वारा जानकारी हासिल की।

छात्रों को तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा प्रिंटिंग की विभिन्न शैलियों के निर्माण के बारे में समझाया गया। उन्होंने रंग विविधताओं के साथ विभिन्न स्क्रीन का उपयोग करके स्क्रीन प्रिंटिंग के अपने स्वयं के प्रिंट नमूने भी बनाए।

नोएडा परिसर में आयोजित 'चमड़ा उद्योग में सामाजिक अनुपालन' पर विशेषज्ञ वार्ता

एफडीडीआई, नोएडा परिसर में 'चमड़ा उद्योग में सामाजिक अनुपालन' पर विशेषज्ञ वार्ता 5 मई, 2023 को आयोजित की गई थी।

इसमें नोएडा के छात्रों, संकाय सदस्यों तथा उद्योग के पेशेवरों और एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर के छात्रों, संकाय सदस्यों ने भी भाग लिया, जो वर्चुअल क्लासरूम सुविधा से वर्चुअल रूप से जुड़े थे, जिसे स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज डिजाइन (एलजीएडी) द्वारा आयोजित किया गया था।

विनिर्माण उद्योग में सामाजिक अनुपालन और स्थिरता में विशेषज्ञता रखने वाली परामर्श फर्म ट्रेडिंग एशिया के संस्थापक एवं सीईओ श्री सुमित भटनागर विशेषज्ञ थे, जिनके पास इस क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक का अनुभव है और उन्होंने चमड़े के क्षेत्र में विभिन्न संगठनों तथा उद्योग के साथ काम किया है।

श्री भटनागर ने चमड़ा उद्योग में सामाजिक अनुपालन के महत्व पर एक सूचनात्मक प्रस्तुति दी और श्रमिकों के अधिकारों, सुरक्षा तथा पर्यावरण संबंधी चिंताओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में बताया और स्पष्ट किया कि सामाजिक अनुपालन उन्हें संबोधित करने में कैसे मदद कर सकता है।

ट्रेडिंग एशिया के संस्थापक और सीईओ श्री सुमित भटनागर ने अपने विचार साझा करते हुए

उन्होंने चमड़ा उद्योग पर लागू होने वाले विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मानकों और विनियमों पर भी प्रकाश डाला, जैसे एसए-8000, बिजनेस सोशल कंप्लायंस इनिशिएटिव (बीएससीआई), इनिशिएटिव फॉर कंप्लायंस एंड सस्टेनेबिलिटी (आईसीएस)। उन्होंने बताया कि चमड़ा निर्माता आवश्यक सामाजिक तथा पर्यावरणीय नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इन मानकों का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है।

पटना के छात्रों के लिए दिप्तेश फुटवियर और राकेश एंटरप्राइजेज तथा अंबुजा नेवतिया मॉल, पटना में ऑपरेशनल एक्सपोजर हेतु फैक्ट्री दौरा

एफडीडीआई, पटना परिसर के स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 18 छात्रों के एक बैच को रिटेल में परिचालन प्रदर्शन के लिए दिप्तेश फुटवियर और राकेश एंटरप्राइजेज तथा अंबुजा नेवतिया मॉल, पटना में 4 मई 2023 को फैक्ट्री दौरे के लिए ले जाया गया।

एफडीडीआई के संकाय के मार्गदर्शन में, छात्रों ने गोला रोड, दानापुर, पटना और औद्योगिक क्षेत्र, पाटलिपुत्र, पटना में स्थित राकेश एंटरप्राइजेज के कारखाने का दौरा किया, जहां छात्रों को सिंथेटिक सामग्री और उत्पादों, रासायनिक रचनाओं, कंपाउंडिंग, मिक्सिंग, डिजाइनिंग, उत्पादन और विपणन के चयन और उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला।

छात्रों को सिंथेटिक सामग्री के उपयोग के बारे में जानकारी देते हुए

अंबुजा नेवतिया मॉल, पटना में एफडीडीआई के छात्र

छात्रों ने अंबुजा नेवतिया मॉल का भी दौरा किया और उन्हें विजुअल मर्चेंडाइजिंग, स्टोर ऑपरेशंस, कस्टमर सर्विस, सेल्स एंड प्रोमोशनल एक्टिविटीज, रिटेल मर्चेंडाइजिंग आदि जैसे रिटेलिंग के विभिन्न पहलुओं के बारे में सटीक जानकारी प्रदान की गई।

एफडीडीआई, चेन्नई ने सीएलआरआई के 'वन वीक वन लैब' समारोह में भाग लिया

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर ने टेकएक्सपो में भाग लिया, जिसका आयोजन02 से 06 मई 2023 तक चेन्नई में सीएलआरआई के 'वन वीक वन लैब' समारोह में 'सेलिब्रेटिंग लेदर' थीम के तहत किया गया था।

एफडीडीआई के स्टाल पर श्री आर सेल्वम, आईएएस, ईडी, सीएलई और डॉ के जे श्रीराम, निदेशक, सीएलआरआई

श्री एमडी सादिक, मुख्य वैज्ञानिक और प्रमुख डिजाइन और फैशन स्टूडियो -सीएसआईआर-सीएलआरआई, एफडीडीआई टीम के साथ बातचीत करते हुए

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीएलआरआई) का एक विषय-आधारित अभियान 'वन वीक वन लैब' युवा नवाचारियों, छात्रों, स्टार्ट-अप, शिक्षाविदों और उद्योग के दिमाग को प्रज्वलित करने के लिए मनाया गया ताकि गहन तकनीकी उद्यमों के माध्यम से अवसरों की तलाश की जा सके।

सीएसआईआर-सीएलआरआई के तालमेल भागीदार के रूप में, एफडीडीआई ने उत्सव में भाग लिया और एक स्टाल लगाया जिसमें एफडीडीआई की सफलता की कहानियों, संस्थान द्वारा पेश किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, इसके द्वारा डिजाइन और विकसित चमड़े के उत्पादों के साथ-साथ छात्रों की परियोजनाओं और पोर्टफोलियो पर प्रकाश डाला गया।

एफडीडीआई के स्टॉल पर डॉ दीपक सिवाच, आईपीएस, पुलिस उपायुक्त - ग्रेटर चेन्नई

एफडीडीआई के कर्मचारी आकांक्षी छात्रों को जानकारी देते हुए

श्री आर सेल्वम, आईएएस, कार्यकारी निदेशक (ईडी), चमड़ा निर्यात परिषद (सीएलई), डॉ के जे श्रीराम, निदेशक, सीएलआरआई, चेन्नई और श्री एमडी सादिक, मुख्य वैज्ञानिक, प्रमुख ,डिजाइन और फैशन स्टूडियो, सीएसआईआर-सीएलआरआई, डॉ दीपक सिवाच, आईपीएस, पुलिस उपायुक्त - ग्रेटर चेन्नई, वैज्ञानिक और सीएलआरआई के कर्मचारी/छात्र ने एफडीडीआई के स्टाल का दौरा किया।

एफडीडीआई, रोहतक की छात्रा ने फैशन शो तथा प्रतियोगिता में 'मिस हरियाणा क्वीन 2023' का खिताब जीता

एफडीडीआई, रोहतक परिसर ने 'पर्थमा हरियाणा क्वीन ' प्रतियोगिता में भाग लिया, जो 29 अप्रैल 2023 को पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस (पीजीआईएमएस), के ऑडिटोरियम रोहतक में आयोजित की गई थी।

श्री राजेश जैन, प्रबंध निदेशक, एलपीएस बोसार्ड, श्रीमती सुकुमा, पद्मश्री और प्रिंसिपल -कन्या गुरुकुल, रुड़की, निखार केमिकल्स के श्री राजेश बंसल और सुश्री कोमल, प्रबंध निदेशक, ट्रेडिंग कंपनी राजखान और अन्य ने इस अवसर की शोभा बढ़ाई, जिसे अमर उज्जला द्वारा आयोजित किया गया था।

फैशन शो में 25 छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन दौर थे, पहला एक परिचय दौर, दूसरा एक प्रदर्शन दौर और आखिरी एक प्रश्न और उत्तर दौर था।

सुश्री तनीषा गुप्ता, बी. डेस एफडीपी (2021-25) की छात्रा ने 'मिस हरियाणा क्वीन 2023' का खिताब जीता।

स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एफडी) और स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के छात्रों ने रैंप पर फैशन परिधान/आउटफिट एवं फुटवियर की एक श्रृंखला का प्रदर्शन किया।

पर्थमा हरियाणा क्वीन' प्रतियोगिता का एक दृश्य

रैंप पर एक प्रतिभागी

फैशन शो में भाग लेने वाले एफडीडीआई के छात्रों ने अपने फैशन कौशल का प्रदर्शन किया और रैंप पर शान से वॉक किया। इन छात्रों के आकर्षक संग्रह को शो के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने सराहा और पूरे मीडिया से भी प्रशंसा प्राप्त की।

एफडीडीआई, चेन्नई के छात्रों के लिए लेदर्स एंड पाल्सन लेदर कंपनी में औद्योगिक दौरा

टैनिंग प्रक्रिया की मजबूत नींव तथा जानकारी प्रदान करने के लिए, एफडीडीआई के दूसरे सेमेस्टर, फाउंडेशन प्रोग्राम, चेन्नई कैंपस के छात्रों ने 27 अप्रैल 2023 को चेन्नई के क्रोमपेट में स्थित बालामुरुगन लेदर्स एंड पल्सन लेदर कंपनी का दौरा किया।

कंपनी के अधिकारियों द्वारा स्वागत भाषण के हिस्से के रूप में, छात्रों को हर पहलू के बारे में जानकारी दी गई, चाहे वह आकार, छंटाई, पॉलिशिंग, परीक्षण, गुणवत्ता नियंत्रण, सटीक गुणवत्ता मानकों का पालन करना हो, जो निर्यातकों को पालन करना होता है, टैनिंग के दौरान कच्चे खाल में रसायनों का उपयोग आदि।

एफडीडीआई के संकाय और छात्रों के साथ बालामुरुगन लेदर्स के प्रबंध निदेशक

पालसन लेदर कंपनी के लेदर टेक्नोलॉजिस्ट श्री मणिकम छात्रों को जानकारी देते हुए

छात्रों को नमक के साथ चमड़े को ठीक करने की प्रक्रिया, प्री-टैनिंग ऑपरेशन – भिगोने, लाइमिंग, डी-लिमिंग, पिकलिंग, बफ और बकरी के चमड़े की क्रोम टैनिंग, पोस्ट टैनिंग ऑपरेशन, विभिन्न गुणवत्ता जांच बिंदु, चमड़े के बंडलिंग और पैकेजिंग, खतरनाक टैनिंग अवशेषों के लिए जल उपचार संयंत्र और अंतिम संयोजन प्रक्रियाओं के लिए फुटवियर डिजाइन में उपयोग की जाने वाली तकनीक के बारे में जानकारी दी गई।

लेदर्स शू अपर, सूएड लेदर तथा गारमेंट्स सूएड का उत्पादन कर रहा है और फ्रांस, वियतनाम तथा कंबोडिया को निर्यात कर रहा है; पाल्सन लेदर कंपनी फुटवियर एवं चमड़े के सामान उद्योगों के लिए गाय स्पिलिट चमड़े और गाय विभाजित चमड़े का उत्पादन करती है।

एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में आयोजित पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा 'फुटवियर एडेसिव्स' पर संगोष्ठी आयोजित की गई

पिडिलाइट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मुंबई के विशेषज्ञों द्वारा एफडीडीआई, चेन्नई परिसर में 'फुटवियर एडेसिव्स' पर 24 अप्रैल 2023 को एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार का आयोजन स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) द्वारा फुटवियर एडेसिव्स पर छात्रों के ज्ञान को अद्यतन करने के उद्देश्य से किया गया था, जो फुटवियर एवं चमड़े के उत्पाद उद्योगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सत्र में भाग लेते छात्र

श्री रविंद्र मोरे, तकनीकी प्रबंधक, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज ने प्रतिभागियों को जानकारी देते हुए

श्री रविंद्र मोरे, तकनीकी प्रबंधक, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज ने प्रस्तुति, व्याख्यान तथा प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों को फुटवियर एडेसिव्स और इसके महत्व, एडेसिव्स का प्रयोग, एडेसिव्स के गुणों तथा फुटवियर उद्योग में उपयोग किए जाने वाले एडेसिव्स के प्रकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सोलिंग सामग्री के प्रकार, इसके सतह के उपचार और एडेसिव्स के चयन के बारे में बताया और फुटवियर एडेसिव्स में भविष्य के रुझानों के बारे में जानकारी दी।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के संकाय, का संयुक्त शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुआ

श्री रामबाबू मुप्पिडी, संकाय और श्री के इलायाराजा एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के वरिष्ठ संकाय, का एक संयुक्त शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टी -डिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च (आईजेएमईआर) में प्रकाशित किया गया है।

सह-लेखक: श्री के. एलायाराजा वरिष्ठ संकाय, एसएफडीपी, हैदराबाद

प्रकाशन का प्रमाण पत्र

शोध अध्ययन का शीर्षक 'प्रभावशाली समानता: दक्षिण भारत में अलंकरी तथा चेरियाल क्लॉथ पेंटिंग का तुलनात्मक अध्ययन' है।

श्री रामबाबू मुप्पिडी स्कूल ऑफ लेदर गुड्स एंड एक्सेसरीज़ डिज़ाइन (एलजीएडी) में संकाय और श्री के. इलायाराजा, वरिष्ठ संकाय, स्कूल ऑफ़ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) ने कलमकारी - आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में श्री कालाहस्ती एवं चेरियाल बोडुप्पल में क्षेत्र अध्ययन किया, जहाँ वे कुछ कारीगरों से मिले और एक संयत्र अध्ययन किया गया।

लेखक: श्री रामबाबू मुप्पिडी संकाय, एलजीएडी, हैदराबाद

प्रकाशन का प्रमाण पत्र

शोध का विवरण आईजेएमइआर माह 28.04.2023 पर उपलब्ध है। आई॰एस॰एस॰एन॰:2277- 7881; प्रभाव कारक: 8.017 (2023); आईसी वल्यू: 5.16; आईएसआई मूल्य: 2.286. बहु अनुशासनात्मक अनुसंधान।

एफडीडीआई ने एलएएफसीएएन-2023 में भाग लिया

एफडीडीआई, ने 'लेदर एक्सेसरीज फुटवियर कॉन्क्लेव एंड अवार्ड्स ऑफ नॉर्थ इंडिया' (एलएएफसीएएन- 2023) "विजन 2030 - स्ट्रैटेजीज टू प्रोस्टिसुलेट ग्रोथ इन लेदर एंड फुटवियर सेक्टर ऑफ इंडिया" में भाग लिया, जिसका आयोजन 26 अप्रैल, 2023 को आईटीसी मौर्य, नई दिल्ली में काउंसिल फॉर लेदर एक्सपोर्ट्स (सीएलई) द्वारा किया गया था।

इस अवसर पर सीएलई के अध्यक्ष श्री संजय लीखा सीएलई के कार्यकारी निदेशक श्री आर. सेलवम, डीजीएफटी, भारत सरकार के महानिदेशक श्री संतोष सारंगी, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी), भारत सरकार के अपर सचिव श्री राजीव सिंह ठाकुर, सीएलई के उत्तरी क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री मोतीलाल सेठी, श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, प्रबंध निदेशक (एमडी), एफडीडीआई, एफडीडीआई सचिव पंकज कुमार सिन्हा फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष सुनील सेठी मंत्रालय के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, खरीद समूह, उद्योग विशेषज्ञ उपस्थित थे।

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ ही सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव, 2030 तक 47 बिलियन अमरीकी डालर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सीएलई के एमएसएमई निर्यातकों को प्रेरित करने और मार्गदर्शन करने के लिए एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म का आयोजन किया गया था।

2030 तक 47 बिलियन अमरीकी डालर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उद्योग के 7एस की भूमिका' पर एक 'पैनल चर्चा' हुई, जिसके दौरान उद्योग, शिक्षा और 7एस यानी कौशल, पैमाने, गति, स्थिरता, आपूर्ति श्रृंखला, शैली और बिक्री के क्षेत्र से संबंधित सरकार के दिग्गजों ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

भारत के चमड़ा एवं फुटवियर उद्योग में कौशल की आवश्यकता' विषय पर एलएएफसीएएन - 2023 के पूर्ण सत्र के दौरान अपने विचार साझा करते हुए,श्री अरुण कुमार सिन्हा,आईएएस,एमडी,एफडीडीआई, ने कहा,"माननीय प्रधानमंत्री के 'वोकल फॉर लोकल', 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत', 'स्किल इंडिया' और 'स्टार्ट-अप इंडिया' कार्यक्रमों के लक्ष्यों को पूरा करना तथा इस प्रकार, 2030 तक 47 बिलियन अमरीकी डालर के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करना, समय की मांग 7एस का पालन करना है जो परस्पर संबंधित कारक हैं जिसके लिए सरकार की एमएसएमई समर्थक नीति और अभिनव दृष्टिकोण लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई को एलएएफसीएएन - 2023 के दौरान सम्मानित किया जा रहा है

श्री अरुण कुमार सिन्हा, आईएएस, एमडी, एफडीडीआई अपने विचार साझा करते हुए

इसके बाद निर्यात पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया, जिसके दौरान वर्ष 2021 – 22 के लिए निर्यात पुरस्कार वितरित किए गए।

निर्यात पुरस्कार समारोह के दौरान उपस्थित गणमान्य व्यक्ति

श्री पंकज कुमार सिन्हा, सचिव-एफडीडीआई (एकदम दाएं) एलएएफसीएएन-2023 के दौरान उद्योगपति और एफडीडीआई के पूर्व छात्रों के साथ बातचीत करते हुए

एलएएफसीएएन-2023 में मुख्य भाषणों, पैनल चर्चाओं और इंटरैक्टिव सत्रों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की गई, जो नेटवर्किंग और ज्ञान-साझाकरण के पर्याप्त अवसर प्रदान करती है।

एफडीडीआई, हैदराबाद के छात्रों ने एचसीयू का दौरा किया

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के स्कूल ऑफ फैशन डिज़ाइन (एफडी –2021 बैच) के छात्रों ने लिथोग्राफी, नक़्क़ाशी और कोलोग्राफी के माध्यम से प्रिंट मेकिंग के व्यावहारिक प्रदर्शन के लिए 21 अप्रैल, 2023 को हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय (एचसीयू) में ललित कला विभाग (डीएफए) का दौरा किया।

एफडीडीआई हैदराबाद परिसर के एफडी के कनिष्ठ संकायों श्री के हरीश कुमार और डॉ अनुप्रिया सिंह के मार्गदर्शन में, छात्रों ने डीएफए, एचसीयू का दौरा किया और फैब्रिक कलात्मकता तथा संवर्धन तकनीक पाठ्यक्रम के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।

दौरे के दौरान ,डॉ .कीर्तन थंगावेलु ,विभागाध्यक्ष ने कला के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रदर्शन के महत्व के बारे में जानकारी दी और छात्रों को ऐसे अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

श्री सुनील ममदापुर, एसोसिएट प्रोफेसर, डीएफए ने लिथोग्राफी, नक़्क़ाशी और कोलोग्राफी सहित प्रिंटमेकिंग प्रक्रिया का अवलोकन प्रदान किया। उन्होंने तकनीकों के बीच अंतर समझाया और बताया कि अद्वितीय प्रिंट बनाने के लिए प्रत्येक तकनीक का उपयोग कैसे किया जाता है।

डीएफए, एचसीयू में छात्र

छात्रों ने प्रिंटमेकिंग स्टूडियो, पेंटिंग स्टूडियो तथा मूर्तिकला स्टूडियो भी देखा और विभिन्न प्रिंटमेकिंग प्रक्रियाओं से परिचित हुए। वे लिथोग्राफी प्रेस को काम करते हुए देखने में और नक़्क़ाशी प्रक्रिया का भी निरीक्षण करने में सक्षम थे। छात्रों को कोलोग्राफी प्रक्रिया को देखने का भी अवसर मिला, जिसमें एक कोलाज बनाना एवं प्रिंट बनाने के लिए इसका उपयोग करना शामिल है। फिर छात्रों ने अपने स्वयं के नमूने भी मुद्रित किए।

एफडीडीआई का 'फैशन ब्लेज़ोन 2023' इंडिया स्टाइल फैशन वीक के सहयोग से आयोजित किया गया

'फैशन ब्लेज़ोन 2023' एफडीडीआई द्वारा इंडिया स्टाइल फैशन वीक के सहयोग से 22 अप्रैल 2023 को एपिसेंटर, अपैरल हाउस, गुरुग्राम में आयोजित किया गया था।

यह कार्यक्रम एफडीडीआई स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन (एसएफडी), नोएडा द्वारा आयोजित किया गया था, जिसके दौरान, एफडीडीआई के स्नातक बैच (2019-2023) के नवोदित डिजाइनरों ने अपने उत्कृष्ट स्नातक डिजाइन संग्रह प्रस्तुत किए।

इस कार्यक्रम में जूरी सदस्य के रूप में फैशन उद्योग के जाने-माने नामों की उपस्थिति थी, जैसे श्री किशन डागा – सीईओ, कॉन्सेप्ट्स एंड स्ट्रैटेजीज एथलीज़र, श्री गौरव मलिक – एवीपी डिज़ाइन, बाटा इंडिया, सुश्री सोनिया जेटली – सीईओ, लाबे सोनिया जेटली, सुश्री तुहिना सिन्हा – क्षेत्रीय प्रमुख, वीएलसीसी और श्री प्रतीक – लेबल "आई एम डिज़ाइन"।

छात्रों द्वारा अभिनव एवं मनोरम विषयों के आधार पर कुल 16 अनुक्रम प्रस्तुत किए गए, जैसे देसी निट्स, पैरिटी, द कैओस थ्योरी, रेड थ्रेड ऑफ फेट, मल्टीवर्स, रिदम ऑफ टाइम, अनुराग, वोलेंट फेम्स, ए नाइट इन जापान, खयाली पुलाव, गुलपोश, एक्वा मेडुसा, सेलेस्टे, नेक्स्ट इन रिवैम्पिंग, नवरस और मोक्ष।

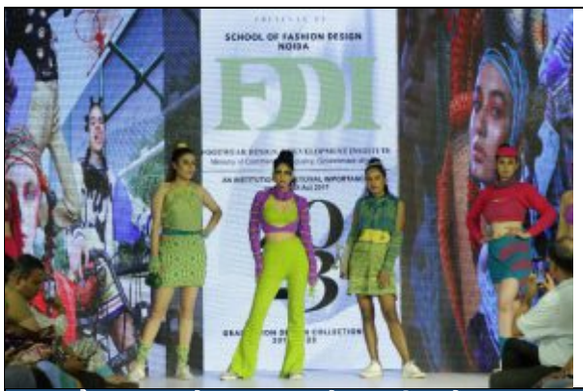

रैंप पर अपने शानदार कलेक्शन दिखाते छात्र

निर्णायक सदस्य

छात्रों ने रैंप पर अपने शानदार संग्रह प्रदर्शित किए, जिसमें समकालीन विचारों के साथ रचनात्मकता को दर्शाते हुए ड्रेप्स और कट्स का सुंदर मिश्रण प्रदर्शित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ डिज़ाइन संग्रह का पुरस्कार 'एक्वा मेडुसा' नामक श्रृंखला को मिला, जबकि सबसे रचनात्मक संग्रह का पुरस्कार 'द कैओस थ्योरी' नामक श्रृंखला को मिला। सबसे नवोन्वेषी संग्रह को 'नेक्स्ट इन रिवैम्पिंग' नामक अनुक्रम द्वारा प्राप्त किया गया।

फैशन शो की कोरियोग्राफी बॉलीवुड के प्रमुख फैशन शो निर्देशक और कोरियोग्राफर श्री कौशिक घोष द्वारा की गई। यह शानदार शो एफडीडीआई के 52 छात्रों के लिए एक बड़ी सफलता एलं एक बड़ा अवसर था क्योंकि उन्होंने न केवल परिधानों को डिजाइन करने में रचनात्मकता दिखाई, बल्कि शो के आयोजन और मॉडलिंग में भी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों के लिए 'ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' में व्यावसायिक एक्सपोजर

एफडीडीआई के अत्यधिक अनुभवी संकाय के मार्गदर्शन में, स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के 2020 बैच के 23 छात्रों के लिए 'ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर', कोलकाता में पेशेवर प्रदर्शन का आयोजन में किया गया था।

व्यवसायिक प्रदर्शन के दौरान, प्रदर्शन के माध्यम से, श्री अशोक रथ, प्रोथेटिस्ट एवं ऑर्थोटिस्ट विशेषज्ञ ने छात्रों को पैर, एड़ी और टखने की कंडीशनिंग के बारे में समझाया जो विशेष रूप से उम्र दराज जनता के लिए प्रमुख स्वास्थ्य की चिंता बन रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जूतों की उचित फिटिंग जरूरी है, जिसे क्लीनिकल जांच के बाद बनाया जा सकता है। उन्होंने पैर के प्रकार, पैर की विकृति तथा विकृत पैर के लिए ऑर्थोसिस के साथ फुटवियर की प्रभावशीलता के बीच संबंधों के बारे में जानकारी दी।

ऑर्थो केयर एंड फुट केयर मैनेजमेंट सेंटर' कोलकाता में छात्र

श्री अशोक रथ, प्रोथेटिस्ट और ओर्थोटिस्ट विशेषज्ञ अनुकूलित जूते बनाने की प्रक्रिया का प्रदर्शन करते हुए

उन्होंने मूल्यांकन से लेकर विनिर्माण तक अनुकूलित जूते बनाने की प्रक्रिया का भी प्रदर्शन किया।

फुट केयर मैनेजमेंट एक्सपोजर ने छात्रों को समकालीन बाजार की आवश्यकता को पूरा करने के लिए फुट निदान, अनुकूलित जूते चयन तथा सिंथेटिक सामग्री और उत्पादों और विपणन के उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया।

एफडीडीआई के संकायों द्वारा संपादित पुस्तक 'स्टडी ऑन फैशन एक्सेसरीज डिजाइन: सस्टेनेबिलिटी आर्ट, क्राफ्ट एंड डिजाइन' का विमोचन

'स्टडी ऑन फैशन एक्सेसरीज डिज़ाइन: सस्टेनेबिलिटी आर्ट, क्राफ्ट एंड डिज़ाइन' नामक एक पुस्तक, जिसे एफडीडीआई के संकायों द्वारा संपादित किया गया है, एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर में 13 अप्रैल 2023 को डॉ. वाईएसआर आर्किटेक्चर एंड फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी के माननीय कुलपति डॉ. विजया किशोर द्वारा विमोचन किया गया था।

मुख्य अतिथि: डॉ. डी. विजय किशोर, पूर्व ओएसडी और कार्यवाहक कुलपति, डॉ. वाईएसआर आर्किटेक्चर एंड फाइन आर्ट्स यूनिवर्सिटी ने पुस्तक का विमोचन करते हुए

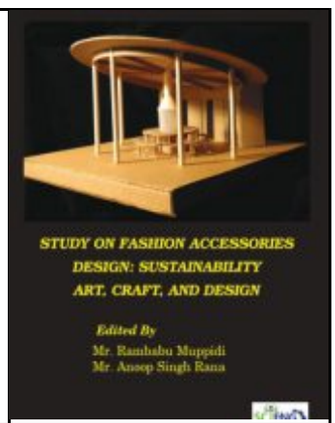

पुस्तक का आवरण पृष्ठ

स्कूल ऑफ फुटवियर डिजाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी), और स्कूल ऑफ लेदर एंड लाइफस्टाइल प्रोडक्ट डिज़ाइन (एलएलपीडी) के संकायों और छात्रों ने आईएसबीएन: 978-93-94766-28-0; वाली इस पुस्तक के विभिन्न

अध्यायों में योगदान दिया है, जिसका संपादन एफडीडीआई के संकाय श्री रामबाबू मुप्पिडी और श्री अनूप सिंह राणा द्वारा किया गया है।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों ने एएनएम लेदर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और चाइना टेनरी का दौरा किया

13 अप्रैल 2023 को, औद्योगिक दौरे के तहत, एफडीडीआई, कोलकाता के स्कूल ऑफ फुटवियर डिज़ाइन एंड प्रोडक्शन (एफडीपी) के फाउंडेशन बैच -2022 के छात्रों को कोलकाता लेदर कॉम्प्लेक्स, कोलकाता में स्थित एएनएम लेदर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और चाइना टेनरी का दौरा कराया गया।

दोनों चमड़े के कारखाने 30 साल पुरानी चमड़ा निर्माण कंपनी हैं तथा घरेलू एवं निर्यात बाजार के लिए विभिन्न प्रकार के चमड़े का उत्पादन करते हैं। उनके पास कच्चे से लेकर फिनिशिंग चमड़े तक के निर्माण के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं।

एफडीडीआई के संकाय की देखरेख एवं मार्गदर्शन में, एफडीडीआई के छात्रों को कच्चे से लेकर परिष्करण तक टेनरियों की विभिन्न प्रक्रियाओं के बारे में बताया गया, जहां उन्हें एएनएम लेदर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के तकनीकी विशेषज्ञ श्री मलिक और चीन टेनरी के तकनीकी विशेषज्ञ श्री सुभाष अधिकारी द्वारा विभिन्न तकनीकी प्रक्रियाओं के बारे में समझाया गया।

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर का टेनरी दौरा का एक दृश्य

छात्रों ने टैनिंग प्रक्रिया देखी जहां चमड़े को बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के चमड़े की फिनिशिग, विभिन्न प्रकार के रसायनों, मशीनरी और तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जिसे वैश्विक बाजार के लिए एक उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

एफडीडीआई, कोलकाता के छात्रों को निफ्ट स्पेक्ट्रम 2023 के दौरान सम्मानित किया गया

एफडीडीआई, कोलकाता परिसर ने वार्षिक उत्सव 'स्पेक्ट्रम 2023' में भाग लिया, जिसका आयोजन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), कोलकाता द्वारा किया गया था।

कोलकाता के साल्ट लेक सिटी में स्थित निफ्ट परिसर में 2 तथा 3 अप्रैल 2023 को आयोजित दो दिवसीय वार्षिक उत्सव में विभिन्न प्रतिस्पर्धी खेल, पाठ्येतर और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

निफ्ट स्पेक्ट्रम 2023 का विषय 'बैक टू फ्यूचर' था, जिसके दौरान निफ्ट, एफडीडीआई तथा भारत भर के अन्य संस्थानों के छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया। प्रतिभागी विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक थे और उनमें ऊर्जा का संचार हो रहा था।

स्पेक्ट्रम 2023 में एफडीडीआई, कोलकाता के छात्र

पुरस्कार वितरण समारोह का एक दृश्य

एफडीडीआई-कोलकाता का प्रदर्शन, इस आयोजन के मुख्य आकर्षण में से एक था। एफडीडीआई के छात्रों ने कार्यक्रमों के हर पहलू में सराहनीय प्रदर्शन किया।

एफडीडीआई के जिन छात्रों ने कार्यक्रमों में पुरस्कार जीते, उनमें सुश्री स्मृति दास और सुश्री सुरभि आनंद (एफडी-20) ने फेस पेंटिंग में प्रथम पुरस्कार जीता, सुश्री श्रुति (एफडी -20) ने एकल गायन में द्वितीय पुरस्कार जीता और श्री ऋतविशा (एफडी-23) ने सोलो डांस में द्वितीय पुरस्कार हासिल किया।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं लेखा परीक्षक की धारा 19(2) के तहत 31 मार्च 2024 तक फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट(एफडीडीआई) की संलग्न तुलन पत्र एवं उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा प्राप्तियां एवं भुगतान खातों का लेखा परीक्षण किया है। सामान्य(कर्तव्य, शक्तियां एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट ,अधिनियम, 2017 की धारा 23(2) के साथ पढ़ा जाता है। पूरे भारत में एफडीडीआई के कुल 12 परिसर हैं। सभी 12 परिसर (पटना, कोलकाता, जोधपुर, अंकलेश्वर, गुना, छिंदवाड़ा, नोएडा, फुर्सतगंज, रोहतक, चंडीगढ़, हैदराबाद और चेन्नई) अपने वित्तीय विवरण स्वयं तैयार करते हैं जिन्हें एफडीडीआई, नोएडा द्वारा समेकित किया जाता है। हमारे लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करना हमारी जिम्मेदारी है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण , सर्वोत्तम लेखा प्रथाओं , लेखा मानकों एवं प्रकटीकरण मानदंडों आदि के अनुरूप लेखांकन उपचार पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां शामिल हैं। कानून ,नियमों और विनियमों (उपयुक्तता एवं नियमितता) तथा दक्षता के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेन-देन पर लेखापरीक्षा टिप्पणियां ,यदि कोई हो ,निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के माध्यम से अलग से सूचित की जाती है।

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जाने वाले लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा किया है। इन मानकों के लिए आवश्यक है कि हम इस बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए योजना बनाएं तथा लेखापरीक्षा करें कि क्या वित्तीय विवरण भौतिक गलत विवरणों से मुक्त हैं या नहीं एक लेखापरीक्षा में परीक्षण के आधार पर, वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित राशि एवं प्रकटीकरण का समर्थन करने वाले साक्ष्य की जांच करना शामिल है।लेखापरीक्षा में प्रबंधन द्वारा उपयोग किए गए लेखांकन सिद्धांतों एवं महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन करने के साथ-साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करना भी शामिल है। हमारा मानना है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारी राय के लिए एक उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि:

(i) हमने सभी जानकारी एवं स्पष्टीकरण प्राप्त किए हैं, जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के लिए, हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य हेतु आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट से संबंधित तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय खाता-प्राप्तियां एवं भुगतान खाता वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप में तैयार किया गया है।

(iii) हमारे मतानुसार, एफडीडीआई, नोएडा द्वारा खातों की उचित बहियों अन्य प्रासंगिक अभिलेखों का रखरखाव किया गया है, ऐसा बहियों की हमारी परीक्षा से प्रदर्शित होता है।

(iv) हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि :

क. तुलन पत्र

क.1 वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान (अनुसूची-7): ₹58.48 करोड़

प्रशासनिक व्यय (अनुसूची-21): ₹32.54 करोड़

उपरोक्त धनराशि में नोएडा प्राधिकरण की 31 मार्च 2024 तक ब्याज के साथ आवंटित भूमि के पट्टे के किराए के लिए 2.45 करोड़ रुपये की बकाया धनराशि की मांग शामिल नहीं है। एफडीडीआई को (जनवरी 2024) को 31 दिसंबर 2023 तक की अवधि के लिए पट्टा किराया /ब्याज के लिए ₹12.45 करोड़ का मांग नोटिस प्राप्त हुआ। एफडीडीआई को पिछले वर्षों में भी इसी प्रकार के नोटिस प्राप्त हुए थे। एफडीडीआई ने नोएडा प्राधिकरण से (फरवरी 2021, फरवरी 2022 और मई 2024) को इस दलील पर ब्याज राशि माफ करने का अनुरोध किया कि उसके पास बकाया राशि का भुगतान करने के लिए अधिशेष धन नहीं है। हालांकि, प्राधिकरण ने एफडीडीआई के अनुरोध (मार्च 2022 एवं जुलाई 2022) को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पट्टा अनुबंध के नियमों एवं शर्तों के अनुसार एफडीडीआई द्वारा पट्टा किराया और ब्याज देय था तथा छूट का कोई प्रावधान नहीं था। इसके बावजूद, बकाया मांग 31 मार्च 2024 को बही खातों में दर्ज नहीं की गई थी और इसका खुलासा केवल आकस्मिक देयता के रूप में किया गया था।

नोएडा प्राधिकरण की बकाया मांग का प्रावधान न करने के परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों एवं प्रावधानों को कम बताया गया, अन्य प्रशासनिक खर्चों को कम दर्ज किया गया, इसके परिणामस्वरूप आय की तुलना में घाटा ₹12.45 करोड़ रुपये कम दर्शाया गया।

इस मुद्दे को वर्ष 2022-23 के खातों पर पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में भी उठाया गया था। तथापि, प्रबंधन द्वारा कोई सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

क.2 संपत्ति, ऋण, अग्रिम, आदि (अनुसूची-11): ₹49.58 करोड़

अन्य संपत्तियां: छात्र शुल्क प्राप्तियां: ₹8.38 करोड़

उपर्युक्त में एफडीडीआई छोड़ने वाले छात्रों की, तीन वर्ष से अधिक समय से वसूली के लिए लंबित ₹86.34 लाख रुपए की फीस शामिल है। चूंकि प्राप्य राशि तीन वर्ष से अधिक समय से बकाया है और प्राप्य शुल्क की

वसूली की संभावना बहुत कम थी, इसलिए आवश्यक प्रावधान किया जाना चाहिए था। एफडीडीआई ने संदिग्ध वसूली के प्रावधान के संबंध में किसी लेखांकन नीति का भी खुलासा नहीं किया है।

इसके परिणामस्वरूप चालू परिसंपत्तियों को अधिक दर्शाया गया और प्रावधानों को कम बताया गया, साथ ही घाटा भी ₹86.34 लाख से कम दर्शाया गया।

क.3 वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान (अनुसूची-7): ₹58.48 करोड़

(क) उपरोक्त में 2023-24 के दौरान एफडीडीआई, हैदराबाद परिसर द्वारा उपयोग की गई सेवाओं एवं किए गए खर्चों के लिए देय राशि ₹50.22 लाख शामिल नहीं है। इसकी लेखा बहियों में ₹50.22 लाख रुपए की बकाया देयता का कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

इसके परिणामस्वरूप चालू देयताओं का कम विवरण, व्यय का कम विवरण एवं परिणामी घाटे का ₹50.22 लाख रुपए कम दर्शाया गया है।

(ख) उपर्युक्त में ₹3.92 करोड़ रुपए का छात्र विकास शुल्क शामिल है जिसे छात्रों के लिए निधि शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है। एफडीडीआई के वित्त एवं लेखा मैनुअल के प्रावधानों के अनुसार छात्र विकास शुल्क प्रत्यक्ष आय का एक भाग है।अतः छात्र विकास शुल्क के मद में प्राप्त राशि को चालू दायित्वों के अंतर्गत दिखाने के स्थान पर आय के रूप में लिया जाना चाहिए था।

इसके परिणामस्वरूप शुल्क/सदस्यता को कम विवरण, वर्तमान देनदारियों को अधिक और वर्ष 2023- 24 के लिए घाटे को ₹3.92 करोड़ से अधिक दर्शाया गया।

(ग) उपर्युक्त में एफडीडीआई, कोलकाता परिसर द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए वर्ष 2017-18 में पश्चिम बंगाल अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति विकास वित्त निगम लिमिटेड से प्राप्त ₹15.00 लाख रुपए शामिल हैं। चूंकि राशि विधिवत खर्च की जा चुकी थी, इसलिए उसे चालू देयताओं के तहत दिखाने के बजाय आय एवं व्यय खाते में समायोजित किया जाना चाहिए था। परिणामस्वरूप चालू देनदारियों का अधिक विवरण और आय का कम विवरण उसी हद तक हुआ है। नतीजतन, घाटा भी उसी राशि से अधिक दर्शाया गया है।

ख. आकस्मिक देनदारियां (अनुसूची-25)

उपर्युक्त अनुसूची में मुख्यालय-नोएडा और एफडीडीआई की अन्य शाखाओं/परिसरों से संबंधित मुकदमेबाजी के मामले शामिल नहीं हैं, जो विभिन्न न्यायालयों में लंबित थे।

लेखापरीक्षा ने पाया कि कुल 15 अदालती मामले (नोएडा-5, फुरसतगंज-3, रोहतक-1, बनूर-2, जोधपुर-4) लंबित थे। एफडीडीआई को खातों के समान प्रारूप के अनुसार आकस्मिक देनदारियों के तहत सभी कानूनी मामलों का खुलासा करना चाहिए था। इसके अतिरिक्त, एक मामले में एफडीडीआई के विरुद्ध मुकदमा दायर करने की तारीख से इसकी प्राप्ति तक 18 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से वादकालीन एवं भावी ब्याज सहित ₹2,13,683 रुपए का वसूली मुकदमा दायर किया गया था। इसका खुलासा भी खातों में नहीं किया गया।

ग. सामान्य

अनुसूची-24 के पैरा 5 (बी) में, यह खुलासा किया गया था कि 7 परिसरों (चेन्नई, कोलकाता, रोहतक, जोधपुर, हैदराबाद, पटना और बनूर) की भूमि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा मुफ्त में आवंटित की गई थी और इसे प्रत्येक ₹ 1/- के नाममात्र मूल्य पर लेखा बहियों में दिखाया गया था। तथापि, अन्य 5 परिसरों की भूमि का ब्यौरा लेखा बहियों में प्रकट नहीं किया गया था। इसके अलावा, अचल संपत्तियों से संबंधित अनुसूची 8 (8 ए और 8 बी) में, सभी भवनों को पूर्णस्वामित्व भूमि पर दिखाया गया था जो गलत है क्योंकि 8 परिसरों की भूमि पट्टे पर है। अनुसूची 8 में प्रकटीकरण उस सीमा तक त्रुटिपूर्ण है।

रोहतक परिसर के संबंध में, हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड ने (अप्रैल 2009) पांच साल की प्रारंभिक अवधि (19 जनवरी 2009 से प्रभावी) के लिए भूमि पट्टे के आधार पर 15 एकड़ भूमि आवंटित की थी। पांच साल की प्रारंभिक अवधि की समाप्ति पर, पट्टे को 25 साल की और अवधि के लिए नवीकरणीय किया गया था यदि एफडीडीआई ने प्रारंभिक पांच साल की अवधि के भीतर उक्त भूमि पर फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट की पूर्ण रूप से स्थापना कर ली गई थी। भूमि के लिए वार्षिक पट्टा किराया ₹100 प्रति वर्ष प्रति एकड़ था। शुरुआती पांच साल की अवधि वर्ष 2014 में समाप्त हो गई थी। हालांकि, आगे 25 वर्षों के लिए किराया समझौते का नवीनीकरण अब तक पूरा नहीं हुआ था। इसलिए, रोहतक परिसर द्वारा ₹15,000 (15 एकड़ * 100 * 10 वर्ष) के पट्टे के किराए का प्रावधान दर्ज किया जाना चाहिए।

घ. सहायता अनुदान

एफडीडीआई के पास 1 अप्रैल 2023 तक ₹4.73 करोड़ की अनुदान राशि का प्रारंभिक शेष था और इसे वर्ष 2023-24 के दौरान भारत सरकार से विभिन्न शीर्षों (गैर-चमड़ा परियोजना: ₹18.10 करोड़, नोएडा प्रयोगशाला भवन: ₹8.27 करोड़ और बन्नूर महिला छात्रावास: ₹4.75 करोड़) के तहत ₹31.12 करोड़ का अनुदान प्राप्त हुआ। कुल अनुदान में से, एफडीडीआई ने 21.74 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया। 31 मार्च 2024 को अनुदान का समापन शेष ₹14.11 करोड़ था।

इसके अलावा, एफडीडीआई ने वर्ष के दौरान अनुदान पर ₹0.058 करोड़ रुपये का ब्याज अर्जित किया और

₹0.145 करोड़ रुपये का ब्याज वापस किया।

ड़. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थान के प्रबंधन के संज्ञान में लाया गया है।

(v) पिछले अनुच्छेद में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल तुलन-पत्र, आय एवं व्यय खाता/प्राप्तियां और भुगतान खाता, बहीखातों के अनुरूप हैं।

(vi) हमारे मतानुसार, हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त वित्तीय विवरण लेखांकन नीतियों एवं खातों पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जाते हैं, और ऊपर बताए गए महत्वपूर्ण मामलों तथा उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन होते हैं। इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में, भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सच्चा एवं निष्पक्ष दृष्टिकोण दिया गया है:

a) जहां तक यह 31 मार्च 2024 तक एफडीडीआई के मामलों की स्थिति की तुलन-पत्र से संबंधित है; और

b) जहाँ तक इसका संबंध उस तिथि को समाप्त वर्ष के घाटे के आय और व्यय खाते से है।

भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के पक्ष से
(एस अहल्लादिनीपांडा)

Place: New Delhi
Dated: 19 DEC 2024

लेखा परीक्षा महानिदेशक
उद्योग और कॉर्पोरेट मामले

पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

आंतरिक लेखा परीक्षा चार्टर्ड एकाउंटेंट की फर्म अर्थात् आरएसएम &एसोसिएट्स द्वारा किया जा रहा था और इसने सभी परिसरों के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 तक आंतरिक लेखा परीक्षा पूरा कर लिया गया था।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आंतरिक नियंत्रण प्रणाली अपर्याप्त थी और नीचे उल्लिखित कारणों से एफडीडीआई के कार्यकलापों के आकार एवं प्रकृति के अनुरूप नहीं थी:

a) विविध लेनदारों में ₹1,176.22 लाख रुपये की शेष राशि शामिल है, जिसमें से ₹35.73 लाख रुपये तीन साल से अधिक समय से बकाया लेनदारों से संबंधित हैं और ₹11.99 लाख रुपये की राशि विविध लेनदारों से संबंधित है जो एक से तीन साल के लिए बकाया है। प्रबंधन द्वारा प्रदान किए गए ₹1,176.22 लाख के परिसर- वार लेनदारों की कुल राशि (एमएस-एक्सेल में समय-वार लेनदार) भी वार्षिक खातों में दिखाई गई राशि यानी ₹1,177.68 लाख (अनुसूची -7 के अनुसार) से मेल नहीं खा रही थी।

इसके अलावा, ₹152.51 लाख के विविध देनदारों की शेष राशि की पुष्टि, जो तीन साल से अधिक समय से लंबित थी, अभिलेखों में नहीं पाई गई।

b) व्यय नियंत्रण रजिस्टर, छात्रावास शुल्क के लिए अलग खाता-बही, अग्रिम रजिस्टर, टीए एवं एलटीसी बिल रजिस्टर, चिकित्सा दावा व्यय रजिस्टर, निवेश रजिस्टर और अनुबंधों के रजिस्टरों के रखरखाव में एकरूपता नहीं थी।

c) कर्मचारी अग्रदाय के तहत दर्शाई गई ₹30,000 एवं ₹4,000 की राशि क्रमशः 2015 और 2011 से दो पूर्व कर्मचारियों से वसूल नहीं की गई है।

d) एफडीडीआई, नोएडा परिसर ने वर्ष 2023- 24 के दौरान कानूनी एवं व्यावसायिक शुल्क के लिए ₹27.42 लाख का व्यय किया। हालांकि, 1 अप्रैल 2023 से 29 फरवरी 2024 तक की अवधि के लिए कानूनी सलाहकारों के पैनलबद्ध पत्र अभिलेखों पर उपलब्ध नहीं थे।

3. अचल संपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

चेन्नई परिसर को छोड़कर सभी परिसरों के लिए अचल संपत्तियों का भौतिक सत्यापन पूरा कर लिया गया था। संपत्ति रजिस्टरों में प्रत्येक परिसंपत्ति (कार्यशील एवं गैर-कार्यशील परिसंपत्तियां) के मूल्य का प्रकटीकरण नहीं किया गया था।

4. वस्तु-सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

प्रबंधन द्वारा चेन्नई परिसर को छोड़कर सभी परिसरों के वस्तु-सूची का वास्तविक सत्यापन पूरा कर लिया गया था।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान में नियमितता

संस्थान वर्ष2023 -24 के दौरान सांविधिक देय राशि के भुगतान को नियमित रूप से कर रहा था।

19/12/24

Director (AMG-III)

वित्तीय रिपोर्ट

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
समकेतिक तुल–पत्र
31 मार्च, 2024 तक

(रकम रुपये में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
कोष, पूँजीगत निधि एवं देनदारिगां			
कोष/पूँजीगत निधि	1	35,67,49,982	39,91,58,099
आरक्षित और अधिशेष राशि	2	-	-
निर्धारित एवं अक्षयनिधि	3	5,23,41,11,855	5,59,44,86,512
प्रतिभूति ऋण एवं कर्ज	4	-	-
अप्रतिभूति ऋण एवं कर्ज	5	-	-
स्थगित ऋण देयताएं	6	-	-
वर्तमान देयताएं और प्रावधन	7	58,48,08,924	51,73,60,694
कुल		**6,17,56,70,762**	**6,51,13,05,305**
संपति			
अचल संपति	8	5,33,80,48,540	5,68,02,41,295
निवेश-निर्धारित एवं अक्षयनिधि से	9	-	-
निवेश-अन्य	10	34,17,83,780	36,55,77,006
वर्तमान संपति, ऋण, अग्रिम आदि	11	49,58,38,442	46,54,87,003
विविध व्यय (उस सीमा तक बट्टे खाते में या समायोजित नही किया गया है।)			
कुल		**6,17,56,70,762**	**6,51,13,05,305**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24	
आकस्मिक देयताएं एवं खातों पर टिप्पणियां	25	

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

डॉ सुमित कुमार जारंगल, भा.प्र.से.	**कर्नल पंकज कुमार सिन्हा**	**सुनील बिष्ट**
प्रबंध निदेशक	**सचिव**	**प्रबंधक(लेखा एवं वित**

स्थान:नोएडा

दिनांक:14.08.2024

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
समेकित आय एवं व्यय खाता
31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

(रकम रु. में)

विवरण	अनुसूची	31.03.2024	31.03.2023
आय			
बिक्री/सेवाओं से आय	12	9,29,66,613	5,50,80,910
अनुदान/सब्सिडी	13	65,85,98,074	69,46,32,363
शुल्क/सदस्यता	14	46,91,54,026	49,17,03,003
निवेश से आय (निवेश पर आय, निर्धारित निधि से बंदोबस्त निधि में हस्तांतरित धनराशि)	15	93,00,890	65,38,028
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	2,75,19,005	3,34,91,544
अन्य आय	18	2,56,16,259	2,30,70,887
स्टॉक में (वृद्धि/(कमी)	19	-9,19,125	-14,81,335
कुल (क)		**1,28,22,35,742**	**1,30,30,35,400**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	31,06,60,379	26,86,55,843
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	32,54,24,729	45,19,90,347
अनुदानों, सब्सिडी आदि पर व्यय	22	65,85,98,074	69,36,29,120
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन	8A	3,02,73,836	2,24,41,903
कुल (ख)		**1,32,49,57,018**	**1,43,67,17,214**
पूर्व अवधि के खर्च		-	
शेष व्यय की तुलना में आय से अधिक होना (क-ख)		(4,27,21,276)	(13,36,81,814)
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें			
जनरल रिजर्व से / में स्थानांतरण		-	-
शेष अधिशेष/(घाटा) होने के कारण संचित/पूंजीगत निधि में से जाया गया		**-4,27,21,276**	**-13,36,81,814**
महत्वपूर्ण लेखा नीतियां	24		
आकस्मिक देनदारियां और खातों पर टिप्पणियां	25		

द्वारा फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

डॉ सुमित कुमार जारंगल, भा.प्र.से.	कर्नल पंकज कुमार सिन्हा	सुनील बिष्ट
प्रबंध निदेशक	सचिव	प्रबंधक (लेखा एवं वित)

स्थान: नोएडा

दिनांक: 14-08-2024

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

प्राप्तियां एवं भुगतान का समेकित विवरण

31 मार्च, 2024 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

(रकम रु. में)

प्राप्तियां	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक	भुगतान	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
I) प्रारंभिक शेष			I) व्यय		
अ) हाथ में नकदी	1,50,231	93,527	क) स्थापना व्यय (अनुसूची 20 के अनुरूप)	16,56,35,920	17,20,74,222
ब) बैंक में शेष			ख) प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21 के अनुरूप)	19,34,32,935	23,96,80,489
i) चालू खातों में	2,21,59,179	1,51,93,409	II) विभिन्न परियोजनाओं के लिए धन के सापेक्ष किए गए भुगतान		
ii) जमा/बचत खातों में	19,55,60,388	1,04,95,64,070	क) पीएलएसडीपी		-
iii) सावधि जमा मूल्य बैंक बैलेंस से बाहर रखा गया	4,00,00,000	-	ख) आईडीएलएस		
II) प्राप्त अनुदान/निधियां			ग) अन्य	18,11,11,167	1,30,56,634
क) भारत सरकार से					
ख) पूंजीगत व्यय			III) किए गए निवेश एवं जमा		
ग)पीएलएसडीपी			क) निर्धारित निधि में से/बंदोबस्ती निधि		
घ) आईडीएस			ख) स्वयं की निधि से (निवेश-अन्य)	33,81,26,322	25,000
ङ) अन्य-अनुदान	31,12,25,660	1,21,02,013	ग) ग्रेच्युटी कोष में निवेश	34,80,627	33,64,240
(ख) राज्य सरकार से			IV) अचल संपत्तियों एवं पूंजीगत कार्य-प्रगति पर व्यय		
ग) अन्य स्रोतों से (विवरण) (पूंजी और राजस्व व्यय के लिए अनुदान) उसे अलग से दिखाया गया)			क) अचल संपत्तियों की खरीद	33,99,820	2,89,45,157
III) निवेश से आय			ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय		-
क) निर्धारित/बंदोबस्त राशि		4,91,987	(v) अधिशेष धन/ऋण की वापसी		
(ख) स्वयं की निधियां (अन्य) निवेश)	1,49,21,487	-	क) भारत सरकार को। *	-	1,07,16,216
IV) प्राप्त ब्याज			(ख) राज्य सरकार को		
क) सरकारी अनुदान पर ब्याज	5,86,646				
ख) बैंक में जमा पर	1,03,96,460	1,29,90,414	ग) सहयोगी के अन्य प्रदाताओं के लिए	14,49,439	-
ग) ऋण, अग्रिम आदि।	43,87,227	9,44,186	VI) वित्त प्रभार (ब्याज)	9,541	21,024
v) अन्य आय (निर्दिष्ट करें)			VII) अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)		
क) छात्र शुल्क	43,82,74,044	36,27,35,424	क) शाखाओं के साथ लेनदेन	26,85,46,281	9,90,86,879
ख) तैब परीक्षण शुल्क	9,46,29,837	1,40,78,986	ख) अन्य भुगतान	40,02,60,340	1,26,18,80,550
ग) आय	78,72,118	1,73,38,998	ग) कर्मचारी को अग्रिम	2,29,89,755	1,96,26,240
			घ) छात्र शुल्क की वापसी	50,43,895	1,97,97,798
VI) उधार ली गई राशि		-	VIII) अंतिम शेष		
VII) कोई अन्य प्राप्तियां (विवरण दें			क) हाथ में नकदी	1,25,820	1,50,231
क) वर्ष के दौरान परिपक्व निवेश	37,21,58,180	19,16,35,412	ख) बैंक बैलेंस		
ख) अन्य प्राप्तियां	8,18,33,768	24,98,23,810	i) चालू खातों में	1,82,83,071	2,21,59,180
ग) शाखा के साथ लेनदेन	27,32,53,391	19,70,20,084	ii) जमा/बचत खातों में	26,71,20,807	23,55,60,387
घ) छात्र सुरक्षा	16,07,124	21,31,928			
कुल	1,86,90,15,739	2,12,61,44,247	कुल	1,86,90,15,739	2,12,61,44,248

द्वारा फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

-1

डॉ सुमित कुमार जारंगल, भा.प्र.से.
प्रबंध निदेशक

कर्नल पकज कुमार सिन्हा
सचिव

सुनील बिष्ट
प्रबंधक (लेखा एवं वित्त)

स्थान: नोएडा
दिनांक: 14-08-2024

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

31 मार्च, 2024 तक तुलन पत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां

(रकम रु. में)

अनुसूची 1 - संचित एवं पूँजीनिधि :	31.03.2024 तक		31.03.2023 तक	
वर्ष के आरंभ में शेषधनराशि	39,94,58,099		53,31,39,912	
जोड: कोष में योगदान/पूँजीनिधि का समायोजन				
जोड: पूँजीगत समायोजन	13,159			
जोड : सामान्य आरक्षित से हस्तांतरित				
जोड/ (कटौती) :आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय/(व्यय) का शेष	-4,27,21,276	35,67,49,982	-13,36,81,813	39,94,58,099
वर्ष के अंत में शेष राशि		35,67,49,982	-	39,94,58,099

अनुसूची 2 - आरक्षित निधि एवं अधिशेष :	31.03.2024 तक		31.03.2023 तक	
1 .आरक्षित पूँजी :				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कमी : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
2. आरक्षित पुनर्मूल्यांकन:				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
कमी : वर्ष के दौरान कटौती	-	-		-
3. विशेष आरक्षित :				
पिछले खाते के अनुसार				
वर्ष के दौरान वृद्धि				
कमी : वर्ष के दौरान कटौती		-		-
4. सामान्य आरक्षित :				
पिछले खाते के अनुसार	-			
वर्ष के दौरान वृद्धि	-			
जोड : सामान्य आरक्षित में हस्तांतरित			-	
कमी : कोष एवं पूँजी निधि में हस्तांतरित	-			
कमी : वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
कुल		-		-

अनुसूची 3 -निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधि	निधिवार ब्यौरा			निधिवार ब्यौरा	
	पूँजीगत अनुदान	पीएलएसडीपी	आईडीएलएस	31.03.2024	31.03.2023
क)निधि का प्रारंभिक शेष	5,34,35,73,247	24,99,82,736	157	5,59,35,56,140	6,30,79,58,456
जोड: बही समायोजनों (लेखा की बही के अनुसार)				9,30,372	9,30,372
				5,59,44,86,512	**6,30,88,88,828**
ख) निधि में वृद्धि	31,12,25,660			31,12,25,660	
i) दान/अनुदान					
ii) निधियों के खाते में किए गए निवेश से आय	5,86,646			5,86,646	1,15,79,009
iii) अन्य वृद्धि (पिछले वर्ष में अधिशेष को बट्टे खाते में डालना)					
कुल (क+ख)	**5,65,53,85,553**	**24,99,82,736**	**157**	5,90,62,98,818	**6,32,04,67,837**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय					
i) पूँजीगत व्यय अचल संपत्तियां					
अचल संपत्ति एवं मूल्यह्रास	63,78,20,037	2,07,78,037	-	65,85,98,074	72,59,81,325
अन्य					
ii) राजस्व व्यय					
वेतन, मजदूरी और भते आदि और अन्य गैर पूंजीगत व्यय	1,21,39,450	-	-	1,21,39,450	-
किराया					
अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-		
अनुदान पर ब्याज की वापसी	14,49,439	-	-	14,49,439	
कुल (ग)	**65,14,08,926**	**2,07,78,037**	-	67,21,86,963	**72,59,81,325**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)	**5,00,39,76,627**	**22,92,04,699**	157	**5,23,41,11,855**	**5,59,44,86,512**

अनुसूची 4 - सुरक्षित ऋण एवं उधार राशि:	31.03.2024 तक		31.03.2023 तक	
1. केन्द्र सरकार		-		-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-		-
3. वित्तीय संस्थागत				
क) सावधि ऋण	-		-	
ख) अर्जित ब्याज एवं देय	-		-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण	-			
अर्जित ब्याज एवं देय	-		-	
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-			
अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां		-		-
6. ऋणपत्र एवं अनुबंध		-		-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)		-		-
कुल		-		-

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार राशि	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
1. केन्द्र सरकार		-
2. राज्य सरकार (निर्दिष्ट करें)		-
3. वित्तीय संस्थान		-
4. बैंक:		-
क) सावधि ऋण		-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)		-
5. अन्य संस्थान एंव एजेंसियां		-
6. ऋणपत्र एवं अनुबंध		-
7. मियादी जमा		-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)		-
कुल	-	-

अनुसूची 6 - स्थगित ऋण देनदारियां:	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
क) पूँजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों के द्वारा सुरक्षित स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 7 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान क. वर्तमान देनदारियां	31.03.2024 तक		31.03.2023 तक	
1. स्वीकृतियां				-
2. विविध लेनदार:				
क) सामग्री हेतु	41,27,285		87,979	
ख) अन्य	11,36,41,495	11,77,68,780	7,06,89,014	7,07,76,993
ग) कार्मिकों			55,536	
घ) शाखा			-	55,536
3. अग्रिम प्राप्तियां				
क) अग्रिम प्रशिक्षण शुल्क	6,87,32,798		7,02,95,909	
ख) देनदारों से अग्रिम	46,14,312	7,33,47,110	36,93,873	7,39,89,782
4. अर्जित ब्याज लेकिन देय नही:				
क) सुरक्षित ऋण /उधारियां				
ख) असुरक्षित ऋण /उधारियां		-		-
5. सांवधिक देयताएं:				
क) अतिदेय	-		-	
ख) अन्य	88,83,762	88,83,762	51,67,758	51,67,758
6. अन्य वर्तमान देयताएं				
क) सुरक्षा जमा (छात्र)	4,41,98,134		5,16,54,218	
ख) सुरक्षा जमा (ईएमडी)	3,53,29,934		3,07,86,026	
ग) एचआडी मिशन वृत्ति				
घ) बीमा दावा/ छात्रवृत्ति	5,49,401		5,49,401	
ड) छात्रों के लिए निधि	3,92,50,406		3,54,69,334	
च) अंतर्राष्ट्रीय सडलरी तकनीकी एवं निर्यात प्रबंधन संस्थान	54,89,242		54,89,242	
छ) मृत्यू राहत कोष	6,13,000		3,14,000	
ज) प्राप्य छात्र शुल्क	62,64,880		36,39,039	
झ) छात्रावास & मेस प्रतिभूतियां			6,34,600	
ण) अतिरिक्त शुल्क वापसी योग्य			7,00,997	
ट) अन्य	7,24,31,872	20,41,26,869	7,54,31,719	20,46,68,575
कुल (क)		**40,41,26,521**		**35,46,58,644**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु		-25		68,587
2. ग्रेच्युटी		8,05,68,694		7,69,05,502
3. सेवानिवृति/पेंशन		-		-
4. संचित अवकाश नगदीकरण		6,71,42,179		5,81,43,082
5. ईपीएफओ के देर से भुगतान पर हर्जाना और ब्याज शुल्क		1,43,00,000		1,43,00,000
6. अन्य - खर्चों के लिए प्रावधान		1,86,71,556		1,32,84,878
कुल (ख)		**18,06,82,404**		**16,27,02,049**
कुल (क+ख)		**58,48,08,924**		**51,73,60,695**

अनुसूची 8क - अचल संपत्ति (स्वयं की निधि से)

विवरण		सकल संपत्तियां					मूल्यह्रास				शुद्ध सकल संपत्तियां	
क- अचल संपत्ति	मूल्यह्रास दर	01.04.2023 को लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान 180 दिनों से अधिक की वृद्धि	वर्ष के दौरान 180 दिनों से कम वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	31.03.2024 को लागत/मूल्यांकन	01.04.2023	वर्ष के दौरान वृद्धि पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	31.03.2024	डब्लूडी वी 31.03.2024 को	डब्लूडी वी 31.03.2023 को
1. भूमि		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्णस्वामित्व भूमि (सरकारी अनुदान)		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टा भूमि पर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन:		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) स्वामित्वभूमि पर	10%	15,21,07,648	-	-	-	15,21,07,648	8,50,29,253	67,07,839	-	9,17,37,092	6,03,70,556	6,70,78,395
ख) पट्टा भूमिपर		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर		-	-	77,891	-	77,891	-	3,895	-	3,895	73,996	-
घ) इकाई से संबंधित न होने वाली भूमि पर अधिरचना		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ङ) भवन नोएडा	10%	1,15,85,187	-	-	-	1,15,85,187	5,79,259	11,00,593	-	16,79,852	99,05,335	1,10,05,928
च) गेट नंबर 1 सुरक्षा	10%	6,61,667	-	-	-	6,61,667	33,083	62,858	-	95,941	5,65,726	6,28,584
छ) स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नोएडा	10%	64,44,604	-	-	-	64,44,604	3,22,230	6,12,237	-	9,34,467	55,10,137	61,22,374
ज) चार दिवारी नोएडा	10%	1,01,09,650	-	-	-	1,01,09,650	5,05,482	9,60,417	-	14,65,899	86,43,751	96,04,168
झ) अंडर ग्राउंड टैंक नोएडा	10%	16,11,534	-	-	-	16,11,534	80,578	1,53,096	-	2,33,674	13,77,860	15,30,956
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	15%	15,80,79,263	41,34,326	38,43,142	99,608	16,59,57,123	12,86,12,918	53,65,454	-	13,39,78,372	3,19,78,751	3,55,38,793
4. वाहन		2,53,712	-	-	-	2,53,712	1,77,087	11,494	-	1,88,581	65,131	76,625
5. फर्नीचर, फिक्सचर	10%	3,44,26,999	7,21,661	3,29,774	-	3,54,78,434	2,23,21,006	12,91,972	-	2,36,12,978	1,18,65,457	1,21,50,303
6. कार्यालय उपकरण		7,93,433	-	-	-	7,93,433	4,33,199	50,861	-	4,84,060	3,09,373	3,60,234
7. कंप्यूटर/बाह्य उपकरणों	40%	1,20,94,383	2,74,814	1,83,508	-	1,25,52,705	93,49,595	12,43,086	-	1,05,92,684	19,60,039	27,44,805
8. इलेक्ट्रिक इंस्टॉलेशन	15%	8,82,71,768	49,400	2,02,546	-	8,85,23,714	63,67,642	1,23,12,993	-	1,86,80,638	6,98,43,079	7,57,87,372
9. पुस्तकालय पुस्तकें		21,45,780	-	56,364	-	22,02,144	15,69,342	2,41,848	-	18,11,193	3,90,954	5,76,438
10. ट्यूबवेल एवं जलआपूर्ति		4,45,718	-	-	-	4,45,718	71,567	37,415	-	1,08,982	3,36,736	3,74,151
11. अन्य अचल संपत्ति		78,000	-	5,782	-	83,782	21,645	8,742	-	30,387	53,395	56,355
अमूर्त संपत्ति		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सॉफ्टवेयर		11,00,540	-	23,000	-	11,23,540	7,76,934	1,09,037	-	8,85,971	2,37,569	3,23,606
कुल 2023-24		48,02,09,886	51,80,201	47,22,007	99,608	49,00,12,486	25,62,51,169	3,02,73,836	-	28,65,24,665	20,34,89,424	22,39,58,742
कुल 2022-23		24,59,63,209				29,00,84,130	19,96,53,059	82,83,074	-	20,79,36,133	3,98,43,351	3,49,06,609

अनुसूची-8ख

एफडीडीआई-सभी सरकारी परियोजना परिसंपत्तियां

			सकल संपत्तियां					मूल्यह्रास				शुद्ध सकल संपत्तियां	
क्र.सं.	अचल संपत्तियां	दर	वर्ष की शुरुआत में लागत/मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्धन		वर्ष के दौरान विलोपन	वर्ष की अंत में लागत/मूल्यांकन	जैसे साल की शुरुआत में	वर्ष के दौरान/परिवर्धन पर	वर्ष के दौरान कटौती पर	कुल वर्ष के अंत तक	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
				180 दिन से कम	180 दिन से ज्यादा								
अमूर्त संपत्तियां													
1	**भूमि**												
	क) पूर्णस्वामित्व		4,77,47,271	0	0	0	4,77,47,271	0	0	0	0	4,77,47,271	4,77,47,271
2	**भवन**		0										
	क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	10	8,78,88,28,907	0	98,49,606	0	8,79,86,78,513	5,16,52,55,352	36,33,42,316	0	5,52,85,97,668	3,27,00,80,844	3,62,35,73,555
	ख) कुएं एवं नलकूप	10	3,23,44,961	0	0	0	3,23,44,961	2,12,70,419	11,07,454	0	2,23,77,873	99,67,088	1,10,74,542
3	**फर्नीचर एवं फिटिंग**		0										
	क) फर्नीचर एवं फिटिंग	10	54,32,49,389	0	37,57,098	0	54,70,06,487	31,29,86,463	2,34,02,304	0	33,63,88,026	21,06,18,461	23,02,64,124
	ख) विद्युत फिटिंग्स	10	49,39,34,730	0	0	0	49,39,34,730	28,77,91,666	2,06,14,306	0	30,84,05,972	18,55,28,758	20,61,43,064
4	**मशीनरी एवं संयंत्र**		0										
	क) संयत्र एवं मशीनरी	15	3,56,38,49,087	6,54,98,465	12,26,40,774	0	3,75,19,88,326	2,36,97,65,169	20,24,20,899	0	2,57,21,86,068	1,17,98,02,527	1,19,40,83,918
	ख) संयत्र एवं मशीनरी	40	63,30,63,694	0	46,33,032	0	63,76,96,726	55,87,09,824	3,15,94,761	0	59,03,04,585	4,73,92,142	7,43,53,871
	ग) कंप्यूटर	40	10,41,00,212	1,81,54,318	1,28,00,958	0	13,50,55,488	10,29,45,176	92,13,267	0	11,21,58,443	2,28,96,749	11,55,037
	घ) वाहन	15	3,48,01,975	0	0	0	3,48,01,975	2,72,62,553	11,30,913	0	2,83,93,466	64,08,509	75,39,423
	ड) पुस्तकें	40	8,27,99,254	0	0	0	8,27,99,254	8,27,05,381	37,613	0	8,27,42,994	56,260	93,873
5	**अमूर्त संपत्तियां**		0										
	क) सॉफ्टवेयर	25	54,11,869	2,36,82,600	59,14,089	0	3,50,08,558	6,76,484	56,22,694	0	62,99,178	2,87,09,381	47,35,385
			0										
	कुल		**14,33,97,28,644**	**10,73,35,383**	**15,95,95,557**	**0**	**14,60,66,59,584**	**8,93,83,53,864**	**65,85,98,074**	**0**	**9,59,69,51,197**	**5,00,97,08,360**	**5,40,13,75,293**
क.पूँजीगत कार्य प्रगति			5,49,07,261	1,36,58,43,049		1,29,58,99,554	12,48,50,756					12,48,50,756	5,49,07,261
	कुल											**5,13,45,59,116**	**5,45,62,82,553**

अनुसूची 9 -निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधियों से निवेश	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में		
3. शेयर में		
4. ऋणपत्र एवं अनुबंध में		
5. सहायक कंपनियाँ एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)		
कुल	-	-

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में		
3. शेयर में		
4. ऋणपत्र एवं अनुबंध में		
5. सहायक कंपनियाँ एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य (ग्रेच्यूटी)		
1) ग्रेच्युटी कोष	7,48,33,754	7,44,84,555
2) अन्य निवेश निधि	26,69,50,026	29,10,92,451
कुल	**34,17,83,780**	**36,55,77,006**

अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण एवं अग्रिम	31.03.2024 तक	31.03.2023 तक
क. वर्तमान परिसंपत्तियां:		
1. वस्तुसूची:		
क) भण्डार एवं पुर्जे	73,13,538	82,19,505
ख) अव्यवस्थित उपकरण		-
ग) व्यापार का माल भण्डार		-
कार्य प्रगति के दौरान कच्ची सामग्री का तैयार माल		-
2. विविध देनदार:		
क) छह महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	3,16,35,022	1,77,23,920
ख)देनदार का छह महीने से कम अवधि का बकाया	1,40,65,873	36,74,749
घ) अन्य		1,51,10,472
इ) शाखा		-
3. हाथ में नगद शेष (चेक, ड्राफ्ट और अग्रदाय सहित)	1,25,820	1,50,231
4. बैंक में अधिशेष:		
क) अनुसूचित बैंकों में:		
चालू खातों पर	1,82,83,071	2,21,59,179
जमा खातों में (मार्जिन राशि सहित) बचत खातों में	26,36,69,441	22,73,30,815
ख) गैर अनुसूचित बैंकों के साथ: -चालू खाते -जमा खाते - बचत खातों पर	34,51,367	82,29,574
5. डाकघर-बचत खाते	-	-
कुल (क)	**33,85,44,132**	**30,25,98,444**
1. ऋण		
क) कार्मिकों	8,38,098	7,49,577
ख) संस्था के समान गतिविधियों एवं उद्देश्यों में लगी अन्य संस्थाए		-
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)		-
2. नगद या वस्तु के रूप में या प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां:		
क) पूँजी खाते पर		-
ख) पूर्वभुगतान	54,69,962	64,14,240
ग) अन्य (टीडीएस प्राप्य)	2,37,45,904	2,21,91,966
घ) अन्य प्राप्य	4,31,832	54,17,039
3. अर्जित आय:		
क) निर्धारित बंदोबस्त निधि निवेश पर	-	-
ख) निवेश पर - अन्य	1,00,00,000	12,21,810
ग) ऋण एवं अग्रिम पर		-
घ) अन्य	1,21,52,305	3,05,91,039
(अप्राप्य देय आय शामिल -रुपये)		-
4. प्राप्य दावे		-
5. अन्य परिसंपत्तियां		
क) लेनदारों को अग्रिम	82,93,405	81,91,417
ख) सुरक्षा जाम	1,19,80,899	3,21,30,971
ग) मो. अग्रिम		-
घ) इनपुट टैक्स	1,41,624	29,557
इ) कार्मिकों को अग्रदाय	3,40,618	1,83,691
च) अन्य प्राप्य	99,979	-
छ) छात्र शुल्क प्राप्य	8,37,99,684	5,57,67,251
ज) पीएफ से प्राप्य		-
झ) सरकारी प्राधिकरण को अग्रिम		-
कुल (ख)	**15,72,94,310**	**16,28,88,559**
कुल (क + ख)	**49,58,38,442**	**46,54,87,003**

फुटवियर डिजाइन एवं डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

"समाप्त वर्ष 31 मार्च, 2024 के लिए आय और व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियां "

(रकम रु. में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवाओं से आय	31.03.2024	31.03.2023
1) बिक्री से आय		
क) तैयार माल की बिक्री	1,394	4,862
ख) कच्चे माल की बिक्री	-	-
ग) स्क्रैप की बिक्री	9,91,706	35,60,700
2) सेवाओं से आय	-	-
क) श्रम और प्रसंस्करण शुल्क	-	
ख) व्यावसायिक/परामर्श सेवाएं	4,00,908	4,55,907
ग) एजेंसी कमीशन एवं ब्रोकरेज	53,34,359	50,23,890
घ) रखरखाव सेन्डीज़ (उपकरण/संपत्ति)	-	-
ड़) अन्य (लैब सेवाएं)	8,62,38,246	4,60,35,551
कुल	**9,29,66,613**	**5,50,80,910**

अनुसूची 13 - अनुदान/सब्सिडी	31.03.2024	31.03.2023
(अपरिवर्तनीय अनुदान एवं सब्सिडी प्राप्त)		
1) केंद्र सरकार	65,85,98,074	69,32,36,207
2) राज्य सरकार	-	-
3) सरकारी एजेंसियां		13,96,156
4) संस्थान/कल्याण निकाय	-	-
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	**65,85,98,074**	**69,46,32,363**

अनुसूची 14 - शुल्क/सदस्यता	31.03.2024	31.03.2023
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/सदस्यता	70,000	61,080
3) सेमिनार/प्रोग्राम शुल्क	1,38,00,576	48,80,000
4) कंसल्टेंसी शुल्क	-	-
5) छात्र शुल्क	45,52,83,450	48,67,61,923
कुल	**46,91,54,026**	**49,17,03,003**

अनुसूची 15 - निवेश से आय	निर्धारित निधि से निवेश		निवेश - अन्य		कुल	
(निवेश पर आय, निर्धारित/बंदोबस्त निधि से निधि में स्थानांतरित)	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023	31.03.2024	31.03.2023
1) ब्याज						
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-	-	-
(ख) अन्य बांड/डिबेंचर	-	-	-	-	-	-
2) लाभांश:						
क) शेयरों पर	-	-	-	-	-	-
ख) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-	-	-
3) किराए	13,22,524	12,69,600	26,64,520	1,03,065	39,87,044	13,72,665
4)अन्य (ग्रेच्युटी निधि में निवेश)	53,13,846	51,65,363	-	-	53,13,846	51,65,363
कुल	**66,36,370**	**64,34,963**	**26,64,520**	**1,03,065**	**93,00,890**	**65,38,028**
निर्धारित / बंदोबस्ती निधियों में हस्तांतरित						

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	31.03.2024	31.03.2023
1) रॉयल्टी से आय		-
2) प्रकाशनों से आय	-	-
3) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	31.03.2024	31.03.2023
1) सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	2,12,80,189	2,56,45,368
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) संस्थानों के साथ	3,24,069	6,83,802
घ) अन्य	-	
2) बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के साथ	58,12,503	70,98,107
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के साथ	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर:		
क) कर्मचारी/कार्मिकों	-	-
ख)अन्य	22,156	13,279
4) देनदारों और अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	80,089	50,988
कुल	**2,75,19,005**	**3,34,91,544**

अनुसूची 18 - अन्य आय	31.03.2024	31.03.2023
1) संपत्ति की बिक्री/निपटान पर लाभ:		
क) स्वामित्व वाली संपत्ति	-	-
ख) अनुदान से अर्जित संपत्ति, या मुफ्त में प्राप्त	-	-
2) निर्यात प्रोत्साहन से लाभ	-	-
3)विविध सेवाओं के लिए शुल्क (कैड)	-	80,87,991
4) विविध आय	2,56,16,259	1,49,82,896
कुल	**2,56,16,259**	**2,30,70,887**

अनुसूची 19 - तैयार माल के स्टॉक में वृद्धि/(कमी) एवं कार्य प्रगति पर	31.03.2024	31.03.2023
स्टॉक		
तैयार माल	-	-
कार्य-प्रगति	-	-
उपभोग्य वस्तुएं	73,13,538	82,32,664
कम: ओपनिंग स्टॉक		
तैयार माल	-	
कार्य-प्रगति	-	-
उपभोग्य वस्तुएं	82,32,664	97,13,999
शुद्ध (वृद्धि/कमी)	**-9,19,125**	**-14,81,335**

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	31.03.2024	31.03.2023
क) वेतन एवं मजदूरी	24,50,96,233	22,00,07,738
ख) भते एवं बोनस	37,65,955	82,71,177
ग) भविष्य निधि में अंशदान	2,14,90,753	1,77,57,507
घ) अन्य निधि (ईएसआई) में अंशदान	1,14,672	1,94,929
ङ) कर्मचारी कल्याण व्यय	70,12,551	1,66,53,418
च) कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभों पर व्यय	1,20,30,557	10,99,605
छ) अन्य (निर्दिष्ट करें)	10,42,105	10,31,881
1) कार्मिक बीमा	32,59,115	32,03,003
2) अर्जित अवकाश	1,68,48,438	4,36,585
कुल	**31,06,60,379**	**26,86,55,843**

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	31.03.2024	31.03.2023
क) खरीद	-	-
ख) श्रम और प्रसंस्करण व्यय	37,04,824	55,32,041
ग) कार्टेज और कैरिज इनवर्ड	2,80,352	1,55,957
(घ) बिजली एवं शक्ति	5,32,31,260	5,08,19,218
ड) जल शुल्क	16,61,066	24,58,378
च) बीमा	8,90,379	10,46,725
छ) मरम्मत एवं रखरखाव	4,54,46,011	16,35,23,947
ज) उत्पाद शुल्क विधिवत		-
झ) किराया, दरें और कर	37,14,284	19,26,621
ण) वाहन एवं रखरखाव	35,54,421	46,65,398
ट) डाक, टैलीफोन और संचार प्रभार	49,98,099	52,49,043
ठ) मुद्रण और स्टेशनरी	53,91,866	44,92,034
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	1,42,48,178	1,11,16,089
ढ) सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय	21,73,847	11,04,149
ण) अंशदान व्यय	32,91,031	15,19,234
त) फीस पर खर्च	23,52,763	67,05,434
थ) लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	51,30,654	22,65,163
द) आतिथ्य व्यय	4,30,513	8,82,304
ध)व्यावसायिक शुल्क	65,33,409	79,04,425
(न) अशोध्य एवं संदेहास्पद ऋण/अग्रिमों के लिए प्रावधान	42,50,800	-
प) अपरिवर्तनीय शेष बट्टे खाते में डाले गए	-	1,05,64,264
फ) पैकिंग प्रभार		-
ब) माल ढुलाई और अग्रेषण व्यय		46,642
भ) वितरण व्यय (इथियोपिया परियोजना विस्तार)		7,11,028
म) विज्ञापन और प्रचार	1,59,98,057	1,31,32,239
य) अन्य		-
1) हाउसकीपिंग व्यय	4,03,92,042	3,37,52,525
2) सुरक्षा व्यय	4,63,42,294	3,87,41,784
3)पुस्तकें और पत्रिकाएं	1,53,613	1,38,294
4) कार्यालय व्यय	1,00,09,897	1,03,88,522
5) उपभोग्य वस्तुएं	23,53,545	29,12,904
6) प्रशिक्षण खर्च	1,33,05,290	2,45,90,022
7) मेस खर्च	2,29,85,191	2,49,87,009
8) भर्ती खर्च	2,58,000	-
9) छात्र कल्याण व्यय		1,42,338
10) सॉफ्टवेयर खर्च		59,993
11) उत्सव व्यय (आईएनआई एवं संस्थापक दिवस)	26,18,680	-
12) अचल संपत्तियों को बट्टे खाते में		-
13) बैंक शुल्क		49,665
14) टीडीएस और जीएसटी पर ब्याज		-
15) अग्निसुरक्षा एनओसी शुल्क		1,50,336
16) घरेलू स्थानांतरण व्यय		-
17) इंटरलैब परीक्षण शुल्क	19,65,828	14,01,787
18) प्रचार गतिविधियों के खर्च	98,420	-
19) विदेशी मुद्रा हानि	-	28,891
20) दवा व्यय	-	1,98,121
21)लीज रेंटल वार्षिक	6,32,819	6,32,819
22) ईपीएफओ के देर से भुगतान पर नुकसान और ब्याज शुल्क	-	1,43,00,000
23) अन्य व्यय (विविध)	16,73,417	
24) ओटीसी व्यय	53,53,880	36,95,004
कुल	**32,54,24,729**	**45,19,90,347**

अनुसूची 22 - अनुदानों, सब्सिडी आदि पर व्यय	31.03.2024	31.03.2023
क) संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान	-	
ख) वर्ष के दौरान उपयोग किए गए अनुदान (अनुदानों के बदले बट्टे खाते में डाली गई अचल संपत्ति सहित)	65,85,98,074	69,36,29,120
ग) संस्थानों/संगठनों को दी जाने वाली सब्सिडी	-	-
कुल	**65,85,98,074**	**69,36,29,120**
नोट - संस्थाओं के नाम, उनकी गतिविधियों के साथ-साथ अनुदान/सब्सिडी की राशि का खुलासा किया जाना है।		

अनुसूची 23 - ब्याज	31.03.2022	31.03.2021
क) अचल लोन पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

फुटवियर डिजाइन एण्ड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट

अनुसूची-24: महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. **लेखांकन प्रचलन**

   वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो एवं लेखांकन संचय विधि पर आधारित होते हैं।

2. **वस्तुओं की सूची का मूल्यांकन**

   स्टोर, स्पेयर एवं उपभोग्य (मशीनरी के पुर्जे सहित) तथा स्टेशनरी वस्तुओं का मूल्यांकन लागत पर किया जाता है।

3. **राजस्व मान्यता**

   अनुदान/सब्सिडी को छोड़कर सभी आय का लेखांकन संचय के आधार पर किया जाता है, जिसे सरकारी अनुदान से खरीदी गई संपत्ति पर लगाए गए मूल्यह्रास की सीमा तक आय के हिस्से के रूप में दिखाया गया था।

4. **निवेश**

   दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक दोनों निवेशों का मूल्यांकन तुलन-पत्र 31-मार्च-2024 की तिथि के अनुसार लागत पर किया जाता है

5. **<u>अचल संपत्तियां</u>**

   (क) खरीदी/सृजित अजल संपत्तियों की लागत को घटाकर संचित मूल्यह्रास पर उल्लेखित है। अधिग्रहण की लागत में माल ढुलाई, शुल्क, कर एवं अन्य आवश्यक खर्च शामिल है।

   (ख) निम्नलिखित भूमि संबंधित राज्य सरकारों द्वारा निशुल्क आबंटित की गई है और इसे खाता बहियों में 1/- रुपये के मामूली शुल्क पर दर्शाया गया है।

   - चेन्नई, तमिलनाडु में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।
   - कोलकाता, पश्चिम बंगाल में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।
   - हरियाणा में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।
   - राजस्थान में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।
   - हैदराबाद में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।
   - पटना, बिहार में एफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।
   - पंजाब मेंएफडीडीआई शाखा के लिए भूमि।

6. व्यय

सभी व्यय संचय के आधार पर दर्ज किया गया था, वर्ष 2023-24 के दौरान, रु. 1,68,48,438/- की अवकाश नकदीकरण के प्रावधान तथा ग्रेच्युटी के लिए रु. 1,20,30,557/- के प्रावधान के कारण व्यय दर्ज किया गया। 31.03.2024 को अवकाश नकदीकरण के लिए कुल प्रावधान 6,71,42,179/- रुपये है और ग्रेच्युटी का प्रावधान 8,05,68,694/- रुपये है, जिसमें से 7,48,33,754/- रुपये की धनराशि एलआईसी समूह ग्रेच्युटी योजना में निवेश की गई है।

7. पूँजीकरण कार्य प्रगति पर

वर्ष के दौरान रु. 12,48,50,757/ -(क्रमशः सीएनसी रु.1,15,43,837/-, सीओई रु. 1,58,18,214/- एवं नॉन-लेदर रु. 12,91,25,134/-) को पूंजीगत कार्य प्रगति के रूप में दर्शाया गया है। पटना, जोधपुर, कोलकाता, रोहतक, चेन्नई एवं हैदराबाद एफडीडीआई की शाखाओं में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना के लिए तथा सीएनसी और आईडीएलएस-नोएडा में व्यय किया गया है।

8. व्यय की तुलना में आय की अधिकता/कमी

संगठन की नीति के अनुसार, एफडीडीआई ने आय से अधिक व्यय रुपये 4,27, 21,276/- को पूंजी/संग्रहण निधि में स्थानांतरित कर दिया गया है।

9. अनुदान सहायता

चालू वर्ष के दौरान एफडीडीआई को 31,12,25,660/- रुपये (नॉन-लेदर 18,10,45,815/- रुपये, नई प्रयोगशाला भवन 8,26,72,780/- रुपये और बनूर बालिका छात्रावास4,75,07,065/- रुपये) का अनुदान प्राप्त हुआ और अनुदान पर ब्याज आय रु.5,86,646/- अर्जित किया। अनुदान में से खरीदी गई परिसंपत्ति पर मूल्यास के प्रतिपयोग/समायोजित अनुदान 65, 85,98,074/- रुपये एवं अन्य आवर्ती प्रशासनिक व्यय 1,21,39,450/- रुपये पर समायोजित किया गया है।

10. वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सरकारी अनुदान से खरीदी और बनाई गई सभी संपत्ति पर मूल्यह्रास लगाया गया है। चालू वित्त वर्ष के दौरान परिसंपत्तियों पर लगाया गया कुल मूल्यह्रास **65,85,98,074/-** रुपये था और अनुदान को उसी मूल्य के प्रतिसमायोजित किया गया था। इसके अलावा स्वयं की निधि से खरीदी गई संपत्ति पर रु. **3,02,73,836/-** का मूल्यह्रास लगाया गया है जो आय एवं व्यय खाते में दिखाया गया है। नीति के अनुसार, वर्ष 2023-24 के दौरान पूंजीगत कार्य से संबंधित पूंजीगत व्यय पर कोई मूल्यह्रास प्रदान नहीं किया गया है क्योंकि तुलन पत्र की तारीख तक पूंजीकृत नहीं किया गया था।

11. छिंदवाड़ा कैम्पस के छात्रों की देय फीस रु. 42.50 लाख पिछले 03 वर्षों से अधिक समय से लंबित थी और वसूली की संभावना बहुत कम थी, इसलिए गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी के साथ इसे वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान खाते की किताबों में बट्टे खाते में डाल दिया गया है।

12. अन्य

i. स्टॉक एवं नकदी की शेष राशि विभागाध्यक्षों द्वारा प्रमाणित और उनके द्वारा 31/03/2024 को भौतिक रूप से सत्यापित की गई है।

ii. विविध देनदारों, लेनदारों, प्राप्य, ऋण, अग्रिम और अन्य देनदारियों का शेष चाहे नामे या जमा में हो, पुष्टि और सामंजस्य के अधीन हैं।

iii. संस्थान ने सभी परिसरों एवं मुख्यालय के लिए नियमित रूप से आंतरिक लेखा परीक्षा करने के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट की फर्मों को नियुक्त किया है। हमने सभी परिसरों के खातों की बहियों को आंतरिक लेखा परीक्षक द्वारा परिक्षित कराया है।

iv. वित्तीय विवरणों को पूरा करते समय सभी वित्तीय आंकड़ों को निकटतम रुपये में पूर्णांकित किया गया है।

v. पिछले वर्ष के आंकड़ों को यथावश्यक पुनः समूहित एवं पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

vi. सभी परिसरों की अचल परिसंपत्तियां (परियोजना से संबंधित) का रख-रखाव मुख्यालय में रखा गया है।

अनुसूची :25 आकस्मिक देयताएं

i. नोएडा प्राधिकरण ने 24.01.2024 को एक पत्र जारी किया है जिसमें नोएडा परिसर के लिए भूमि के पट्टा किराए और उस पर ब्याज के रूप में 12.45 (लगभग) करोड़ रुपये की मांग की गई है। संबंध में यह प्रस्तुत किया जाता है कि पट्टा किराया का भुगतान, भुगतान तारीख तक कर दिया गया है लेकिन पट्टा कियाए विलंब से भुगतान पर ब्याज देय है। माफ करने के लिए नोएडा प्राधिकरण के साथ इस मामले को उठाया जा रहा है, हालांकि प्राधिकरण ने जुर्माना माफ करने के लिए सहमति व्यक्त की है और 17% के बजाय बचत ब्याज दर पर भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की है तथा प्राधिकरण से पुष्टिकरण पत्र अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

डॉ सुमित कुमार जारंगल, भा.प्र.से.	कर्नल पंकज कुमार सिन्हा	सुनील बिष्ट
प्रबंध निदेशक	सचिव	प्रबंधक(लेखा एवं वित

स्थान:नोएडा

दिनांक:14.08.2024

एफडीडीआई उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई)

क्रमांक	'विषयगत क्षेत्र' पर स्थापित सीओई	एफडीडीआई परिसर
1.	डिजाइन, विकास और फैब्रिक इंटरफेस के लिए केन्द्र	चेन्नई
2.	डिजाइन, विकास और लेदर के उत्पादों और सहायक उपकरण के लिए फैब्रिक इंटरफ़ेस- विस्तारित	हैदराबाद
3.	चमड़ा परिष्करण नवाचार तथा उत्पाद रिटेल बिक्री के लिए केंद्र	पटना
4.	चमड़े के सामान, परिधान एवं सहायक उपकरण के लिए केंद्र	कोलकाता
5.	उच्च प्रदर्शन/विशिष्ट फुटवियर तथा उत्पाद और स्टार्ट अप	जोधपुर
6.	अनुसंधान एवं विकास, पाठ्यक्रम विकास और लेदर फैशन फुटवियर और उत्पाद नवाचार के लिए केंद्र	नोएडा
7.	नॉन-लेदर फुटवियर, उत्पाद और सहायक उपकरण के लिए केंद्र	रोहतक

मुख्य सुविधाएः-

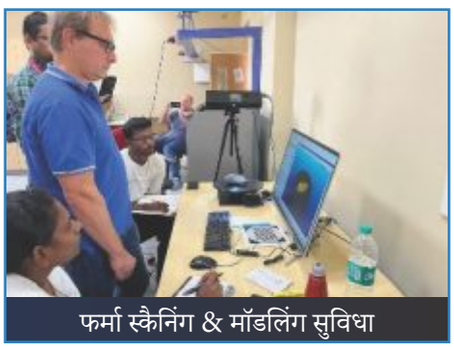
फर्मा स्कैनिंग & मॉडलिंग सुविधा

मिलिंग टर्निंग & फिनिशिंग सेटअप

3 डी मैटेरियल स्कैनर

ऐटम फ्लैश प्लॉटर / डाईलेस पैटर्न कटिंग के लिए कटर

3 डी मल्टीकलर प्रिंटर

FDDI

फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार
एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक
राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

एफडीडीआई अधिनियम 2017 के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान (आईएनआई)

विशेषज्ञता क्षेत्रः

- फुटवियर डिज़ाइन एण्ड प्रोडक्शन
- लेदर गुड्स एण्ड एक्सेसरी डिज़ाइन
- रिटेल एण्ड फैशन मर्चेनडाइज़
- फैशन डिज़ाइन

अधिक जानकारी के लिएः
सम्पर्क करें
दूरभाषः 0120–4500100
WWW.FDDIINDIA.COM
fddiofficial fddi

एम. डेस. और बी. डेस. पाठ्यक्रम उपलब्ध